THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 28 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख कृ.12 2080 सोमवार, 17 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

मिट्टी में मिल गया माफिया

हत्यारे बोले : नाम के लिए मारा बेटे की कब्र के पास दोनों दफनाए गए

प्रयागराज, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या करने वालों की कुंडली धीरे-धीरे खुल रही है। इनका आपराधिक बैकग्राउंड रहा है। इनके नाम लवलेश तिवारी, मोहित उर्फ सनी और अरुण मौर्य हैं। लवलेश बांदा, सनी हमीरपुर और अरुण कासगंज का रहने वाला है। जिस तरह से इन तीनों हमलावरों ने अतीक और अशरफ को चंद सेकेंड में लुढ़का दिया, उससे एक सवाल उठ रहा है। सवाल यह है क्या इन अटैकर्स ने हत्या को अंजाम देने से पहले ट्रेनिंग ली थी? इन हमलावरों ने अतीक और अशरफ के बचने की जरा भी गुंजाइश नहीं छोड़ी थी। अतीक के सिर से बिल्कुल सटाकर गोली मारना दिखाता है कि ये क्राइम की दुनिया के पुराने खिलाड़ी थे। जिस आसानी से अटैकर्स ने अतीक का भेजा उड़ा दिया वह किसी नौसीखिए के बस का नहीं था। अटैकर्स ने अतीक का भेजा उड़ाने के बाद भी उसे बख्शा नहीं और बाद में भी कई राउंड गोलियां चलाईं। यानी अटैकर्स पक्का करना चाहते थे कि किसी भी हाल में कम से कम अतीक तो नहीं बचना चाहिए।

तीनों हमलावरों की क्राइम कुंडली कुछ-कुछ सामने आई है। हमीरपुर जिले के कुरारा कस्बे का रहने वाला सनी हिस्ट्रीशीटर है। कुरारा पुलिस थाने में इसकी हिस्ट्रीशीट नंबर 281ए है। सनी के खिलाफ तकरीबन 15 मुकदमे दर्ज हैं। गुजरे 10 साल से वह घर में नहीं रह रहा था। पिता और मां की मौत हो चुकी है। सनी का एक भाई मर चुका है। दूसरा भाई पिंटू चाय की दुकान चलाता है। सनी फालतू घूमता रहता था। कई साल पहले उसने घर छोड़ दिया था।

अतीक और अशरफ पर तड़ातड़ गोलियां दागने वालों में दूसरा नाम बांदा के लवलेश तिवारी का है। घर से उसका लेनादेना नहीं था। एक मामले में वह जेल जा चुका था। उस पर चार केस दर्ज हैं। इनमें से एक केस लड़की को थप्पड़ मारने और शराब से जुड़ा था।

तीसरा नाम कासगंज के अरुण उर्फ कालिया का है। वह छह साल से बाहर रह रहा था। अरुण के माता-पिता की मौत हो चुकी है। अरुण जीआरपी थाने में तैनात पुलिसकर्मी की हत्या कर चुका है। इसके बाद से वह फरार था।

पुलिस को तलाशने होंगे जवाब

तीनों की ही पृष्ठभूमि देखें तो ये घर-परिवार से दूर थे। अभी इस तरह के सवाल बने हुए हैं कि ये तीनों साथ में कैसे मिले। जिस तरह से इन्होंने अचूक निशाना लगाकर अतीक और उसके भाई को एक झटके में ढेर कर दिया, उससे यह भी सवाल उठता है कि क्या इन तीनों ने कोई ट्रेनिंग ली थी।

>14

कौन है गुड्डू मुस्लिम?

प्रयागराज, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज में माफिया से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। घटना के वक्त अतीक और अशरफ मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। अशरफ ने एक सवाल के जवाब में गुड्डू मुस्लिम का नाम लिया। जैसे ही अशरफ ने कहा, मेन बात ये है कि गुड्डू मुस्लिम... तभी उसके बगल में खड़े अतीक अहमद को हमलावरों ने सिर से सटाकर गोली मार दी। जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक हमलावरों ने अशरफ को भी गोली मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

ऐसे में आज हम आपको उस गुड्डू मुस्लिम की कहानी बताएंगे जिसका मरने से ठीक पहले अशरफ ने नाम लिया। ये बताएंगे कि आखिर वो गुड्डू मुस्लिम है कौन? अतीक और अशरफ से उसके क्या संबंध हैं?

क्यों चर्चा में है गुड्डू मुस्लिम

उमेश पाल हत्याकांड से जुड़े कई किरदार अब तक सामने आ चुके हैं। हत्या में शामिल चार आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। इनमें अतीक अहमद का बेटा असद अहमद भी है। इसके अलावा मुख्य साजिशकर्ता अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की शनिवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। अतीक का एक दूसरा बेटा नैनी जेल में बंद है। दो नाबालिग बेटे बाल सुधार गृह में हैं। वहीं, अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन अब भी फरार चल रही है। अतीक की बहन नूरी और उसकी दो बेटियां, अशरफ की पत्नी जैनब भी फरार चल रही है। पुलिस को इनकी तलाश है।

इन सबके अलावा एक और नाम है, जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा है। वह नाम है गुड्डू मुस्लिम का। ये वही गुड्डू मुस्लिम है, जिसका अशरफ ने मरने से ठीक पहले नाम लिया था। अब आपको गुड्डू मुस्लिम के कारनामे भी बता देते हैं। दरअसल, यही वह गुड्डू मुस्लिम है, जिसने उमेश पाल की हत्या के दौरान एक के बाद एक कई बम धमाके किए थे। गुड्डू मुस्लिम को बमबाज गुड्डू भी बोलते हैं।

गुड्डू मुस्लिम को जानने वाले लोग बताते हैं कि वह शुरू से ही बदमाश था। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में उसका जन्म हुआ था। स्कूली दिनों से ही वह लूट और रंगदारी वसूलने जैसे कांड में शामिल होने लगा। इसी दौरान कई बड़े बदमाशों के संपर्क में आया। बताया जाता है कि तब से ही वह बम बनाने लगा। हर रोज गुंडागर्दी और मारपीट की शिकायतों से परेशान होकर घरवालों ने उसे पढ़ने के लिए लखनऊ भेज दिया। लेकिन यहां से गुड्डू मुस्लिम ने बड़े अपराध को अंजाम देना शुरू कर दिया। बताया जाता है कि यहां उसकी मुलाकात पूर्वांचल के दो बाहुबली नेताओं अभय सिंह और धनंजय सिंह से हुई। उन दिनों ये भी लखनऊ यूनिवर्सिटी में ही पढ़ते थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुड्डू मुस्लिम का नाम पहली बार तब चर्चा में आया।

>14

लोकपाल पर 4 साल में 300 करोड़ से ज्यादा खर्च

78 प्रतिशत शिकायतें अंग्रेजी में नहीं थीं, इसलिए सुनवाई ही नहीं, सिर्फ 3 मामलों की जांच पूरी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री से लेकर विधायकों जैसे अहम पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए 2019 में बना लोकपाल अब तक एक भी मामले में किसी को दोषी बनाकर मुकदमा नहीं चला पाया है। इन चार सालों में लोकपाल के पास 8,700 से अधिक शिकायतें पहुंचीं। इनमें से 6,775 (78 प्रतिशत) शिकायतें इस आधार पर खारिज दी गईं कि वे सही फॉर्मेट में दर्ज नहीं हुई थीं। सही फॉर्मेट की बेतुकी शर्त यह है कि शिकायत सिर्फ अंग्रेजी में होनी चाहिए।

लोकपाल ने जितनी भी शिकायतें 'सही फॉर्मेट' नहीं होने का हवाला देकर खारिज कीं, उनमें ज्यादातर हिंदी में थीं। इसके अलावा कई शिकायतें दक्षिण भारतीय भाषाओं में थीं। लोकपाल के दफ्तर में कितनी शिकायतें सिर्फ भाषा के आधार पर रद्दी की टोकरी में डाल दी गईं, इसका ब्योरा सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है।

लोकपाल के आंकड़ों के अनुसार, 4 साल में सिर्फ 14 मंत्रियों, सांसदों या विधायकों के खिलाफ शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से अब तक सिर्फ 3 मामलों में जांच पूरी हो पाई है। हालांकि, कार्मिक मामलों पर संसद की समिति को दी गई जानकारी के अनुसार 36 मामलों में शुरूआती जांच शुरू हो चुकी है, लेकिन अब तक एक भी मामले में मुकदमा नहीं चलाया गया है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ दशकों तक चली राजनीतिक रस्साकशी के बाद 2019 में बनी लोकपाल नाम की इस संस्था पर अब तक 300 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हो चुके हैं। 2019-20 में केंद्र सरकार के मंत्रियों और सांसदों के खिलाफ चार मामले पहुंचे। राज्य के मंत्रियों व विधायकों के खिलाफ कुल 6 मामले आए। 2020-21 में सांसदों के खिलाफ 4 मामले मिले, लेकिन 2021-22 में एक भी मामला नहीं आया।

लोकपाल की जांच के दायरे में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद, राज्य के मंत्री, विधायक, केंद्र सरकार के ए से डी श्रेणी तक के अफसर, बोर्ड, कॉर्पोरेशन, सोसाइटी, ट्रस्ट और स्वायत्त निकायों के अध्यक्ष, सदस्य, अधिकारी और 10 लाख रुपये से अधिक विदेशी चंदा पाने वाले सभी निकाय आते हैं।

कुशाईगुडा में आग, तीन लोगों की मौत

हैदराबाद, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। हैदराबाद में रविवार तड़के एक आवासीय परिसर में आग लग गई। इससे एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि तड़के सुबह चार बजे कुशाईगुड़ा इलाके में एक लकड़ी के डिपो में आग लग गई और यह पास की इमारत में फैल गई। यह आग बिल्डिंग की पहली मंजिल तक फैली, जहां एक दंपती अपने बच्चे के साथ सो रहे थे। इससे पहले की उन्हें कुछ समझ आता, सबकी मौत हो गई। तीनों मृतकों के शव को पुलिस ने गांधी अस्पताल के मोर्चरी में रखा है।

घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को फोनकर जानकारी दी। दमकल की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस ने बताया कि स्थिति को देखते हुए लग रहा कि परिवार के लोगों की मौत दम घुटने से हुई है। फिलहाल, आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है।

वरुण गांधी ने अशोभनीय टिप्पणी करने वाले पर मानहानि का केस किया

पीलीभीत, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा नेता वरुण गांधी ने ट्विटर पर अपने पिता के खिलाफ कथित रूप से की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर वाराणसी के एक व्यक्ति के खिलाफ यहां की स्थानीय अदालत में मानहानि का मामला दायर किया है। वरुण गांधी तीन अधिवक्ताओं के साथ अदालत परिसर में आए और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (द्वितीय) अभिनव तिवारी के समक्ष मानहानि का मुकदमा दायर किया। एक वकील ने बताया कि अदालत ने वरुण गांधी का बयान दर्ज किया और सुनवाई की अगली तारीख 25 अप्रैल तय की है। गांधी ने शिकायत में कहा है कि उनके पिता स्वर्गीय संजय गांधी देश के जाने-माने राजनेता थे और पूरे देश में उनका सम्मान था और आज भी है।

क्या है मानहानि का मामला

वरुण गांधी ने कोर्ट को बताया कि वाराणसी जिले के भोजूबीर निवासी विवेक पांडेय ने 29 मार्च 2023 को अपने सोशल मीडिया ट्विटर के जरिए संजय गांधी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। गांधी के अनुसार, आरोपी ने खुद को राष्ट्रवादी हिंदू और किसान मोर्चा का महासचिव बताया था। गांधी ने यह भी कहा कि उन्हें बीसलपुर क्षेत्र के बिलसंडा की यात्रा के दौरान आम जनता द्वारा ट्वीट के बारे में सूचित किया गया था।

अदालत ने गांधी की शिकायत दर्ज करने का आदेश पारित किया और 25 अप्रैल को मामले को पोस्ट करने वाले सांसद वरुण गांधी का बयान दर्ज किया जाएगा। गांधी ने कहा, अगर कोई मेरे पिता या किसी बुजुर्ग पर अपमानजनक टिप्पणी करता है, तो मैं निश्चित रूप से उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगा, ताकि लोग सबक सीख सकें और अदालत जो भी फैसला लेगी, उसे स्वीकार किया जाएगा।

तमिलनाडु में आरएसएस ने 45 स्थानों पर निकाला रूट मार्च

चेन्नई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय द्वारा तमिलनाडु सरकार की अपील खारिज किए जाने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) रविवार को तमिलनाडु में 45 स्थानों पर पथ संचलन (रूट मार्च) कर रहा है। लंबे समय बाद शीर्ष अदालत ने आरएसएस दो दिन पहले ही मार्च निकालने की अनुमति दी थी। इसके बाद पुलिस की ओर से मार्च निकालने के लिए 16 तारीख दी गई थी।

आरएसएस ने पिछले साल दो अक्टूबर मार्च निकालने की अनुमति मांगी थी। लेकिन राज्य की द्रमुक सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) व उसके कई सहयोगी ग्रुपों पर बैन लगाए जाने के बीच कानून और सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी थी।

शीर्ष अदालत ने 11 अप्रैल को राज्य की तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इसके साथ अदालत ने अपने आदेश में आरएसएस को राज्य के कई इलाकों में कुछ शर्तों के साथ मार्च निकालने पर अपनी सहमति दे दी।

सीबीआई ने केजरीवाल से की 9 घंटे पूछताछ

बाहर आकर बोले- उन्होंने 56 सवाल पूछे, हमारे पास छिपाने को कुछ नहीं

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। शराब नीति केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सीबीआई ने अपने ऑफिस में करीब 9 घंटे तक पूछताछ की। वे रविवार सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर एजेंसी के ऑफिस पहुंचे थे। केजरीवाल रात 8.30 बजे एजेंसी ऑफिस से बाहर निकले।

केजरीवाल ने बताया कि सीबीआई ने जितने सवाल पूछे मैंने सभी सवालों के जवाब दिए। हमारे पास कुछ छिपाने के लिए नहीं है। ये पूरा का पूरा कथित शराब घोटाला झूठ है, फर्जी है और गंदी राजनीति से प्रेरित है। आप कट्टर ईमानदार पार्टी है। हम मर-मिट जाएंगे पर कभी अपनी ईमानदारी के साथ समझौता नहीं करेंगे। वे आप को खत्म करना चाहते हैं लेकिन देश की जनता हमारे साथ है। लगभग 56 सवाल उन्होंने पूछे। उन्होंने कहा कि मेहमाननवाजी के लिए सीबीआई अधिकारियों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने दोस्ताना तरीके से सवाल पूछे।

केजरीवाल से पूछताछ के विरोध में प्रदर्शन कर रहे आप के 6 से ज्यादा विधायकों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। रात में उन्हें छोड़ दिया गया। सभी नजफगढ़ पुलिस स्टेशन से नारेबाजी करते हुए बाहर निकले।

दिल्ली सरकार के कई मंत्री, पार्टी सांसद और पंजाब के सीएम भगवंत मान, केजरीवाल को सीबीआई ऑफिस तक छोड़ने गए थे। बाद में इन नेताओं ने सीबीआई ऑफिस के बाहर ही विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिसके बाद राघव चड्ढा और संजय सिंह समेत कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया था।

आंध्र सीएम जगन के चाचा को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

पूर्व सांसद की हत्या का मामला

अमरावती, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सीबीआई ने रविवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के चाचा वाई.एस. भास्कर रेड्डी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी पूर्व सांसद विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में हुई है। बता दें कि विवेकानंद रेड्डी आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के भाई और मौजूदा सीएम जगन मोहन रेड्डी के चाचा थे। वह पुलीवेंदुला इलाके में स्थित अपने घर में 15 मार्च 2019 को मृत पाए गए थे।

घर में घुसकर अज्ञात ने की थी हत्या

एसआईटी ने पहले इस मामले की जांच की और जुलाई 2020 में इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी। सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, विवेकानंद रेड्डी, काडप्पा लोकसभा सीट से अपने या जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला या जगन की मां वाईएस विजयम्मा के लिए टिकट मांग रहे थे। जांच में पता चला कि 68 वर्षीय विवेकानंद रेड्डी के घर में किसी अज्ञात व्यक्ति ने घुसकर उनकी हत्या की थी। घटना के वक्त पूर्व सांसद अपने घर में अकेले थे। एसआईटी ने पहले इस मामले की जांच की और जुलाई 2020 में इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी।

विवेकानंद रेड्डी की लोकसभा सीट कडापा से वाईएस अविनाश रेड्डी सांसद हैं, जो कि भास्कर रेड्डी के बेटे हैं। सीबीआई ने भास्कर रेड्डी को उनके पुलिवेंदुला इलाके में स्थित आवास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही भास्कर रेड्डी के समर्थक भारी संख्या में उनके आवास पहुंच गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद जांच में आई तेजी

सीबीआई भास्कर रेड्डी को हैदराबाद लेकर गई है, जहां उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। भास्कर रेड्डी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि भास्कर रेड्डी की गिरफ्तारी सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद हुई है, जिसमें कोर्ट ने सीबीआई को 30 अप्रैल तक मामले की जांच पूरी करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद ही सीबीआई ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम गठित की गई।

विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता रेड्डी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की थी और किसी करीबी पर हत्या का शक जताया था। बीते साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला हैदराबाद ट्रांसफर कर दिया था क्योंकि सुनीता रेड्डी ने याचिका दायर कर आशंका जताई थी कि आंध्र प्रदेश में मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो पाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयुक्त अरुण गोयल की नियुक्ति को चुनौती

दायर जनहित याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल कर चुनाव आयुक्त अरुण गोयल की नियुक्ति को चुनौती दी गई है। याचिका में भारत के चुनाव आयुक्त के रूप में गोयल की नियुक्ति को रद्द करने की मांग की गई है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। दाखिल की गई याचिका में कहा गया है कि ये नियुक्ति मनमानी है और संस्थागत अखंडता और भारत के चुनाव आयोग की स्वतंत्रता का उल्लंघन है और साथ ही समानता के अधिकार का भी।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दायर की गई याचिका में गोयल की नियुक्ति को गैर कानूनी, मनमानी और

त्रुटिपूर्ण बताते हुए रद्द करने की गुहार लगाई गई। एडीआर की ओर से दखिल इस जनहित याचिका में कहा गया है कि अरुण गोयल की नियुक्ति कानून के मुताबिक सही नहीं है। साथ ही निर्वाचन आयोग की सांस्थानिक स्वायत्तता का भी उल्लंघन है।

इसके अलावा संविधान के अनुच्छेद 14 और 324(2) के साथ साथ निर्वाचन आयोग (आयुक्तों की कार्यप्रणाली और कार्यकारी शक्तियां) एक्ट 1991 का भी उल्लंघन है। इस जनहित याचिका से पहले एडीआर ने निर्वाचन आयुक्तों की मौजूदा नियुक्ति प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता को भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका के अनुसार, भारत सरकार ने गोयल की नियुक्ति की पुष्टि करते हुए कहा था कि चूंकि वह तैयार किए गए पैनल में चार व्यक्तियों में सबसे कम उम्र के थे, इसलिए चुनाव आयोग में उनका कार्यकाल सबसे लंबा होगा।

याचिका में तर्क दिया गया है कि उम्र के आधार पर गोयल की नियुक्ति को सही ठहराने के लिए जानबूझकर एक दोषपूर्ण पैनल बनाया गया था। इसके अलावा, 160 अधिकारी ऐसे थे जो 1985 बैच के थे और उनमें से कुछ गोयल से छोटे थे।

'महा' डील फाइनल : क्या एकनाथ शिंदे की जगह लेंगे अजित पवार?

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में फ़िलहाल उथल-पुथल और अनिश्चितता के संकेत मिल रहे हैं। इसकी गवाही बीते दिनों में हुए घटनाक्रम दे रहे हैं। जिनपर अगर बारीकी से नजर दौड़ाएं तो लगता है कि महाराष्ट्र में कुछ बड़ा सियासी परिवर्तन देखने को मिल सकता है। बीते कुछ दिनों सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि आने वाले दिनों में अजित पवार बीजेपी में समर्थकों संग शामिल हो सकते हैं या फिर बीजेपी के साथ हाथ मिलाकर सरकार स्थापित कर सकते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में एकनाथ शिंदे बनाम उद्धव ठाकरे की लड़ाई वाले मुकदमे की सुनवाई पूरी हो चुकी है। इसका फैसला भी अदालत ने सुरक्षित रख लिया है। बस अब यह किसी भी समय सुनाया जा सकता है। ऐसे में इस बात की संभावना है कि एकनाथ शिंदे के 16 विधायक अपात्र घोषित हो जाएं। ऐसा हुआ तो शिंदे फडणवीस सरकार गिर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक इसी वजह से बीजेपी ने अब अजित पवार पर डोरे डालना शुरू किया है। अगर अजीत पवार बीजेपी के साथ जाते हैं तो उनका मुख्यमंत्री बनने का सपना भी पूरा हो जायेगा। फिलहाल उनके पास 35-40 एनसीपी विधायकों का समर्थन है। इसलिए दल बदल विरोधी कानून लागू नहीं होगा।

यह भी कहा जा रहा है कि 8 अप्रैल को अचानक अजित पवार का गायब हो जाना भी इसी कड़ी का हिस्सा था। इस बात की चर्चा है कि उस दिन अजित पवार चार्टेड फ्लाइट से दिल्ली गए थे। जहां उनकी मुलाकात अमित शाह से हुई थी। दरअसल अजित पवार दिल्ली में डील फाइनल करने के लिए गए

थे। इस दौरान उनके साथ प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे भी मौजूद थे। ताकि विभागों के बंटवारे पर भी चर्चा हो सके। चर्चा इस बात की भी है कि बीजेपी शिंदे से किनारा कर रही है। अजित पवार को लेकर यह कहा जाता है कि वह बीजेपी के आला नेताओं के खिलाफ कभी कड़ा रुख नहीं अपनाते हैं।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे की बढ़ती हुई लोकप्रियता बीजेपी के लिए मुश्किल का सबब बनी हुई है। भले ही उद्धव गुट ने पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह खो दिया है बावजूद इसके उनकी लोकप्रियता में इजाफा दर्ज किया गया है। इसके अलावा बीजेपी के अंदरूनी सर्वे में महाविकास अघाड़ी को राज्य की कुल 48 लोकसभा सीटों में से 33 पर जीत मिल सकती है। इस सर्वे ने भी बीजेपी नेताओं की नींद उड़ाई हुई है। बीजेपी किसी किसी भी सूरत में महाराष्ट्र को खोना नहीं चाहती है। इसलिए बीजेपी राज्य में मुख्यमंत्री के रूप में एक मराठा चेहरा देना चाहती है। इसीलिए बीजेपी अजित पवार को रिझाने की कोशिश में जुटी हुई है। राज्य में 35 प्रतिशत मराठा हैं।

बीजेपी के साथ हाथ मिलाने के मुद्दे शरद पवार ने अजित पवार से कहा है कि इस विषय पर वह खुद फैसला लें। पवार बीजेपी से साथ जाकर अपने कई दशक पुराने करियर पर दाग नहीं लगाना चाहते हैं। वहीं अजित पवार के समर्थक यह चाहते हैं अजित पवार पहले शरद पवार का आशीर्वाद लें। उसके बाद आगे बढ़ें। समर्थक इस बात से भी डर रहे हैं कि कहीं साल 2019 की तरह का वाकया न हो। उस समय अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस की सरकार महज 80 घंटों में ही गिर गयी थी। शरद पवार बीजेपी के साथ जाने से हिचक रहे हैं। अजित पवार के समर्थकों को पता है कि पार्टी के संरक्षक के खिलाफ जाने का मतलब राजनीतिक आत्महत्या हो सकती है। क्योंकि शरद पवार की जनता के मूड को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इसलिए, एनसीपी के विधायकों ने अजित पर किसी तरह शरद पवार का आशीर्वाद लेने का दबाव डाला है।

सीएम शिवराज परिवार के साथ दो दिवसीय निजी दौरे पर जाएंगे बैतूल

भोपाल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान परिवार के दो दिवसीय निजी दौरे पर रविवार को बैतूल जाएंगे। सीएम परिवार के साथ बैतूल के बोरी अभ्यारण जाएंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उनकी पत्नी साधना सिंह चौहान और दोनों बेटे कुणाल और कार्तिकेय के साथ शाम को भोपाल से हेलीकॉप्टर से रवाना होंगे। सीएम का हेलीकॉप्टर शाम को बैतूल जिले के धसाई हेलीपेड पर उतरेगा। धसाई से सीएम कार से धपाड़ा पहुंचेंगे। सीएम रात्रि विश्राम बोरी रिसोर्ट में ही करेंगे। बता दें सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की बोरी इलाके की चुरना रेंज में सबसे ज्यादा टाइगर हैं। सीएम शिवराज अक्सर परिवार के साथ यहां वन्य जीवों को देखने आते है। यह सीएम का परिवार का निजी दौरा हैं।

कोलार में बीजेपी पर बरसे राहुल गांधी

कहा- कर्नाटक में सरकार हम बनाएंगे

कोलार, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के एलान के बाद राहुल गांधी ने रविवार को कोलार में चुनावी रैली को संबोधित किया। अपने अभिभाषण में राहुल गांधी ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। कोलार की रैली में उन्होंने कहा, हमारी सरकार बनेगी तो सब काम बहुत जल्द करेंगे, किसी भी वादे में देरी नहीं होगी और बड़े वादों को बहुत जल्द पूरा करेंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री को एक ठेकेदार ने 40 प्रतिशत कमीशन देने की चिट्रटी लिखी थी जिसका जवाब प्रधानमंत्री ने नहीं दिया। कर्नाटक की जनता को प्रधानमंत्री को संदेश देना चाहिए। उन्होंने एक बार फिर से अडानी मामले को जनता के सामने रखा और

आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अडानी जैसे लोगों की मदद की और कर्नाटक में बीजेपी सरकार ने क्या काम किया? उन्होंने 40 प्रतिशत कमीशन खाया है।

हमने कर्नाटक की जनता से 4 वादे किए

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोलार में आगे कहा कि कर्नाटक की बीजेपी सरकार ने हर एक काम में 40 प्रतिशत कमीशन खाया। वहीं, उन्होंने कांग्रेस के वादों को दोहराते हुए कहा, हमने कर्नाटक की जनता से 4 वादे किए हैं। पहला है कि हर घर के परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। दूसरा वादा है कि हर महीने हर महिला को 2000 रुपए दिए जाएंगे। तीसरा वादा है कि हर महीने हर परिवार को 10 किलो चावल मुफ्त दिया जाएगा। चौथी योजना है कि हर महीने 2 साल के लिए कर्नाटक के हर ग्रेजुएट को 3000 रुपए और डिप्लोमा होल्डर को 1500 रुपए दिए जाएंगे।

कांग्रेस की सरकार आ रही है- राहुल

कोलार में राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी की सरकार आ रही है। अडाणी की शेल कंपनी में चीन का डायरेक्टर है। मुझे जेल में डाल दो मैं किसी से डरने वाला नहीं हूं। मुझे संसद से अमान्य घोषत किया गया मैं किसी से डरने वाला नहीं हूं।

अडानी की शेल कंपनी में 20,000 करोड़ रुपए किसके हैं?

राहुल ने आगे कहा, मैंने संसद में पूछा कि अडानी की शेल कंपनी में 20,000 करोड़ रुपए किसके हैं? उसके बाद भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि सरकार ने संसद नहीं चलने दी। आमतौर पर विपक्ष संसद को रोकती है लेकिन पहली बार सरकार के मंत्रियों ने संसद को रोका।

अडानी की कंपनी में चीन का डायरेक्टर बैठा है

यह (बीजेपी) सोचती है कि मुझे संसद से हटाकर, धमकाकर, डरा देंगे।

मैं इनसे नहीं डरता। मैंफिर दोहराता हूं कि प्रधानमंत्री जी यह 20,000 करोड़ रुपए अडानी की शेल कंपनी में किसके हैं? जब तक इसका जवाब नहीं मिलेगा मैं तब तक नहीं रुकुंगा। मुझे अयोग्य घोषित कर दो, जेल में डाल दो कुछ भी कर दो मुझे फर्क नहीं पड़ता। अडानी की डिफेंस इंन्फ्रास्ट्रक्चर की कंपनी में चीन का डायरेक्टर बैठा है। अडानी की शेल कंपनी में चीन का डायरेक्टर है। इसमें कोई जांच नहीं हो रही है। इसके बाद वह ध्यान भटकाने की बात करते हैं। वायनाड से पूर्व सांसद राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री जी अगर आप हज़ारों करोड़ रुपए अडानी को दे सकते हैं तो हम गरीबों, महिलाओं, युवाओं को पैसा दे सकते हैं। आपने दिल भर के अडानी की मदद की हम दिल भर के कर्नाटक के लोगों की मदद करेंगे।

बीजेपी को बड़ा झटका

पूर्व सीएम जगदीश शेट्टर ने पार्टी से दिया इस्तीफा

बेंगलूरू, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से टिकट नहीं मिलने पर रविवार को पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की। शेट्टर ने कहा कि वह पार्टी और विधानसभा से इस्तीफा देंगे। कांग्रेस के राज्य की सत्ता में रहने के दौरान विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे शेट्टर ने यह भी कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव निश्चित रूप से लड़ेंगे। पार्टी में अपने योगदान और राज्य में प्रमुख पदों पर अपनी जिम्मेदारियों को याद करते हुए शेट्टर ने कहा, "जिस तरह से मुझे अपमानित किया गया उससे मैं परेशान हूं। मैंने सोचा कि मुझे उन्हें चुनौती देनी चाहिए। इसलिए मैंने चुनाव लड़ने का फैसला किया है। मैं सिरसी जाऊंगा और विधानसभा से अपना इस्तीफा (विस अध्यक्ष को) सौंप दूंगा। आखिरकार मैं उस पार्टी से इस्तीफा दे दूंगा जिसे मैंने राज्य में बनाया था।" लिंगायत नेता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके खिलाफ सुनियोजित साजिश रची गई। इससे पहले शनिवार रात को ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और केंद्रीय मंत्रियों प्रहलाद जोशी तथा धर्मेंद्र प्रधान ने शेट्टर से उनके आवास पर मुलाकात की थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व मुख्यमंत्री शेट्टर (67) से युवाओं के लिए रास्ता बनाने के वास्ते 10 मई को होने वाला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने को कहा है।

संजय राउत का दावा- बीजोपी से गठबंधन नहीं करेगी एनसीपी

शरद पवार ने उद्धव ठाकरे से किया है वादा

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में दरार की अटकलों के बीच, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे को शरद पवार ने आश्वासन दिया है कि एनसीपी भाजपा के साथ गठजोड़ नहीं करेगी, भले ही कुछ विधायक पार्टी छोड़ दें। शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित अपने साप्ताहिक कॉलम रोक ठोक में राउत ने लिखा, "मंगलवार को उद्धव ठाकरे और शरद पवार मिले। उन्होंने (पवार) कहा कि कोई भी पार्टी नहीं छोड़ना चाहता लेकिन उनके परिवारों को निशाना बनाया जा

रहा है।' रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने लिखा, 'शरद पवार ने कहा कि अगर कोई व्यक्तिगत फैसला लेना चाहता है तो यह उनका फैसला है। लेकिन एक पार्टी के तौर पर हम भाजपा के साथ जाने का फैसला नहीं लेंगे।' राउत ने कहा, "महाराष्ट्र में लोग मौजूदा सरकार से तंग आ चुके हैं। शरद पवार और उद्धव ठाकरे दोनों का मानना है कि जो लोग बीजेपी के साथ जाएंगे, वे राजनीतिक आत्महत्या कर रहे होंगे।" शरद पवार द्वारा उठाए गए एक मुद्दे का जिक्र करते हुए राउत ने कहा, 'एनसीपी प्रमुख ने कहा, 'जो लोग भाजपा के डर से पार्टी छोड़ रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब वे भाजपा में शामिल होंगे, तो आपकी फाइलें अलमारी में चली जाएंगी। लेकिन ये ईडी-सीबीआई की फाइलें कभी बंद नहीं हो सकतीं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि फिलहाल बीजेपी सीजन 2 पर काम कर रही है, जो एनसीपी में सेंध लगा रहा है। 'सीजन 1 में, शिवसेना विभाजित हो गई थी और अब सीज़न 2 में, एनसीपी विभाजित हो जाएगी।' साथ ही उन्होंने यह भी कहा, 'किसी पार्टी को तोड़ना लोकतंत्र है। ऐसा कुछ पार्टियों का मानना है। हर दिन हम देख रहे हैं कि कैसे भारत के लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। कल तक वे मतदाताओं को खरीद रहे थे। लेकिन अब विधायक और सांसद खरीद रहे हैं और वह भी आसानी से।' इसके अलावा संजय राउत ने कहा, 'भाजपा ने शिवसेना को तोड़कर 40 विधायकों के समर्थन से महाराष्ट्र में सरकार बनाई। यह अनैतिक था। इनमें से सुप्रीम कोर्ट द्वारा 16 विधायकों को अयोग्य घोषित किए जाने की संभावना है और इसलिए बीजेपी अपने शासन को बचाने के लिए ईडी और सीबीआई की मदद से एनसीपी को तोड़ने की साजिश रच रही है।

बाघ ने 72 साल के सेवानिवृत्त शिक्षक को बनाया निवाला, घर से 50 मीटर दूर गदेरे में मिला अधखाया शव

कोटद्वार, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। नैनीडांडा ब्लॉक के सिमली गांव में बाघ ने एक सेवानिवृत्त शिक्षक को निवाला बना दिया। घटना के वक्त 72 वर्षीय रणवीर सिंह गांव में अकेले थे। पत्नी बच्चों के पास देहरादून गई थी। शिक्षक रणवीर सिंह रात को शौच करने के लिए घर से बाहर निकले थे। सुबह घर से करीब 50 मीटर दूर गदेरे में उनका अधखाया शव मिला। गांव कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग से सटा हुआ है। गढ़वाल वन प्रभाग के दीवा रेंज अधिकारी महेंद्र सिंह रावत ने मामले की।

अतीक अहमद की हत्या पर स्वरा भास्कर ने साधा सरकार पर निशाना

कहा- कोई जश्न मनाने की चीज नहीं

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गैंगस्टर से राजनेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की बीती रात गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बता दें मेडिकल चेकअप के लिए अतीक और उसके भाई अशरफ को पुलिस कॉल्विन अस्पताल ले जा रही थी। तभी हॉस्पिटल के बाहर 3 हमलावरों ने पुलिस के होते हुए फायरिंग कर दी। इस बात की कुछ लोगों को खुशी है तो वही कुछ लोग इसकी कड़ी निदा कर रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने भी सरकार पर हमला बोला है और इस हत्या की निंदा की है। स्वरा ने ट्वीट कर लिखा, "एक एक्स्ट्रा जुडिशियल किलिंग या फिर एनकाउंटर कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसका जश्न मनाया जाए। यह सिग्नल देता है कि राज्य नियम के खिलाफ काम कर रहा है। यह सिग्नल देता है कि राज्य की एजेंसियों की क्रेडिबिलिटी खत्म हो गई है, क्योंकि वे क्रिमिनल्स की तरह काम कर रहे हैं या उन्हें सक्षम कर रहे हैं। यह मजबूत शासन नहीं है, यह अराजकता है।" कुछ दिन पहले ही अतीक के बेटे असद का एनकाउंटर किया गया था। बता दें अतीक और उनके बेटे पर राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल और उनके एक गनर की हत्या करने का अपराध था। बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर और सपा नेता फहद अहमद कुछ दिनों पहले काफी चर्चा में थे। एक्ट्रेस ने फहद अहमद से कोर्ट में शादी कर ली थी। शादी करने के बाद एक्ट्रेस ने ट्विटर पर एक पोस्ट भी किया था, जिस वीडियो में दोनों का प्यार नजर आ रहा था। स्वरा भास्कर के पति फहद अहमद मुसलमान हैं और वो हिंदू, उन्होंने इंटर रिलिजन शादी की है, जिस कारण यूजर्स उन्हें काफी ट्रोल करते थे।

इमरती देवी ने फिर ज्योतिरादित्य सिंधिया को बताया सीएम

गलती को बताया बजरंग बली की कृपा

भोपाल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री और सिंधिया खेमे की पूर्व सदस्य इमरती देवी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने फिर से जुबान फिसलने के कारण केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मुख्यमंत्री कह दिया। इसके बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए अपनी गलती सुधारने का प्रयास भी किया। उन्होंने इस गलती को बजरंग बली की कृपा बताया। यह अवसर था बीजेपी की संभागीय बैठक का। ग्वालियर के होटल आदित्य के अंदर शनिवार बीजेपी की संभागीय बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें 15 मंडल के नए अध्यक्षों सहित बीजेपी के वरिष्ठ पदाधिकारी और नेता मौजूद थे। इसमें मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम की अध्यक्ष और पूर्व मंत्री इमरती देवी भी आमंत्रित थीं।

कार्यक्रम के दौरान इमरती देवी को जब मंच पर भाषण देने के लिए बुलाया गया तो उनकी जुबान फिसल गई। इमरती देवी ने कहा हमारे मुख्यमंत्री हमारे नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया इसके बाद क्या था, आसपास के सभी अधिकारी कर्मचारी और नेताओं की नजरें इमरती देवी पर टिक गईं। अपनी गलती का एहसास होते ही उन्होंने मुस्कुराते हुए गलती को सुधारा।

अतीक और उसके भाई की हत्या पर भड़कीं महुआ मोइत्रा

बोली- देश को माफिया गणराज्य में तब्दील कर दिया

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गैंगस्टर और माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या पर अब तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने सत्ताधारी पार्टी बीजेपी पर निशाना साधा। महुआ मोइत्रा ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी ने देश को 'माफिया गणराज्य' में बदल दिया है। प्रयागराज में हुई इस हत्याकांड को लेकर महुआ मोइत्रा ने कहा है कि बीजेपी ने भारत को माफिया गणराज्य में बदल दिया है।

यह बात मैं यहां कहूंगी, विदेश में कहूंगी और मैं यह हर जगह कहूंगी, क्योंकि यही सच्चाई है। हिरासत में लिए गए शख्स की पुलिस के सामने गोली मारकर हत्या कर दी जाती है। यह कानून के शासन की मौत है। बता दें कि महुआ मोइत्रा

पहली ऐसी नेता नहीं है जो इस हत्याकांड को लेकर राज्य की योगी सरकार पर हमला बोला है। इससे पहले एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने सरेआम दो भाइयों की हत्या को नृशंस करार दिया। इसके साथ-साथ उन्होंने हत्या पर जश्न मनाने वाले लोगों पर भी निशाना साधा। उन्होंने इस घटना में बीजेपी की संलिप्तता का आरोप लगाया। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि इसकी सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होनी चाहिए। सुप्रमी कोर्ट खुद इस मामले में एक समिति गठित करे ओर जांच करवाए। यह समिति ऐसी होनी चाहिए जिसमें यूपी के किसी अधिकारी को इसमें शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

शनिवार की रात अतीक और उसके भाई को उस समय गोलियों से भून दिया गया जब दोनों काल्विन अस्पताल में अपनी नियमित जांच करवा कर बाहर निकल रहे थे। घटना को इस तरह से अंजाम दिया गया कि पलक झपकते ही दोनों भाई जमीन पर गिर पड़े और देखते ही देखते दम तोड़ दिया। तीनों हमलावर मौके पर ही पुलिस के सामने सरेंडर कर दिए। फिलहाल पुलिस उनको गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। तीनों आरोपी प्रयागराज के बाहर के हैं। घटना के बाद पूरे यूपी में धारा 144 लागू कर दी गई है।

12वीं के रिजल्ट में आए 98 पर्सेंट मार्क्स, छात्र को लगे नंबर तो खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

बेंगलूरू, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के रहने वाले 18 साल के एक लड़के ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है कि उसके 12वीं के मार्क्स 97. 83 प्रतिशत से बढ़ाकर 99 प्रतिशत कर दिए जाएं। इस मामले को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार और राज्य परीक्षा विभाग के अधिकारियों से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता खालोन देवैया ने दलील दी है कि एडमिशन के लिए इतने मार्क्स जरूरी हैं, क्योंकि प्रतिष्ठित कॉलेजों में एडमिशन का कट-ऑफ बहुत ज्यादा है। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक के खालोन देवैया नाम के स्टूडेंट ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में लगभग 98 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। जब वैल्यूएशन के बाद उसने अपनी आंसर शीट्स देखी तो उसे पता चला कि उसे एक प्रतिशत अंक और मिलने की गुंजाइश है।

दरअसल, उसे 2022 में हुई प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा में इंग्लिश में 90, कन्नड़ में 98, बायोलॉजी में 99 नंबर मिले थे और फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ्स में उसे पूरे 100 मार्क्स मिले थे। उसका कहना है कि बाद में उसे पता चला कि बायोलॉजी में उसे एक नंबर कम मिला है और इंग्लिश में करीब 5. 5 नंबर और मिल सकते है। इसी को लेकर उसने बोर्ड से इसे लेकर शिकायत की थी। जब अधिकारियों की तरफ इस मामले में देरी की गई तो छात्र ने हाई कोर्ट में इसे लेकर याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने बोर्ड से स्टेटस रिपोर्ट मांगी।

पारा 40 के पार, अगले पांच दिन बढ़ेगी तपिश

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी समेत अधिकांश राज्यों में गर्मी के तल्ख तेवर दिखने शुरू हो गए हैं। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को तापमान 40. 5 डिग्री सेल्सियस रहा जो सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। देश के ज्यादातर इलाकों में पारा 40 के करीब या इसके पार रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिन तक अधिकांश राज्यों में तापमान 40-42 डिग्री के बीच बना रहेगा। पूर्वी, उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के कई हिस्सों में तापमान में सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की जा सकती है। फरीदाबाद 43. 1 डिग्री : एनसीआर में फरीदाबाद सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान सर्वाधिक 43.1 डिग्री दर्ज हुआ। जबकि नोएडा में 40. 8, गुरुग्राम में 41. 0, गाजियाबाद में तापमान 39. 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, यूपी में शनिवार को प्रयागराज सबसे गर्म रहा, जहां दिन का तापमान 44. 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आगरा में पारा 42। 6 डिग्री दर्ज किया गया।

दिल्ली में 17 से 19 के बीच करवट लेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा यूपी समेत कुछ हिस्सों में 17 से 19 अप्रैल के बीच मौसम फिर करवट ले सकता है। कुछ क्षेत्रों में आंधी और बारिश की संभावना है। कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि भी हो सकती है।

अतीक-अशरफ की हत्या पर सीएम ममता बनर्जी ने साधा निशाना

कहा- यूपी में चरमरा गई है कानून-व्यवस्था

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में माफिया अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की शनिवार की रात को हत्या के मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश की सरकार पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि उत्तर प्रदेश की आराजकता है और कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। लोग बेफिक्र होकर कानून अपने हाथों में ले रहे हैं। इसके साथ ही टीएमसी नेता बाबुल

सुप्रियो और टीएसमी प्रवक्ता कुणाल घोष ने भी यूपी सरकार पर निशाना साधा था। पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने इस हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी, जबकि तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा था कि क्या धारा 356 लगाने की स्थिति पैदा नहीं हुई है? यूपी की कानून-व्यवस्था चरमराने से हूं स्तब्ध-बोलीं ममता बनर्जी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को ट्वीट किया, "मैं उत्तर प्रदेश में खुली अराजकता और कानून-व्यवस्था के पूरी तरह चरमरा जाने से स्तब्ध हूं। यह शर्मनाक है कि अपराधी अब पुलिस और मीडिया की मौजूदगी से बेफिक्र होकर कानून अपने हाथ में ले रहे हैं। इस तरह के गैरकानूनी कृत्यों का हमारे संवैधानिक लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है।" उत्तर प्रदेश के एनकाउंटर का मुद्दा भी प्रदेश की राजनीति में आ गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बीरभूम में एक सभा से तृणमूल पर जमकर निशाना साधा। राज्य के मंत्री और कोलकाता नगरनिगम के के मेयर फिरहाद हाकिम ने उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ पर बीरभूम की सभा में हमला बोला। बंगाल की तुलना भाजपा शासित उत्तर प्रदेश से करते हुए फिरहाद हकीम ने कहा, "यहां उत्तर प्रदेश जैसे एनकाउंटर की इजाजत नहीं है। राज्य में एनकाउंटर की संस्कृति नहीं बनने दी जाएगी। अगर आप बीजेपी की बातों में आते हैं, तो बंगाल उत्तर प्रदेश बन जाएगा।" उत्तर प्रदेश के 'गैंगस्टर' अतीक अहमद की हत्या और उसके बेटे असद की मुठभेड़ में मौत को लेकर पूरे देश में हंगामा जारी है। इसी माहौल में बीरभूम में हुई सभा में उत्तर प्रदेश और 'मुठभेड़' का मुद्दा उठा। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस लगातार उत्तर प्रदेश में हाल के दिनों में हुए एनकाउंटर का मुद्दा बना रही है और इसके बहाने वह उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोल रही है। टीएमसी का आरोप है कि केंद्र सरकार यूपी को लेकर चुप्पी साधी रहती है, लेकिन बंगाल को लेकर अति सक्रिय रहती है।

हाटकेश्वर मंदिर के बाहर कार ने वकील को रौंदा मौके पर ही मौत

उज्जैन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। चिंतामण बायपास स्थित हाटकेश्वर कॉलोनी के सामने एक तेज रफ्तार कार ने साइकिल से भ्रमण पर निकले वकील को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वकील की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद वकील को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि उज्जैन के ऋषिनगर एक्सटेंशन में रहने वाले वकील रोजाना की तरह सुबह साइकिल से भ्रमण पर निकले थे उसी दौरान कार की चरेट में आ गए। पुलिस ने बताया कि चिंतामण बायपास स्थित हाटकेश्वर कॉलोनी के सामने कार के साइकिल सवार को टक्कर मारने की सूचना मिली थी।

गोवा कोर्ट ने आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंदर को ड्रग मामले में दी जमानत

हिसार, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा नेता सोनाली फोगाट की हत्या मामले में गोवा की कोर्ट में दर्ज ड्रग मामले में आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंदर को जमानत मिल गई है। हत्या मामले में जमानत को लेकर अभी सुनवाई चल रही है। हत्या मामले में आरोपी सुखविंदर की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई है। भाजपा नेता सोनाली फोगाट 23 अगस्त की सुबह गोवा के होटल में मृत मिली थी। सूचना मिलने पर सोनाली फोगाट का भाई रिंकू और जीजा अमन गोवा पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि सोनाली फोगाट के पीए सुधीर सांगवान और सुखविंदर ने सोनाली की हत्या की है। पुलिस की जांच में सामने आया कि सोनाली फोगाट को आरोपी सुधीर सांगवान और सुखविंदर ने एक होटल में ड्रग दी थी उसके बाद उसकी हालत खराब हो गई थी।

अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह की मुश्किलें बढ़ीं, गुजरात के कोर्ट ने भेजा समन, 23 मई को पेश होने का आदेश

अहमदाबाद, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अहमदाबाद की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को आपराधिक मानहानि की शिकायत में समन जारी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री मामले के बारे में उनके बयानों पर अदालत ने पहली नजर में इन दोनों नेताओं की टिप्पणियों में मानहानि का मामला सही पाया। इसके बाद दोनों

नेताओं को 23 मई को कोर्ट में पेश होने को कहा गया है। गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल द्वारा दायर मानहानि के लिए एक आपराधिक जांच का निस्तारण करने के बाद अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जयेशभाई लिंबाभाई पटेल की अदालत ने आप नेताओं के खिलाफ ये आपराधिक मामला शुरू किया है। इसमें कहा गया है कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में नहीं बल्कि 'निजी हैसियत से आरोपी' माना जाएगा। सीएम केजरीवाल के कुछ ऐसे बयान हैं, जिन पर पटेल ने मानहानिकारक होने का आरोप लगाया है। संजय सिंह के मामले में भी पटेल ने उनके बयान के लिए मानहानि का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि इस तरह के बयानों का मकसद विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है। जबकि वे यह जानते भी हैं कि इस तरह के बयान मानहानिकारक होंगे। आपराधिक शिकायत में रजिस्ट्रार ने आरोप लगाया कि गुजरात हाईकोर्ट द्वारा केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के एक आदेश को रद्द करने के बाद भी आप के दोनों नेताओं ने मानहानि करने वाले बयान दिए। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने पीएम मोदी की डिग्रियों के बारे में 'सूचना की खोज' करने के लिए विश्वविद्यालय को निर्देश दिया था। गुजरात हाईकोर्ट ने 31 मार्च के अपने आदेश में अरविंद केजरीवाल पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था। पटेल के मुताबिक केजरीवाल ने 1 अप्रैल को एक प्रेस कांफ्रेंस में और संजय सिंह ने 2 अप्रैल को एक अन्य प्रेस कांफ्रेंस में 'अपमानजनक बयान' दिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 17 अप्रैल, 2023

सुविचार

जब अपने खफा होने लग जाएं तो, आप समझ लेना आप सही राह पर हैं!

सभी जिला अस्पतालों में कैंसर मरीजों के लिए कीमोथैरेपी की सुविधा जल्द : हरीश राव

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने जानकारी दी है कि जल्द ही तेलंगाना के सभी जिला अस्पतालों में कैंसर रोगियों के लिए कीमोथेरेपी सुविधा प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ रविवार को यहां रेड हिल्स, एमएनजे कैंसर अस्पताल के परिसर में एक नए ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया। अरबिंदो फार्मा की सीएसआर शाखा अरबिंदो फार्मा फाउंडेशन ने 80 करोड़ की लागत से आठ मंजिला 300 बिस्तरों वाला नया कैंसर देखभाल ब्लॉक विकसित किया है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि नए ब्लॉक के उद्घाटन के साथ, अस्पताल में बिस्तरों की संख्या 750 तक पहुंच गई है और राज्य सरकार ने भी कैंसर रोगियों को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 60 करोड़ रुपये रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि नए उद्घाटन किए गए ब्लॉक को बाल चिकित्सा और महिला विंग के लिए आवंटित किया जाएगा और अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चों की शिक्षा में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बाल चिकित्सा विंग में एक समर्पित शिक्षक और एक पुस्तकालय होगा।

यह आरोप लगाते हुए कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में पिछली सरकारें तेलंगाना में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार करने में विफल रही हैं, हरीश राव ने कहा कि 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या केवल 12 थी और बाद में, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में 2022 तक कॉलेज बढ़कर 46 हो गये और अगले साल तक यह संख्या 56 तक पहुंच जाएगी। राज्य सरकार ने पिछले वर्ष कैंसर रोगियों की सुविधाओं में सुधार के लिए 137 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इसकी सेवाओं का विस्तार करने के लिए जल्द ही सभी जिला अस्पतालों में कीमोथेरेपी और रेडिएशन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

उद्घाटन पर बोलते हुए अरबिंदो फार्मा फाउंडेशन के निदेशक और अरबिंदो फार्मा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष के. नित्यानंद रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार को एमएनजे अस्पताल के अरबिंदो ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का सफल समापन और सौंपना जरूरतमंद समुदायों की सहायता के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता के लिए एक वसीयतनामा है। वंचित रोगियों के लिए उचित चिकित्सा देखभाल और उपचार प्रदान करने के लिए एक स्वास्थ्य देखभाल संगठन के रूप में हमारी यात्रा में यह एक प्रमुख मील का पत्थर है।

अज्ञात बदमाशों ने परिवार को जान से मारने का किया प्रयास

संगारेड्डी, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणखेड़ मंडल के संजीवरावपेट गांव में कुछ अज्ञात बदमाशों ने घर के दरवाजे पर बिजली का तार लगाकर एक परिवार की हत्या करने का प्रयास किया। नारायणखेड़ पुलिस के अनुसार किसान धनियाला रामुलु अपनी पत्नी, बेटी और पोती के साथ घर में सो रहा है। शुक्रवार की सुबह जब उनकी बेटी दरवाजा खोलने के लिए उठी तो उसे करंट लगा और वह नीचे गिर गई।

रामुलू की पत्नी उसके बचाव में आई और दरवाजे को छुआ और उसे भी बिजली का झटका लगा। जब परिवार मदद के लिए चिल्लाया, तो पड़ोसी दौड़े-दौड़े आए और दरवाजे को बिजली की आपूर्ति के साथ पाया। बदमाशों ने उसी रात उनके खेत में लगे बोरवेल पंप के स्टार्टर में भी आग लगा दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

बिजली कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस ली

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस पावर एंप्लाइज ज्वाइंट एक्शन कमेटी (टीएसपीईजेएसी) ने शनिवार को राज्य सरकार से सात प्रतिशत का फिटमेंट (वेतन संशोधन) देने के आश्वासन के बाद 17 अप्रैल से अपनी प्रस्तावित अनिश्चितकालीन हड़ताल को वापस लेने पर सहमति व्यक्त की। मैराथन बैठक के बाद, जेएसी ने सात प्रतिशत फिटमेंट (मूल वेतन वृद्धि), 1 अप्रैल, 2022 को महंगाई भत्ते का मूल के साथ विलय और सेवा के आधार पर वेतन वृद्धि की मंजूरी को स्वीकार करते हुए वेतन में लगभग अन्य लाभों के साथ 15 प्रतिशत प्रभावी वृद्धि को स्वीकार करने के बाद हड़ताल वापस लेने की घोषणा की।

इसके अलावा कर्मचारियों ने ईपीएफ से जीपीएफ के मुद्दे पर बोर्ड बैठक में रखे जाने पर सहमति जताई और राज्य सरकार को अनुशंसा सौंपी जाएगी। वे कामगारों के लिए एकल मास्टर स्केल के लिए भी सहमत हुए। कामगारों के अलावा, कारीगरों के व्यक्तिगत वेतन को मूल वेतन में मिलाने पर भी सहमति बनी। इसके अलावा, कर्मचारियों ने उपयुक्त सीमा अपनाने के लिए राज्य सरकार के बराबर एचआरए और सीसीए के लिए जीओ पर भी सहमति व्यक्त की। कुल मिलाकर कर्मचारियों की करीब 18 मांगों को सरकार ने मान लिया। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (टीएस-जेनको और टीएस-ट्रांसको) डी. प्रभाकर राव, सीएमडी (टीएसएसपीडीसीएल) जी रघुमा रेड्डी, सीएमडी (टीएसएनपीडीसीएल) ए गोपाल राव और टीएस-ट्रांसको सी. श्रीनिवास राव के संयुक्त एमडी ने जेएसी नेताओं के साथ चर्चा की। तीन घंटे उनकी विभिन्न मांगों पर और अंत में बिजली उपयोगिताओं प्रबंधन द्वारा प्रस्तावित 7 प्रतिशत फिटमेंट को स्वीकार कर लिया। इससे पहले, पावर यूटिलिटीज प्रबंधन ने जेएसी के साथ पांच दौर की बातचीत की थी, लेकिन उन्होंने उनके द्वारा पेश किए गए 6 फीसदी फिटमेंट को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। कर्मचारियों ने मांग की कि पीआरसी को 1 अप्रैल, 2022 से लागू किया जाए। वे यह भी चाहते थे कि प्रबंधन कारीगरों, ईपीएफ और अन्य मुद्दों को हल करे।

1999 से 2004 के बीच भर्ती हुए कर्मचारियों को राज्य सरकार के कर्मचारियों के समान वेतन पुनरीक्षण और अन्य मांगों जैसे पेंशन और जीपीएफ की मांग को लेकर कर्मचारियों ने 20 दिन पहले शहर में महा धरना दिया था। बैठक में जेएसी के अध्यक्ष पी साईबाबू, संयोजक पी रत्नाकर राव, सह-संयोजक ई श्रीधर और बीसी रेड्डी उपस्थित थे।

बहादुरपुरा के कबाड़ खाने में लगी आग, मची अफरा-तफरी

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बहादुरपुरा में शनिवार देर रात एक कबाड़ खाने में आग लगने से लाखों की संपत्ति जल कर खाक हो गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल अधिकारियों के मुताबिक, आग बहादुरपुरा-किशनबाग रोड पर स्थित स्क्रैप यार्ड में रात करीब 10.30 बजे लगी। सूचना पर चंदूलाल बारादरी दमकल केंद्र से दमकल की दो गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता अधिक होने के कारण अन्य दमकल केंद्रों से कुछ और दमकल गाड़ियों को भी मौके पर भेजा गया। घटनास्थल से उठी तेज लपटों के कारण मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। ट्रकों के केबिन, सीटों, लकड़ी की सामग्री और अन्य लेखों सहित बहुत सारी ज्वलनशील सामग्री लापरवाही से बड़े खुले मैदान में फेंक दी गई। दमकल की पांच गाड़ियों को कार्रवाई के लिए भेजा गया और दमकलकर्मियों ने करीब चार घंटे तक आग पर काबू पाया और उस पर काबू पा लिया। अग्निशमन अधिकारियों को संदेह है कि आग कुछ लोगों द्वारा लापरवाही से जगह पर सिगरेट फेंकने के बाद लगी होगी।

हैदराबाद को मिल सकती हैं दो और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे द्वारा हैदराबाद के लिए दो औरवंदे भारतएक्सप्रेस ट्रेनों की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में, दोवंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें, एक सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम के बीच और दूसरी सिकंदराबाद-तिरुपति के बीच चल रही हैं। ये दो ट्रेनें शहर के रेल उपयोगकर्ताओं के बीच लोकप्रिय हो गई हैं, जो सप्ताह भर में 99 प्रतिशत से कम की अधिभोग दर के साथ नहीं चल रही हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के सूत्रों ने कहा कि मांग के कारण इन ट्रेनों में आरक्षण भी फुल हो रहा है। इन दो सेवाओं की सफलता के साथ, यह पता चला है कि भारतीय रेलवे अगले तीन से चार महीनों में हैदराबाद और बेंगलुरु और पुणे के बीच दो और वंदे भारत ट्रेनें शुरू करने की योजना बना रहा है। जहां एक ट्रेन काचेगुडा-बेंगलुरु रूट पर चलेगी, वहीं दूसरी सिकंदराबाद-पुणे के बीच चलेगी। समझा जाता है कि भारतीय रेलवे एससीआर अधिकारियों के साथ मिलकर इन सेवाओं की योजना बना रहा है। हैदराबाद और बेंगलुरु के बीच पहले से ही कई ट्रेनें चल रही हैं, दोनों शहर देश के सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र हैं। सामान्य यात्री ट्रेनों के यात्रा समय में लगभग 12 घंटे लगते हैं और वंदे भारतट्रेन के उस यात्रा समय को घटाकर लगभग 8 घंटे करने की उम्मीद है। सूत्रों ने काचीगुडा-बेंगलुरु मार्ग की शुरुआत के तुरंत बाद सिकंदराबाद से पुणेके बीच वंदे भारतकी संभावनाओं का सुझाव दिया। यदि ये शेड्यूल काम करते हैं, तो हैदराबाद देश के अन्य शहरों के बीच चार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने वाला पहला देश बन सकता है।

तालाब में मृत पाया गया आवासीय विद्यालय का छात्र

संगारेड्डी, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालय का नौवीं कक्षा का छात्र शुक्रवार को स्कूल से लापता हो गया था, वह रविवार सुबह नारायणखेड़ के पास रामसमुद्रम तालाब में मृत पाया गया।

पीड़ित वाई. महेश (16)) था। महेश ने कथित तौर पर अपने तीन दोस्तों के साथ पास के एक बगीचे में कुछ आम लेने के लिए आवासीय विद्यालय की चारदीवारी से छलांग लगा दी। हालाँकि, वह छात्रावास लौटने में असफल रहा, हालाँकि बाकी तीन दोस्त लौट आए। सूचना के बाद परिजन शनिवार को छात्रावास पहुंचे और नारायणखेड़ थाने में शिकायत दर्ज करायी। पुलिस ने उसके दोस्तों से बात कर रविवार को टंकी में शव की तलाश की है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एरिया अस्पताल नारायणखेड़ ले जाया गया।

पर्यटन विभाग ने फार्मों से वापस ली करीब एक हजार करोड़ रुपये की जमीन : पर्यटन मंत्री

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री श्रीनिवास गौड ने जानकारी दी है कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संपत्ति का उपयोग करने में विफल रहने के कारण राज्य के पर्यटन विभाग ने दो संगठनों से लगभग 1,000 करोड़ रुपये की जमीन वापस ले ली है। रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में, तेलंगाना में सैकड़ों एकड़ भूमि पर्यटन के विकास के लिए विभिन्न संगठनों को आवंटित की गई थी, लेकिन कई कंपनियां करों का भुगतान किए बिना मानदंडों का दुरुपयोग कर रही थीं। राज्य सरकार जबकि कुछ वर्षों से कोई गतिविधि नहीं कर रहे थे।

मंत्री ने खुलासा किया कि प्रजय कुमार इंजीनियर्स सिंडिकेट को 2004 में जवाहर नगर में सर्वेक्षण संख्या 12 में शमीरपेट के पास गोल्फ कोर्ट के विकास के लिए आवंटित की गई कुल 130 एकड़ भूमि को गतिविधि शुरू करने में विफल रहने के कारण वापस ले लिया गया था। इसी तरह, 4600 वर्ग गज जमीन यात्री निवास, सिकंदराबाद के पास स्थित मूल्यवान प्लाट को पर्यटन प्रोत्साहन के तहत ई-सिटी जायंट स्क्रीन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित किया गया था। हालांकि, फार्म ने मानदंडों का उल्लंघन किया और करों से बच रही थी। अंत में, राज्य सरकार ने वापस लेने का फैसला किया है। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, पर्यटन विभाग ने कुछ अन्य फर्मों और संगठनों को भी नोटिस जारी किया है, जिनके पास जमीनें हैं, लेकिन वे गतिविधियां करने में विफल हैं और करों से बच रहे हैं।

अग्निशमन सेवा सप्ताह : जीएचएमसी ने 'स्कूली बच्चों के लिए अग्नि सुरक्षा जागरूकता' पुस्तिका तैयार की

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के प्रवर्तन सतर्कता और आपदा प्रबंधन निदेशालय ने 14 से 20 अप्रैल तक चलने वाले अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर 'स्कूली बच्चों के लिए अग्नि सुरक्षा जागरूकता' नामक एक पुस्तिका तैयार की। अग्नि दुर्घटनाओं के मामले में क्या करें और क्या न करें के अलावा, अन्य विषयों के साथ पुस्तिका में आग बुझाने वाले यंत्रों सहित उपकरणों के उपयोग के बारे में बताया गया है। एमए एंड यूडी मंत्री केटी रामा राव द्वारा एमए एंड यूडी के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार, जीएचएमसी आयुक्त डीएस लोकेश कुमार और ईवी एंड डीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी की उपस्थिति में अग्नि सुरक्षा पर पोस्टर, पैम्फलेट और वीडियो भी जारी किए गए। अग्नि सुरक्षा उपायों पर कई स्कूली छात्रों को जानकारी देने के बाद, ईवी एंड डीएम ने अस्पतालों, स्कूलों, जो पहले कवर नहीं किए गए थे, शॉपिंग मॉल, आईटी कंपनियों आदि में अग्नि सुरक्षा के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की भी योजना बनाई है।

जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लैंडस्केप के लिए दो पुरस्कार मिले

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल) को दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। बागवानी विभाग द्वारा आयोजित 7वें गार्डन फेस्टिवल- 2022 में, जीएचआईएएल को निजी कंपनियों द्वारा बनाए गए लैंडस्केप गार्डन (90 एकड़ से अधिक) और निजी कंपनियों द्वारा बनाए गए ट्रैफिक आइलैंड और डिवाइडर के लिए दो श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार मिला। पब्लिक गार्डन नामपल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में जीएचआईएएल के वरिष्ठ अधिकारियों ने कृषि और बागवानी मंत्री एस निरंजन रेड्डी से पुरस्कार प्राप्त किया।

कई संगठनों ने इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा की और विजेताओं को एक विस्तृत निरीक्षण के बाद राज्य सरकार के प्रतिष्ठित बागवानी विशेषज्ञों और वरिष्ठ बागवानी अधिकारियों के एक पैनल द्वारा आंका गया।

जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अपने संपन्न प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जाना जाता है, जिसमें विविध और प्रचुर मात्रा में वनस्पति और जीव हैं। इसके हरे-भरे परिदृश्य ने अपनी अनुकरणीय हरित पहलों के लिए व्यापक प्रशंसा और मान्यता अर्जित की है। इस तरह के परिदृश्य को आगे बढ़ाने वाले देश के पहले हवाई अड्डे के रूप में, यह स्थिरता के लिए एक बेंचमार्क सेट करना जारी रखता है।

गोदावरी नदी में डूबने से बालक की मौत

जगतियाल, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार की सुबह धर्मपुरी मंदिर के पास गोदावरी नदी में डूबने से एक बालक की मौत हो गयी। निजामाबाद जिले के बोधन कस्बे के मूल निवासी, कार्तिक अपने परिवार के सदस्यों के साथ धर्मपुरी में गोदावरी नदी में पवित्र डुबकी लगाने आए और डूब गए। परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नदी में डुबकी लगाने के दौरान बालक पानी में लापता हो गया। अन्य भक्तों ने लड़के को बचाने की कोशिश की लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। घटना की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

'कंटी वेलगु' के तहत 8 लाख 99 हजार 470 लोगों की आंखों की जांच पूरी

17 लाख 20 हजार 200 लोगों में पढ़ने के चश्मे का वितरण

7,599 ग्राम पंचायत वार्डो व 2,499 नगरपालिका वार्डों में आंखों की जांच पूरी

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अब तक राज्य भर में 8 लाख 99 हजार 470 लोगों की आंखों की जांच 'कंटि वेलगु' कार्यक्रम के माध्यम से की जा चुकी है, जिसका उद्देश्य तेलंगाना को दृष्टिहीन मुक्त बनाना है। 17 लाख 20 हजार 200 दृष्टिबाधित व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें निःशुल्क चश्मा एवं दवाई दी गई। लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की कि सरकारी चिकित्सा सुविधा से गरीब मध्यमवर्गीय परिवारों के हजारों रुपये की बचत हो रही है। राज्य सरकार सभी के लिए स्वास्थ्य के उद्देश्य से कंटि वेलगु योजना लाई है। सरकार ने इस योजना को 19 जनवरी से 15 जून तक 100 दिनों तक संचालित करने के निर्देश जारी किए हैं। जिले में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला कलेक्टर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी शिविरों की अग्रिम योजना बनाकर क्रियान्वयन कर रहे है। सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार समय-समय पर कमियों को दूर करने के लिए अग्रिम योजनाओं, निरंतर निगरानी, दैनिक समीक्षा, विश्लेषण, वीडियो कॉन्फ्रेंस और बैठकों के साथ पूरे राज्य में नेत्र ज्योति कार्यक्रम को जोर-शोर से लागू किया जा रहा है। शिविरों में दर्ज आंकड़े बताते हैं कि सभी जिलों में ऐसे लोग ज्यादा हैं जो नजदीक से नहीं देख पाने से परेशान हैं।

शिविर में 40 वर्ष से अधिक आयु के कई लोग निकट दृष्टि दोष के साथ आते हैं। ऐसे लोगों को पढ़ने का चश्मा तुरंत उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा आंखों की समस्या लेकर आने वाले कई लोगों को विटामिन ए, डी और बी कॉम्प्लेक्स की गोलियां बांटी जा रही हैं। 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोग ज्यादातर मोतियाबिंद से पीड़ित होते हैं। जिन लोगों को सर्जरी की आवश्यकता होती है उनके लिए उपचार समय की जानकारी प्रदान की जाती है। डॉक्टर उन लोगों को सलाह और हिदायत दे रहे हैं, जिनकी पहले ही सर्जरी हो चुकी है और जो अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। महिला स्वास्थ्य गृह कल्याण के लक्ष्य के साथ सरकार ने सबसे महत्वाकांक्षी तरीके से महिलाओं के लिए राज्य भर में आरोग्य महिला केंद्र शुरू किए हैं। इसने 100 स्वास्थ्य केंद्रों में 10,000 से अधिक महिलाओं को 8 प्रकार की चिकित्सा सेवाएं प्रदान की हैं। सभी जिलों के मंडल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा जांच कराई जा रही है।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स द्वारा हिमायत नगर स्थित होटल प्लाटिनम में लगाई गई अलंकारों की बिक्री सह प्रदर्शनी के अंतिम दिन ग्राहकों ने भारी मात्रा में खरीददारी की। अंतिम दिन की प्रदर्शनी में ज्वैलर्स के मालिक गौतम जैन सेहलोत ने ग्राहकों का उत्साह वर्धन किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, NATTA SAVITHRI D/o N.Seeta Rama Rao R/o. H.No.152, Spring Woods, Praneeth Nagar, Shambhupur, Cyberabad, T.S, changed my name as SHAMILY HARIDAS D/o. N.SEETA RAMA RAO.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

माफिया अतीक की कहानी: पिता तांगा चलाते थे, बेटे ने 17 साल की उम्र में किया पहला मर्डर

फिर खून से सनते गए हाथ

प्रयागराज, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। ये कहानी है माफिया अतीक अहमद की। शनिवार को अतीक और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज में गोली मारकर हत्या कर दी गई। दोनों चार दिनों की पुलिस रिमांड पर थे। प्रयागराज के सरकारी अस्पताल में मेडिकल के लिए पुलिस ले गई थी। यहां से बाहर निकलने पर दोनों मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे और इसी वक्त तीन हमलावरों ने दोनों को गोलियों से भून दिया। अतीक को सिर पर सटाकर गोली मारी गई और इसके बाद अशरफ पर हमला हुआ।

अतीक वो नाम था जिसकी एक समय तूती बोलती थी। आलम ये था कि अपराध की दुनिया हो या राजनीति की... जो अतीक कहता था वही होता था। ये वो दौर था जब अतीक का नाम प्रयागराज ही नहीं, बल्कि पूरे यूपी में गूंजता था। कहा जाता है कि उस वक्त अतीक जिस भी जमीन, घर या बंगले पर हाथ रख देता था, उसका मालिक उसे खाली करके चला जाता था। आज हम उसी अतीक की पूरी कहानी बताएंगे कि कैसे एक तांगे वाले के बेटे ने दशहत का ऐसा साम्राज्य खड़ा किया कि कानून भी उसके आगे बौना साबित होता रहा।

10 अगस्त 1962 को इलाहाबाद में अतीक अहमद का जन्म हुआ। पिता फिरोज अहमद तांगा चलाकर परिवार चलाते थे। अतीक घर के पास में स्थित एक स्कूल में पढ़ने लगा। 10वीं में पहुंचा तो फेल हो गया। इस बीच, वह इलाके के कई बदमाशों की संगत में आ गया। जल्दी अमीर बनने के लिए उसने लूट, अपहरण और रंगदारी वसूलने जैसी वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया। 1997 में उसपर हत्या का पहला मुकदमा दर्ज हुआ।

उस समय इलाहाबाद के पुराने शहर में चांद बाबा का खौफ हुआ करता था। चांद बाबा इलाहाबाद का बड़ा गुंडा माना जाता था। आम जनता, पुलिस और राजनेता हर कोई चांद बाबा से परेशान थे। अतीक अहमद ने इसका फायदा उठाया। पुलिस और नेताओं से सांठगांठ हो गई और कुछ ही सालों में वह चांद बाबा से भी बड़ा बदमाश बन गया। जिस पुलिस ने अतीक को शह दे रखी थी, अब वही उसकी आंख की किरकिरी बन गया।

1986 में किसी तरह पुलिस ने अतीक को गिरफ्तार कर लिया। इसपर उसने अपनी राजनीतिक पहुंच का फायदा उठाया। दिल्ली से फोन पहुंचा और अतीक जेल से बाहर हो गया। जेल से छूटने के बाद अतीक ने साल 1989 में राजनीति में कदम रखा। इलाहाबाद शहर पश्चिमी सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। यहां उसका सीधा मुकाबला चांद बाबा से था। दोनों के बीच गैंगवार शुरू हो गया। अतीक की दहशत से पूरा इलाहाबाद कांपता था। इसी की बदौलत वह चुनाव भी जीत गया। इसके कुछ महीनों बाद ही बीच चौराहे पर दिनदहाड़े चांद बाबा की हत्या हो गई।

लगातार पांच बार रहा विधायक

चांद बाबा मारा गया तो इलाहाबाद ही नहीं, पूरे पूर्वांचल में अपराध की दुनिया में अतीक अहमद का सिक्का चलने लगा। साल 1991 और 1993 में भी अतीक निर्दलीय चुनाव जीता। साल 1995 में लखनऊ के चर्चित गेस्ट हाउस कांड में भी उसका नाम सामने आया। साल 1996 में सपा के टिकट पर विधायक बना। साल 1999 में अपना दल के टिकट पर प्रतापगढ़ से चुनाव लड़ा और हार गया। फिर 2002 में अपनी पुरानी इलाहाबाद पश्चिमी सीट से पांचवीं बार विधायक बना।

आठ अगस्त 2002 की बात है। तब सूबे में बसपा का शासन था और मायावती मुख्यमंत्री थीं। अतीक को किसी मामले में पुलिस ने पकड़ा था और उसे जेल भेज दिया गया था। पेशी के लिए आठ अगस्त को उसे कोर्ट ले जाया जा रहा था। इसी बीच, उसपर गोलियों और बम से हमला हो गया। इसमें अतीक घायल हो गया, लेकिन उसकी जान बच गई। तब अतीक ने बसपा सुप्रीमो और तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती पर आरोप लगाया था कि वह उसे मरवाना चाहती हैं।

अतीक के खिलाफ नहीं मिलते थे उम्मीदवार

अतीक का खौफ इतना हो गया था कि उसके खिलाफ चुनाव लड़ने से भी डरता था। साल 2004 के लोकसभा चुनाव में अतीक अहमद सपा के टिकट पर इलाहाबाद की फूलपुर सीट से चुनाव जीत गया। उस वक्त अतीक इलाहाबाद पश्चिम सीट से विधायक था। इस सीट से अब वह अपने छोटे भाई अशरफ को चुनाव लड़ाने की तैयारी करने लगा। गेस्ट हाउस कांड तो आपको याद होगा ही। वही कांड जिसने पूरे देश की सियासत में खलबली मचा दी थी। बात है 1995 की। मुलायम सिंह यादव की सपा और कांशीराम की बसपा गठबंधन सरकार यूपी की सत्ता में थी लेकिन गठबंधन में सबकुछ सही नहीं चल रहा था। फिर आया 23 मई 1995 का दिन। मुलायम सिंह यादव तब बसपा के संस्थापक कांशीराम से बात करना चाहते थे लेकिन कांशीराम ने मना कर दिया। इसी रात कांशीराम ने बीजेपी नेता लालजी टंडन को फोन कर दिया। दोनों के बीच बीजेपी-बसपा गठबंधन को लेकर बातचीत हुई। ये वो समय था, जब कांशीराम की तबीयत खराब थी। वो अस्पताल में भर्ती थे। उनकी देखभाल कर रहे थे उनके दोस्त और राज्यसभा सांसद जयंत मल्होत्रा। साथ में मायावती भी थीं। तब कांशीराम ने मायावती को बुलाया और उनसे पूछा कि क्या वो सूबे की सीएम बनेंगी। फिर आया दो जून, 1995 का दिन। इस तारीख को यूपी के राजनीतिक इतिहास का काला दिन कहा जाता है। इस दिन मायावती लखनऊ में ही स्टेट गेस्ट हाउस में बसपा विधायकों के साथ मीटिंग कर रही थीं उधर समर्थन वापसी की सूचना से आगबबूला हुए मुलायम सिंह यादव ने अपने समर्थकों को गेस्ट हाउस भेज दिया। इन समर्थकों को एक टास्क दिया गया। उस समय बसपा के एक बागी नेता राजबहादुर के नेतृत्व में पहले ही 12 विधायक टूटकर सपा के समर्थन में आ चुके थे। लेकिन दल-बदल कानून के चलते बसपा के 67 में से कम से कम एक तिहाई (उस समय के नियम के मुताबिक) विधायकों का टूटना जरूरी था।

मुलायम समर्थक बाहुबलियों की ये फौज पहुंच गई गेस्ट हाउस। इसमें माफिया अतीक अहमद भी था। यहां करीब चार बजे से हिंसा शुरू हुई और दो घंटे तक चली। इस हिंसा में सपा और बसपा, दोनों दलों के कई समर्थक घायल हो गए। बसपा विधायकों ने आरोप लगाया कि गेस्ट हाउस के कॉन्फ्रेंस रूम से कुछ विधायकों का अपहरण करने की कोशिश भी की गई। मायावती के साथ भी अभद्रता हुई। कहा जाता है कि उन्हें मारने की कोशिश हुई। सपा समर्थकों ने उन्हें गालियां दीं और जातिसूचक शब्द भी कहे। इसमें मुख्य आरोपियों में अतीक अहमद का नाम भी शामिल था।

वक्त के साथ-साथ मायावती ने इस कांड में शामिल कई लोगों को तो माफ कर दिया, लेकिन अतीक को नहीं। सत्ता में आते ही मायावती ने अतीक और उसके करीबियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। मायावती की सरकार के दौरान अतीक जेल में ही रहा। लेकिन अतीक ने अपनी राजनीतिक पकड़ बरकरार रखी। हालांकि, 2017 के बाद से अतीक और उसके परिवार के लिए मायावती ने भी नरमी दिखाई। यही नहीं, अतीक के परिवार के कुछ सदस्यों को बसपा में भी शामिल कराया।

राजू पाल भी शहर पश्चिमी के ही रहने वाले थे। कहा जाता है कि उस वक्त राजू पर भी लूट, छिनैती जैसी घटनाओं में शामिल होने का आरोप लगता था। कहा तो ये भी जाता है कि वह एक समय अतीक अहमद का खास था, लेकिन बाद में दोनों के बीच खटपट हो गई। 2002 में राजू ने भी राजनीति में एंट्री कर ली। 2004 में जब अतीक अहमद फूलपुर से सांसद बन गया तो इलाहाबाद शहर पश्चिमी सीट से उसके छोटे भाई अशरफ ने चुनाव लड़ा। अशरफ के खिलाफ बसपा ने राजू पाल को टिकट दे दिया। राजू पाल इस चुनाव में जीत गए। विधायक बनने के तीन महीने बाद 15 जनवरी 2005 में राजू पाल ने पूजा पाल से शादी कर ली। शादी के ठीक 10 दिन बाद 25 जनवरी 2005 में राजू पाल की हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड में अतीक अहमद और अशरफ का नाम सामने आया। इसके बाद हुए उपचुनाव में बसपा ने राजू की पत्नी पूजा पाल को प्रत्याशी बनाया, लेकिन वह हार गईं। अशरफ चुनाव जीत गया। हालांकि, 2007 में हुए चुनाव में पूजा पाल जीत गईं।

अतीक पर 100 से ज्यादा आपराधिक मामले

साल 2007 तक अतीक आजाद था। तब सरकार समाजवादी पार्टी की थी। लेकिन इसके बाद से उसका बुरा वक्त शुरू हो गया। साल 2007 में मायावती सत्ता में आ गईं। सत्ता जाते ही सपा ने अतीक को पार्टी से बाहर निकाल दिया। उधर, मायावती ने ऑपरेशन अतीक शुरू किया। अतीक अहमद पर 100 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या की कोशिश, किडनैपिंग, रंगदारी जैसे केस हैं। उसके ऊपर 1989 में चांद बाबा की हत्या, 2002 में नस्सन की हत्या, 2004 में मुरली मनोहर जोशी के करीबी भाजपा नेता अशरफ की हत्या, 2005 में राजू पाल की हत्या का आरोप है।

2017 से जेल में था अतीक अहमद

2012 का विधानसभा चुनाव भी अतीक ने लड़ा लेकिन हार गया। उसे राजू पाल की पत्नी पूजा पाल ने हरा दिया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में भी उसने समाजवादी पार्टी के टिकट पर श्रावस्ती सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन भाजपा के दद्दन मिश्रा से हार गया। दिसंबर 2016 में मुलायम सिंह ने 2017 विधानसभा चुनाव के लिए अतीक को कानपुर कैंट से टिकट दिया। 22 दिसंबर को अतीक 500 गाड़ियों के काफिले के साथ कानपुर पहुंचा। उस वक्त अतीक का ये काफिला सुर्खियां बना था। इसी बीच पार्टी का अध्यक्ष अखिलेश यादव बने। अतीक को पार्टी से बाहर निकाल दिया। शियाट्स कॉलेज मामले में हाईकोर्ट ने अतीक को गिरफ्तार करने के आदेश दे दिए। फरवरी 2017 में अतीक को गिरफ्तार कर लिया गया। हाईकोर्ट ने सारे मामलों में उसकी जमानत कैंसिल कर दी। इसके बाद से अब तक अतीक जेल में ही था।

साल 2017 में यूपी के नए सीएम योगी आदित्यनाथ बने। फूलपुर सीट से सांसद रहे केशव प्रसाद मौर्य डिप्टी सीएम बनें। उन्हें फूलपुर की सीट छोड़नी पड़ी। सीट पर उपचुनाव की घोषणा हुई। जेल में बैठे अतीक अहमद ने निर्दलीय चुनाव का फॉर्म भर दिया। हालांकि फिर से हार मिली। इसके बाद 2019 के आम चुनाव में जेल से ही वाराणसी सीट पर मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा। इस बार फिर जमानत जब्त हो गई। योगी के सीएम बनते ही अतीक के खिलाफ कई मामलों की जांच शुरू हो गई। इसके बाद से लेकर अब तक अतीक की 1600 करोड़ रुपए से ज्यादा की गैर कानूनी संपत्तियों पर बुलडोजर चल चुका है। अतीक का भाई अशरफ भी मरियाडीह डबल मर्डर मामले में जेल में बंद था। अतीक के चार बेटे हैं। दो नाबालिग हैं। दोनों बाल सुधार गृह में बंद हैं। एक उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी असद को पुलिस एनकाउंटर में मार गिराया गया। एक अन्य जेल में बंद है।

अतीक के बड़े बेटे उमर पर 26 दिसंबर 2018 को अपने पिता के कारोबारी दोस्त रहे मोहित जायसवाल को किडनैप करने का आरोप है। मोहित ने छूटने के बाद इसकी कहानी भी बताई थी। आरोप लगाया था कि उसे देवरिया जेल ले जाकर पीटा गया।

सपा नेता रामगोपाल यादव बोले

सुनियोजित तरीके से की गई है अतीक व अशरफ की हत्या

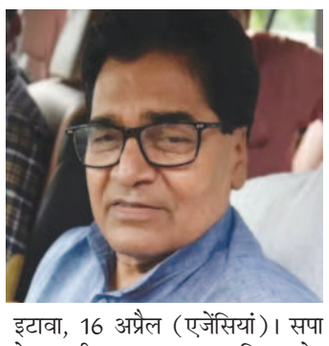

इटावा, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो। रामगोपाल यादव ने अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की हत्या पर सरकार पर हमला करते हुए कहा कि उनकी सुनियोजित तरीके से हत्या की गई है। वे सैफई में रविवार को पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में अगर जांच एजेंसी सही होगी, तो बड़े-बड़े लोग इसमें फंसेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उमेश पाल के हत्यारों को मिट्टी में मिला देंगे। ऐसा ही हुआ। रामगोपाल यादव ने कहा कि उन्होंने पहले भी कहा था कि अतीक के लड़के की हत्या हो सकती है। यह बात सच निकली। उसका फर्जी एनकाउंटर कर दिया गया। अतीक ने सुप्रीम कोर्ट में स्वयं रिट की थी कि मुझे सुरक्षा दी जाए। लोकतंत्र के इतिहास में किसी भी देश में पुलिस अभिरक्षा में इस तरह हत्या नहीं की गई है। यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि सत्ता में पहुंचने के लिए किसी एक धर्म के लोगों को चुन-चुनकर मारना अच्छी बात नहीं है। और फिर रात में 10 बजे कौन सा मेडिकल होता है। यह सब प्लानिंग पहले से थी। अपराधियों ने अतीक पर गोली चलाई लेकिन पुलिस ने उन अपराधियों पर एक भी गोली नहीं चलाई।

ज्ञानवापी मामले को लेकर अखिलेश-ओवैसी को फिर नोटिस जारी, 17 को होगी सुनवाई

वाराणसी, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर स्थित वुजूखाने में गंदगी करने और सपा प्रमुख अखिलेश यादव, एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान को लेकर निचली अदालत के आदेश के खिलाफ लंबित पुनरीक्षण याचिका में अपर जिला जज (नवम) की अदालत ने प्रतिवादी पक्ष को फिर नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। सुनवाई में अखिलेश और ओवैसी की ओर से अदालत में कोई उपस्थित नहीं हुआ। अगली सुनवाई छह मई को होगी। वकील हरिशंकर पांडेय ने एसीजेएम पंचम (एमपी-एमएलए) की अदालत में दाखिल प्रार्थना पत्र में कहा था कि दोनों नेताओं ने ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग पर अपने बयान से हिंदुओं की भावना को आहत किया है। अदालत ने उनका प्रार्थना पत्र 14 फरवरी को निरस्त कर दिया था। वहीं, ज्ञानवापी से जुड़े सात मुकदमों को एक ही अदालत में सुनने की मांग के प्रार्थना पत्र पर जिला जज डा। अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में अब 17 अप्रैल को सुनवाई होगी। मां श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन की मांग को लेकर चार वादी महिलाओं ने यह प्रार्थना पत्र दाखिल किया है।

अतीक-अशरफ की हत्या को आरजेडी ने बताया संविधान का एनकाउंटर, कहा- यूपी में लगे राष्ट्रपति शासन

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अतीक व अशरफ की हत्या को आरजेडी ने बताया संविधान, कानून व्यवस्था और लोकतंत्र का एनकाउंटर, यूपी में लगे राष्ट्रपति शासन उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शनिवार रात अतीक अहमद और उनके छोटे भाई अशरफ की मीडिया और पुलिस की मौजूदगी में हत्या की घटना की देशभर में आलोचना हो रही है। इस बीच आरजेडी नेता शिवानंद तिवारी ने इस घटना को संविधान, कानून व्यवस्था और लोकतंत्र का एनकाउंटर है करार दिया है। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। वहीं, जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार को इस मामले में जवाब देना होगा।

मोतिहारी में जहरीली शराब का कहर

एक-एक कर 26 लोगों ने तोड़ा दम; 6 पुलिसकर्मी निलंबित

मोतिहारी, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मोतिहारी में अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है। लोगों ने कहा कि गेहूं खेत में शराब पार्टी की थी। इस कारण ही जान गई। इधर, प्रशासन ने भी शराब से मौत की पुष्टि कर दी है। शराब कांड के यह मामले पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) के पांच थाना इलाकों में हरसिद्धि पहाड़पुर तुरकौलिया सुगौली और रघुनाथपुर में हुए। शराब से मौत का सिलसिला जब शुरू हुआ तो प्रशासन ने इसे डायरिया करार दिया। डीएम सौरभ जोरवाल ने जांच के लिए मेडिकल टीम भेजी। टीम ने भी कहा कि डायरिया के लक्षण पाए जा रहे हैं। इसके बाद एक-एक कर 26 लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। प्रशासन ने शराब से मौत की पुष्टि की। हालांकि प्रशासन ने अब तक 14 लोगों की शराब से मौत की बात कही है छह लोगों की मौत को प्रशासन संदिग्ध बता रही है। इनमें से 3 लोगों का पोस्टमार्टम करवाया गया है। पटना से मामले की जांच करने के लिए भी एक टीम मोतिहारी पहुंची उन्होंने कई लोगों से पूछताछ की मेडिकल टीम से भी बातचीत की। इस मामले में मोतिहारी के डीएम सौरभ जोरवाल ने कहा शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई है। अन्य लोगों का इलाज करवाया जा रहा है मामले को गंभीरता से लेते हुए इलाके में छापेमारी की गई और 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इलाके में शराब का निर्माण कहां हो रहा था। इसकी भी जानकारी ली जा रही है कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इधर, मोतिहारी इस मामले में कार्रवाई की है। उन्होंने तुरकौलिया, हरसिद्धि, पहाड़पुर और सुगौली के एक-एक चौकीदार को निलंबित कर दिया।

अतीक-अशरफ हत्याकांड पर प्रियंका गांधी की पहली प्रतिक्रिया

माफिया नाम लिए बिना कही बड़ी बात

लखनऊ, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की हत्या के बाद अब सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। सभी विरोधी पार्टियों ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार पर जुबानी हमले बोले हैं। वहीं अब यूपी कांग्रेस की प्रभारी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी प्रतिक्रिया दी है। प्रियंका गांधी ने इस हत्याकांड पर बीना नाम लिए बीजेपी सरकार पर जमकर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा, हमारे देश का क़ानून संविधान में लिखा गया है, यह क़ानून सर्वोपरि है। अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, मगर देश के क़ानून के तहत होनी चाहिए। किसी भी सियासी मक़सद से क़ानून के राज और न्यायिक प्रक्रिया से खिलवाड़ करना या उसका उल्लंघन

करना हमारे लोकतंत्र के लिए सही नहीं है।

सख्ती से लागू हो कानून- प्रियंका

कांग्रेस महासचिव ने कहा, जो भी ऐसा करता है, या ऐसे करने वालों को सरंक्षण देता है, उसे भी ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उस पर भी सख्ती से क़ानून लागू होना चाहिए। देश में न्याय व्यवस्था और कानून के राज का इकबाल बुलंद हो, यही हम सबकी कोशिश होनी चाहिए। जबकि इससे पहले कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था कैसी है, पहले प्रयागराज में जो कुछ हुआ है सभी ने देखा है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, ₹ऐसे हालात में यूपी के सीएम को इस्तीफा देना चाहिए। इस मामले में मुझे साजिश की बहुत बड़ी बू आ रही है। बता दें कि अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की शनिवार रात को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गोलीबारी की घटना रात करीब 10 बजे की है जो कैमरे में दर्ज हो गई क्योंकि मेडिकल जांच के लिए पुलिस द्वारा दोनों को अस्पताल ले जाते समय मीडियाकर्मी उनके साथ चल रहे थे। घटना स्थल पर ही तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पोलिंग बूथ में मारपीट मामले में दोषमुक्त किए जाने पर बोले विक्रम सिंह- 'सपा ने राजनीतिक विद्वेष में कराया था केस'

फतेहपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के फतेहपुर में मतदान के दिन ड्यूटी पर तैनात सिपाही के साथ मारपीट करने और भीड़ लेकर पोलिंग बूथ के अंदर जाने के मामले में बीजेपी के पूर्व विधायक विक्रम सिंह को जिला अदालत ने दोषमुक्त करार दिया है। सिपाही ने उनके खिलाफ केस दर्ज करवाया था जिसके बाद चली सुनवाई में निचली अदालत ने उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई थी। वहीं, मामले में बरी किए जाने के बाद विक्रम सिंह ने राजनीतिक विद्वेष के कारण उनके खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। विक्रम सिंह ने कहा, '2014 में फतेहपुर के सदर सीट पर उपचुनाव हो रहा था और मैं बीजेपी का प्रत्याशी था। पोलिंग बूथ के अंदर अगर जाता तो पीठासीन अधिकारी के तरफ से मुकदमा दर्ज होना चाहिए था

सीएम योगी के साथ सभी मंत्रियों की बढ़ाई गई सुरक्षा

किसी को मिलने की इजाजत नहीं

प्रयागराज, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की प्रयागराज में शनिवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य समेत सभी मंत्रियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दरअसल, अतीक की हत्या पुलिस और मीडिया की मौजूदगी में हुई है जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक यूपी सरकार के मंत्रियों से फिलहाल किसी को भी मिलने की इजाजत नहीं है। ऐसा सुरक्षा कारणों से किया गया है। शूटआउट के बाद प्रयागराज पुलिस भी हाई अलर्ट पर है। रात के वक्त प्रयागराज की विभिन्न चौकियों की पुलिस गश्त करती हुई नजर आई। प्रयागराज के कई इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ाई गई है। रात के वक्त घूम रहे लोगों से पुलिस ने पूछताछ भी की है। इस बीच सीएम योगी के क्षेत्र गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। वहीं, राज्य के सभी 75 जिलों में धारा 144 लगा दी गई है। उमेश पाल हत्याकांड में मुख्य आरोपी बनाए गए अतीक अहमद को गुजरात के साबरमती से प्रयागराज लाया गया था।

उसे और उसके भाई अशरफ को मेडिकल कराने के लिए प्रयागराज अस्पताल ले जाया जा रहा था। दोनों भाई पत्रकारों द्वारा पूछे जा रहे सवालों के जवाब दे रहे थे कि तभी मेडिकल कॉलेज के सामने पुलिस और मीडिया की मौजूदगी में अतीक और अशरफ पर ताबड़तोड़ गोलियां चलनी शुरू हो गईं। इस घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हमलावरों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। इस घटना में एक पुलिस कॉन्स्टेबल को भी गोली लगी है। अतीक की हत्या के बाद राज्य सरकार भी सवालों के घेरे में आ गई है। वहीं, सीएम योगी एक्शन मोड में हैं और अधिकारियों को हर दो घंटे में रिपोर्ट देने को कहा गया है। इस बीच, यूपी सरकार ने भी केंद्रीय गृह मंत्रालय को घटना पर रिपोर्ट भेजी है।

अतीक अहमद की हत्या के बाद बिहार के 'योगी' ने नीतीश से कहा- बिहार पुलिस के हाथों में चूड़ियां न पहनाएं

हाजीपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में पुलिस को खुले हाथ छोड़ देना चाहिए। पुलिस के हाथों में चूड़ियां पहनाने का काम नहीं किया जाए। उत्तर प्रदेश में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद बिहार के योगी यानी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने सीएम नीतीश कुमार से यह आग्रह किया है। हाजीपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने ये बातें कहीं। सम्राट चौधरी पटना से समस्तीपुर जा रहे थे। इस दौरान पासवान चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा बिहार में पुलिस को खुले हाथ छोड़ देना चाहिए। पुलिस को चूड़ी पहनाने का काम नहीं करना चाहिए। सम्राट चौधरी ने कहा पुलिस को पूरी तरह मुक्त करना चाहिए, जिससे कानून का राज स्थापित हो।

आनंद मोहन सिंह की रिहाई को लेकर नीतीश सरकार आज करेगी बैठक

पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश कुमार सरकार के बिहार राज्य कारा हस्तक 2012 के नियम-481(आई) (क) में संशोधन के बाद अब पूर्व सासंद और बाहुबली आनंद मोहन जेल से बाहर आ सकते हैं। इस नियम में संशोधन के बाद सरकारी अफसर की हत्या के दोषी की रिहाई के मामले में अब इसे एक साधारण हत्या माना जाएगा। जिसके बाद ये कहा जा रहा है कि आनंद मोहन अब जल्द ही जेल से बाहर आ जाएगा। आनंद मोहन की रिहाई को लेकर सोमवार को एक अहम बैठक हो सकती है। इस बैठक के बाद ही उसके रिहाई की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। जानकारी के मुताबिक बिहार राज्य कारा हस्तक 2012 के नियम-481(आई)(क) में संशोधन के बाद कल सरकार ने स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक बुलाई है। इस बैठक में पूर्व सांसद की सजा की समीक्षा की जाएगी। इसी के ही साथ इस बैठक में उनकी रिहाई को लेकर भी समीक्षा की जाएगी। वहीं इस बैठक में शामिल सदस्यों का जो भी फैसला होगा उसे बाद में हाइयर समिति को भेज दिया जाएगा। इन सभी प्रोसेस के पूरा होने के बाद ही आनंद मोहन की रिहाई पर फैसला होगा। पूर्व सांसद आनंद मोहन गोपालगंज के तत्कालीन कलेक्टर जी कृष्णैया की हत्याकांड में दोषी करार दिए जाने के बाद से ही जेल में बंद हैं। कलेक्टर जी कृष्णैया की हत्या 5 दिसंबर 1994 को की गई थी। डीएम को पहले भीड़ ने जमकर पीटा था उसके बाद गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कोर्ट ने आनंद मोहन को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। जिसके बाद इसे उम्रकैद में बदल दिया गया था। आनंद 2007 से जेल में हैं और वो जेल में 14 साल बिता चुके हैं।

बेटे ने मां-बाप को बेरहमी से पीटा, मां के सिर, चेहरे व उंगलियों में आए 10 टांके, बाप की बाजू तोड़ी

अंबाला, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में जमीन के विवाद के चलते कलयुगी बेटे ने मां-बाप के रिश्ते को तार-तार कर दिया। आरोप है कि अंबाला के गांव बोह में बड़े बेटे ने डंडों से मां-बाप दोनों को मार-मारकर अधमरा कर दिया। मां के जहां सिर पर छह टांके, चेहरे पर नाक के पास एक और उंगलियों पर तीन टांके लगे और शरीर पर जगह-जगह डंडों के निशान है वहीं बुजुर्ग बाप की बाजू में भी फ्रेक्चर बताया जा रहा है।

दलाई लामा के वायरल वीडियो के पीछे चीन की साजिश

तिब्बतियों ने किया धर्मगुरु का बचाव

धर्मशाला, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के एक बच्चे के साथ वीडियो वायरल होने पर तिब्बतियों ने प्रतिक्रिया दी है। कई लोगों का कहना है कि दलाई लामा और बच्चे का जो वीडियो वायरल हो रहा है। वह नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा को बदनाम करने की एक कोशिश थी। तिब्बतियों का कहना है कि दलाई लामा ने अपनी मातृभूमि तिब्बत पर चीन के क्रूर कब्जे को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने की कोशिश में दशकों बिताए हैं। दलाई लामा का बचाव

करते हुए तिब्बत के प्रमुख पेंपा त्सेरिंग ने कहा कि तिब्बती लोग इस वीडियो को लेकर आहत हैं और आरोप लगाया कि चीन समर्थक उनकी छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, दलाई लामा को अक्सर यह कहते हुए सुना गया है कि चीन झूठ बोलता है और उसके अधिकारी पाखंडी हैं। दलाई लामा कहते हैं कि कुछ चीनी अधिकारी उन्हें एक राक्षस के रूप में पेश करते हैं। वहीं, मैक्लोडगंज में रहने वाले एक नागरिक ने कहा तिब्बत में चीनी सेना की कार्रवाई से बचने के बाद 1960 के दशक की शुरुआत में वह यहां आए थे। उनकी पवित्रता लगभग पूरी जिंदगी जनता की नजर में रही है और उनका जीवन तिब्बत के पहाड़ों की तरह पवित्र है। पूर्व तिब्बती सांसद लोबसांग येशी ने कहा कि चीनी प्रायोजित साइबर गुंडों ने एक महीने से अधिक समय तक तिब्बत और चीन के अंदर कड़ी मेहनत की और दलाई लामा की छवि को धूमिल करने के लिए उन पर यौन दुराचार का आरोप लगाया। वहीं, तिब्बती एनजीओ ने कहा कि जिस वीडियो को वायरल किया जा रहा है, उस वीडियो में बच्चे और उसकी मां के साथ बातचीत भी की गई थी, लेकिन चूमने की बात को सनसनीखेज बनाकर इसे पेश किया। जबकि मां और बच्चा दोनों दलाई लामा से मिलने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हैं और कहते हैं कि यह एक आशीर्वाद उनके लिए वास्तव में एक बहुत अच्छा अनुभव है। बता दें कि तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का एक बौद्ध कार्यक्रम में एक बच्चे के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। जिसके बाद दलाई लामा बच्चे और उसके परिवार से माफी मांगी। दलाई लामा के हवाले से एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वह मासूम और चंचल तरीके से अक्सर उन लोगों को चिढ़ाते हैं, जिनसे वे मिलते हैं। यहां तक कि सार्वजनिक रूप से और कैमरों के सामने भी चिढ़ाते हैं। उन्हें घटना पर खेद है।

राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले गिरफ्तार, नशे के लिए बने अपराधी

इंदौर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस थाना कनाडिया ने शातिर मोबाइल लुटेरों को पकड़ा है, उनसे 20 महंगे मोबाइल मिले हैं। क्षेत्र में मोबाइल लूट की वारदातों में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना प्रभारी और उनकी टीम द्वारा घटनाओं का विश्लेषण किया गया। इसमें कुछ संदिग्ध पता चले। मुखबीर तंत्र की सूचना के आधार पर संदिग्ध बुलेट व बुलेट चालक की पड़ताल की जिसके बाद संदेही रोहित खांडे को पकड़कर सघन पूछताछ की गई। उसने बताया कि दिनांक 12 अप्रैल को रात 11 बजे उसने अपने एक साथी के साथ बिजली नगर पार्क के पास वैभव नगर से एक व्यक्ति से मोबाइल छीना था। उक्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने इन घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन आरोपी रोहित खांडे निवासी इंदौर, दीपक गंगारिया इंदौर, सारतिक रांणे निवासी इंदौर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से अन्य मोबाइल लूट की घटनाओं के संबंध में पूछताछ की तो उनके द्वारा कनाडिया तथा आसपास के थाना क्षेत्रों में भी लूट की घटना करने की जानकारी दी गई। अब इसके संबंध में अन्य जानकारी निकाली जा रही है। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न वारदातों को अंजाम देकर लूटे गए 20 मोबाइल मिले हैं जिनकी कीमती करीब 2,50,000 है। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त बुलेट भी जप्त की गई है।

पाक से आया ड्रोन बीएसएफ की फायरिंग के बाद लौटा

खेतों से तीन किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अमृतसर सेक्टर में लगातार दूसरे दिन पाकिस्तानी ड्रोन की तरफ से हेरोइन फेंकने का मामला सामने आया है। पाकिस्तान की ओर से रात घुसा ड्रोन बार्डर सिक्योरिटी फोर्स के जवानों की फायरिंग के बाद वापस लौट गया। बल के जवानों ने सीमांत गांव धनोए कलां के बाहरवार खेतों में ड्रोन के उड़ने की आवाज सुनी तो जवानों ने पूरे इलाके को घेर लिया। रविवार की तड़के इलाके में शुरु किए सर्च अभियान के दौरान गांव के बाहरवार गेहूं के खेत बीएसएफ जवानों को एक बड़ा बैग मिला, जिसमें तीन किलो हेरोइन, हुक के साथ एक लोहे का छल्ला (रिंग) तथा चार चमकीली पट्टियां मिली। बीएसएफ के प्रवक्ता के मुताबिक अमृतसर

सेक्टर में बल के जवानों ने आज लगातार दूसरे दिन हेरोइन बरामद की है। जवान शनिवार की रात भारत-पाक सीमा अटारी स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गश्त कर रहे थे। इस दौरान जवानों ने पाकिस्तान की तरफ से भारतीय क्षेत्र में घुसे ड्रोन की आवाज सुनी तो आवाज आने वाले दिशा में फायरिंग कर ड्रोन को गिराने का प्रयास किया। इस दौरान ही जवानों ने सीमांत गांव धनोए कलां के बाहरवार स्थित खेतों में भी ड्रोन के उड़ने की आवाज सुनी। बल के प्रवक्ता मुताबिक इसके तुरंत बाद ही बीएसएफ के जवानों ने पूरे इलाके को घेर लिया और आज तड़के सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में पूरे इलाके में सर्च अभियान शुरु कर दिया। जवानों को धनोए कलां के बाहर गेहूं के खेतों में गिरा एक बड़ा बैग मिला। जिसके अंदर पीले रंग की टेप और खाकी कागज में लिपटे हेरोइन के पैकेट भी मिले, जो तीन किलो पाई गई। इसके अलावा जवानों ने बैक से एक हुक लगा छल्ला (रिंग) तथा इसके साथ अटैच किए चमकीले चार पट्टियां (स्ट्राइप्स) बरामद किया। इस दौरान देश की अन्य खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों ने भी सर्च में हिस्सा लिया, जो लगातार पूरे इलाके में जारी है।

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता की मांग

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ मंगलवार से करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता दिए जाने की मांग से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की पांच-सदस्यीय संविधान पीठ मंगलवार 18 अप्रैल से सुनवाई करेगी। इन याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली बेंच में प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एसके कौल, जस्टिस एस। रवींद्र भट, जस्टिस पीएस। नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली शामिल रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 13 मार्च को इन याचिकाओं को 5 जजों की संविधान पीठ के पास भेज दिया था और कहा था कि यह मुद्दा 'बुनियादी महत्व' का है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि यह मुद्दा एक ओर संवैधानिक अधिकारों और दूसरी ओर विशेष विवाह अधिनियम सहित विशेष विधायी अधिनियमों से संबंधित है, जिसका एक-दूसरे पर प्रभाव है। बेंच ने कहा, 'हमारी राय है कि यदि उठाए गए मुद्दों को संविधान के अनुच्छेद 145 (3) के संबंध में पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा हल किया जाता है, तो यह उचित होगा। इस प्रकार, हम मामले को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष भेजने का निर्देश देते हैं। ' इस मामले की सुनवाई और फैसला देश पर व्यापक प्रभाव डालेगा, क्योंकि आम नागरिक और राजनीतिक दल इस विषय पर अलग-अलग विचार रखते हैं। केंद्र ने समलैंगिक विवाहों के लिए कानूनी मान्यता की मांग करने वाली याचिकाओं का विरोध किया है और कहा है कि संबंधित मामला व्यक्तिगत कानूनों और स्वीकृत सामाजिक मूल्यों के नाजुक संतुलन के साथ 'पूर्ण विनाशकारी' साबित होगा। सरकार ने प्रस्तुत किया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 के प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने के बावजूद याचिकाकर्ता देश के संबंधित कानून के तहत समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के मौलिक अधिकार का दावा नहीं कर सकते। केंद्र ने इस बात पर जोर दिया कि एक रिश्ते को कानूनी मंजूरी देना अनिवार्य रूप से विधायिका का कार्य है। इसने कहा कि अगर समलैंगिक विवाह को मान्यता दी जाती है, तो इस मुद्दे का गोद लेने जैसे कानून पर प्रभाव पड़ सकता है। इस पर पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, 'यह जरूरी नहीं है कि समलैंगिक जोड़े द्वारा गोद लिया हुआ बच्चा समलैंगिक हो। 'अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने समलैंगिक जोड़ों के शादी करने के अधिकारों को मान्यता देने का अनुरोध किया है, और निजता के अधिकार तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 377 को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के शीर्ष अदालत के फैसले पर भरोसा जताते हुए याचिकाकर्ताओं ने जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार, गरिमा के अधिकार एवं अन्य से जुड़े व्यापक संवैधानिक अधिकारों पर जोर दिया है। पीठ ने कहा कि उसके समक्ष उठाए गए मुद्दों में से एक ट्रांसजेंडर जोड़ों के विवाह के अधिकार से भी संबंधित है। सरकार ने कहा है, 'विभिन्न कानूनी प्रावधानों के तहत वैवाहिक संबंध के कई वैधानिक और अन्य परिणाम हैं। इसलिए, इस तरह के मानवीय संबंधों की औपचारिक मान्यता को दो वयस्कों के बीच केवल गोपनीयता का मुद्दा नहीं माना जा सकता है। ' केंद्र ने कहा है कि एक ही लिंग के दो व्यक्तियों के बीच विवाह को असंहिताबद्ध 'पर्सनल लॉ' या संहिताबद्ध वैधानिक कानूनों में न तो मान्यता प्राप्त है और न ही स्वीकार किया जाता है। उधर जमीयत उलेमा-ए हिंद ने भी इन याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा है कि यह परिवार व्यवस्था पर हमला है और सभी 'पर्सनल लॉ' का पूरी तरह से उल्लंघन है।

अतीक हत्याकांड पर कांग्रेस नेता कमलनाथ ने पूछे सवाल

योगी सरकार से की ये मांग

भोपाल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद हत्याकांड पर कांग्रेस नेता कमलनाथ ने यूपी की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों ने जब इस घटना को लेकर सवाल किया तो कमलनाथ ने कहा कि यह सोचने वाली बात है कि देश का सबसे बड़ा प्रदेश किस ओर ले जाया जा रहा है। बता दें कि अतीक अहमद के साथ ही उसके भाई अशरफ अहमद की प्रयागराज में शनिवार को अस्पताल ले जाने के दौरान हत्या कर दी गई थी। अतीक की हत्या के बाद समाजवादी पार्टी, सपा, बसपा और एआईएमआईएम समेत कई पार्टियों की तरफ से प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। सभी ने यूपी सरकार और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल किया है। उधर, कमलनाथ ने हमलावर अंदाज में कहा, 'एक साथ मर्डर हो रहा है। एक दिन किसी का होता है दूसरे दिन किसी और भाई का होता है। ये क्या संकेत हैं? ये किस तरफ इशारा है? ये सबको सोचने की जरूरत है। ये पूरे समाज को सोचना होगा। हमारी यूपी और देश किस ओर ले जाया जा रहा है। जो उत्तर प्रदेश में हुआ, जो सबसे बड़ा प्रदेश है, यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है। ' कमलनाथ ने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट के जज को मामले में संज्ञान लेते हुए इसकी जांच करानी चाहिए। कमलनाथ से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'हमारे देश का क़ानून संविधान में लिखा गया है, यह क़ानून सर्वोपरि है। अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, मगर देश के क़ानून के तहत होनी चाहिए। किसी भी सियासी मक़सद से क़ानून के राज और न्यायिक प्रक्रिया से खिलवाड़ करना या उसका उल्लंघन करना हमारे लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। जो भी ऐसा करता है, या ऐसे करने वालों को संरक्षण देता है, उसे भी ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उस पर भी सख्ती से क़ानून लागू होना चाहिए। ' उधर, अतीक अहमद की हत्या के बाद यूपी के मंत्रियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सभी 75 जिलों में धारा 144 लागू कर दी गई है।

नीतीश एक अफसर को देख बोले

क्या आपको मेरी बात अच्छी नहीं लग रही! सीएम के कार्यक्रम में अधिकारी रहते हैं अलर्ट

भुवनेश्वर पटना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुछ साल पहले तक अधिकारियों की उबासी पर नजर रखते थे, लेकिन इन दिनों में वे मोबाइल पर निरंतर सक्रिय रहने वाले अफसरों पर न सिर्फ नजर बनाए हुए हैं, बल्कि उनको सलाह भी दे रहे हैं। नीतीश कुमार अपने हर कार्यक्रम में इस बात पर ध्यान जरूर देते हैं कि आयोजन में कौन-कौन लोग मोबाइल पर मगन हैं। दरअसल, पहले यह होता था कि जब वे किसी कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे होते थे तो उनकी निगाह विशेष तौर पर सामने बैठे अधिकारियों पर रहा करती थी। नीतीश कुमार इस बात का ख्याल रखते थे कि कहीं संवाद एकतरफा तो नहीं हो रहा। इस दौरान, उनके कार्यक्रम में बैठे किसी भी अधिकारी ने उबासी ली कि मुख्यमंत्री के संबोधन का ट्रैक तुरंत बदल जाता था। वे पूछते कि जब योजना से जुड़ी बात सुनकर जम्हाई ले रहे तो क्या आपको मेरी बात अच्छी इससे अधिकारी अलर्ट रहने लगे। इसके बाद यह देखा गया कि सरकारी आयोजनों में अधिकारी सीधे-सीधे संबोधन पर केंद्रित नजर आए। मुख्यमंत्री की तरफ से उबासी लेने वाले अफसरों पर टिप्पणी नहीं आई। इन दिनों सीएम नीतीश देख रहे है कि आयोजन में कौन-कौन लोग मोबाइल पर मगन हैं। बीते सोमवार को मुख्यमंत्री अपने कार्यक्रम जनता दरबार में लोगों की परेशानियां सुन रहे थे, इसी दौरान उन्होंने अफसरों की बैठने वाली जगह को देखा। वहां उनकी नजर मोबाइल पर सक्रिय एक अधिकारी पर पड़ गई। फिर क्या था, मुख्यमंत्री ने तुरंत उस अधिकारी को टोक दिया। कहा कि अरे भाई, जब यहां बैठे ही हैं तो मोबाइल पर क्या देखते रहते हैं। मोबाइल पर इस तरह से सक्रिय मत रहिए। यह अच्छा नहीं है। इसी तरह एक दिन एक कार्यक्रम में उनकी नजर एक सीनियर इंजीनियर पर टिक गई। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में ही सीनियर इंजीनियर अपने मोबाइल में घुसे थे।

मुख्यमंत्री ने उन्हें तुरंत टोका। साथ ही कार्यक्रमों में मोबाइल पर कम और कार्यक्रम पर ज्यादा ध्यान देने की नसीहत भी दी। इसी तरह शनिवार को मुख्यमंत्री डॉक्टरों के एक कार्यक्रम मे थे। वहां भी उन्हें यह नजर आया कि कार्यक्रम के दौरान कुछ डॉक्टर मोबाइल पर सक्रिय हैं। मुख्यमंत्री ने तुरंत टोका और कहा कि हम यह नहीं कहते कि मोबाइल नहीं देखिए, लेकिन इसे थोड़ा कम देखिए। हाल के शोध में यह बात सामने आई है कि जो लोग एक दिन भी अपने मोबाइल के बिना नहीं रह सकते, वे अपने काम पर सही तरीके से केंद्रित नहीं रह सकते। इससे एकाग्रता में भी कमी आती है।

पानी की टंकी में गिरा ढाई साल का मासूम, दम घुटने से मौत

इंदौर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। माता-पिता ढाई साल के बच्चे को छोड़कर चले गए और जब वापस लौटे तो वह पानी की टंकी में बेसुध दिखा। उसे इलाज के लिए ले गए और डॉक्टरों ने बचाने का पूरा प्रयास भी किया लेकिन बच नहीं सका। घटना सदर बाजार थाने की है। पुलिस ने बताया कि यहां के जूना रिसाला इलाके में शनिवार रात एक आयोजन था जिसमें चंद्रशेखर अपनी पत्नी और बेटे लक्ष्य के साथ भोजन करने गया वहां से लौटकर आने पर चंद्रशेखर अपने बेटे और पत्नी को छोड़कर कहीं काम से चला गया। कुछ देर बाद पत्नी बेटे को छोड़कर पास में ही आइसक्रीम लेने चली गई। 5 मिनट से भी कम समय में जब वह लौटी तो बेटा लक्ष्य उसे कहीं नहीं दिखाई दिया।

वकीलों के बच्चे या रसूख वाले जुगाड़ से न बन जाएं जज के असिस्टेंट

सीजेआई चंद्रचूड़ पूरी गर्मी तैयार कर रहे थे खास डॉक्यूमेंट

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने लॉ क्लर्क की नियुक्ति के लिए एक खास योजना तैयार की है। अब इसी योजना के जरिये उच्चतम न्यायालय में लॉ क्लर्क (जजों के असिस्टेंट) की नियुक्ति होगी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया है कि किस तरीके से वह पिछले साल पूरी गर्मी के दौरान खास दस्तावेज तैयार कर रहे थे। ताकि सुप्रीम कोर्ट में खुले और पारदर्शी तरीके से लॉ क्लर्क की नियुक्ति हो सके। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के एक कार्यक्रम में सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि मैं हमेशा से चाहता था कि सुप्रीम कोर्ट में लॉ क्लर्क की नियुक्ति ओपन और पारदर्शी तरीके से हो। क्योंकि जब हम लॉ क्लर्क की नियुक्ति करते हैं तो सिर्फ जजों का सहयोगी नहीं नियुक्त कर रहे होते, बल्कि भविष्य के लॉयर्स को भी ट्रेनिंग दे रहे होते हैं। और बार के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि मेरा हमेशा से मानना है कि सुप्रीम कोर्ट में देश के तमाम हिस्सों से लॉ क्लर्क नियुक्त हों। सिर्फ ऐसे लोग लॉ क्लर्क ना बन जाएं, जिनके अच्छे ताल्लुकात हैं, जो किसी के रिकमेंडेशन से आ गए, वकील या वकीलों के बच्चे या रसूखदार लोग। मैं चाहत था कि ऐसे नौजवान लॉ क्लर्क बनें, जिनका कोई संपर्क ना हो। ना ही कोई लीगल बैकग्राउंड हो। वे एक प्रक्रिया के तहत आएं और अप्लाई करें। सीजेआई ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं आप सब को बताना चाहता हूं कि मेरे लॉ क्लर्क ऐसे बैकग्राउंड से आते हैं, जिनका न तो कोई संपर्क है और ना ही कोई लीगल बैकग्राउंड है। लेकिन वह बहुत शानदार काम कर रहे हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया कि मैंने सुप्रीम कोर्ट में अपने सबसे वरिष्ठ सहयोगी जस्टिस संजय किशन कौल की अगुवाई में एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने उस दस्तावेज के आधार पर एक वाइट पेपर तैयार, जिसे मैंने पिछली पूरी गर्मियों के दौरान तैयार किया था। अब हमारे पास लॉ क्लर्क की नियुक्ति के लिए एक नई योजना है और मई में परीक्षा भी होने जा रही है। लॉ क्लर्क (सुप्रीम कोर्ट लॉ क्लर्क योजना) की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जो योजना तैयार की है, उसके तहत बाकायदा परीक्षा आयोजित की जाएगी। सीजेआई ने बताया कि परीक्षा मई में प्रस्तावित है और यह एनालिटिकल स्किल्स पर बेस्ड होगी।

पूछताछ के दौरान टीएमसी विधायक ने तालाब में फेंका मोबाइल

32 घंटे की तलाशी के बाद मिला

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला में सीबीआई के शिकंजे से बचने के लिए बरन्या के तृणमूल विधायक जीबन कृष्ण साहा ने अपना मोबाइल तालाब में फेंक दिया था। सीबीआई की टीम ने 32 घंटे की तलाशी के बाद एक मोबाइल बरामद किया है। तीन दिन के सर्च ऑपरेशन के बाद आखिरकार मोबाइल फोन मिल गया। लेकिन जीबन कृष्ण ने दूसरा मोबाइल तालाब में फेंका था। वह मोबाइल अभी तक नहीं मिला है। उसकी तलाश की जा रही है। भर्ती भ्रष्टाचार मामले की जांच के लिए सीबीआई ने शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे जीबनकृष्ण के घर पर छापा मारा था। तभी उसने अपने दोनों मोबाइल घर के बगल वाले तालाब में फेंक दिए थे।

सीबीआई से मिली जानकारी के अनुसार तभी से केंद्रीय खुफिया एजेंसी के अधिकारी तालाब की कांबिंग कर रही है। विभिन्न प्रकार से दो मोबाइल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा था। सीबीआई इस काम में स्थानीय लोगों की भी मदद ले रही थी। तालाब की नालियां निकालकर मोबाइल की तलाश की जा रही थी। 32 घंटे की तलाश के बाद आखिरकार एक मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उस तालाब में पानी निकालने के लिए कुल तीन पंप लगाए गए थे। शनिवार दोपहर करीब एक बजे पंप बंद कर दिया गया। शुरुआत में सीबीआई को लगा कि तालाब का सारा पानी निकाल दिया गया है, लेकिन सुबह से ही तालाब में पानी फिर से बढ़ना शुरू हो गया। तीन बजे तक दूसरा पंप पानी निकालने के लिए चालू कर दिया गया।

32 घंटे की तलाशी के बाद सीबीआई ने तालाब से निकाला मोबाइल

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह 7:20 बजे तक उस तालाब से सारा पानी निकालना संभव हो सका। उसके बाद 7:35 बजे सीबीआई के जांच अधिकारियों को एक मोबाइल मिला। इस काम में 4 स्थानीय मजदूरों और एक मछुआरे का सहयोग लिया गया।

रानी कमलापति के अपमान को भाजपा ने बताया गोंड समाज का अपमान

वीडी शर्मा बोले-कांग्रेस नेता माफी मांगें

भोपाल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनावी साल में भाजपा को कांग्रेस ने एक बड़ा मुद्दा दे दिया है। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह के रानी कमलापति पर विवादित बयान के बाद लगातार भाजपा नेता कांग्रेस पर हमलावर हैं। रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने रानी कमलापति के अपमान को गोंड समाज का अपमान बताया। उन्होंने सोनिया गांधी से लेकर कमलनाथ से पूछा कि आप गोविंद सिंह के बयान से सहमत है क्या? वीडी शर्मा ने

नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह के बयान पर कहा कि यह गोंड सम्राज्य की अंतिम हिंदू शासक और भोपाल के लिए संघर्ष करने वाली रानी कमलापति का मात्र अपमान नहीं है, यह पूरे आदिवासी गोंड समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के राजनीतिक इतिहास में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जनजाति समाज की बहन द्रौपती मुर्मू देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनाया तब भी कांग्रेस के नेता अधीर रंजन ने आदिवासी समाज की बहन राष्ट्रपति का अपमान करने का काम किया। उन्होंने सोनिया गांधी, कांग्रेस का नेतृत्व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मध्यप्रदेश के अंदर कमलनाथ से पूछा कि आप नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह के बयान से सहमत हैं। यदि सहमत नहीं हो तो आदिवासी समाज गोंड सम्प्रदाय से आपको माफी मांगनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि हमेशा से ही कांग्रेस का यही कैरेक्टर रहा है। आदिवासी विरोधी कांग्रेस, महिला विरोधी कांग्रेस, क्रांतिकारी विरोधी कांग्रेस जिन्होंने लगातार इस देश के लिए काम किया है, उन क्रांतिकारियों और बलिदानियों का अपमान करने का भी लगातार कांग्रेस काम कर रही है। वीडी शर्मा ने कहा कि आप कह रहे हैं कि बीजेपी राजा महाराजाओं की तरफ जा रही है। मैं पूछना चाहता हूं कि गोविन्द सिंह जी कांग्रेस तो एक परिवार में सिमटकर के रह गई है और आप भी उस परिवार के दरबारी है। मध्यप्रदेश के अंदर भी दिग्विजय सिंह जी के बारे में आपका क्या कहना है।

शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश के अंदर भारतीय जनता पार्टी का अनुसूचित जनजाति मोर्चा इसका कड़ा विरोध और प्रतिकार करेंगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इसकी कड़ी आलोचना करती है और इसका कड़ा विरोध करती हैं। रानी कमलापति पर नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह ने कहा कि रानी कमलापति को कोई नहीं जानता, ढूंढ-ढूंढकर भाजपा नाम रख रही है। अंबेडकर जयंती पर एक कार्यक्रम में भाषण में गोविंद सिंह ने यह बयान दिया। इस पर भाजपा उन पर हमलावर हो गई है।

रानी कमलापति 18वीं शताब्दी की भारत की एक रानी और वीरांगना थीं। वह भोपाल से 50 किलोमीटर दूर स्थित गिन्नौरगढ़ के गोंड राजा निजाम शाह की पत्नी थीं। नवम्बर 2021 में भोपाल के 'हबीबगंज' नामक रेलवे स्टेशन का नाम 'रानी कमलपति रेल्वे स्टेशन' किया गया। 16वीं सदी में भोपाल गोंड शासकों के अधीन था।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 17 अप्रैल- 2023

चौंकाने वाले खुलासे

धर्मनगरी प्रयागराज में आतंक का पर्याय बन चुके अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या में जो खुलासा हुआ है वह बेहद चौकाने वाला है। उसे मारने में आरोपियों ने जिस पिस्टल का इस्तेमाल किया है वह भारत में पूरी तरह बैन है, यह पिस्टल सिर्फ तुर्किए में बनती है। बताया जा रहा है कि इसी पिस्टल से पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की भी हत्या की गई थी। ऐसे में सवाल है कि यह प्रतिबंधित पिस्टल आखिर अतीक के हत्यारों तक कैसे पहुंची और क्या है इसकी खासियत। वारदात के तुरंत बाद ही तीनों आरोपियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिए। हत्या करने वाले हमलावरों की पहचान लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य के रूप में हुई है। तीनों बाइक सवार बदमाश मीडियाकर्मी बनकर पहुंचे थे। तीनों हमलावर बांदा, हमीरपुर तथा कासगंज जिले के रहने वाले हैं। तीनों 48 घंटे से प्रयागराज में ही एक लाज में कमरा लेकर रूके थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि तीनों हत्यारोपियों पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। शूटर अरुण मौर्य पर पहले से एक हत्या का मामला दर्ज है। दूसरे हत्यारोपी सनी पर 15 मामले चल रहे हैं। लवलेश पर भी पहले से ही कई मुकदमा दर्ज है। अतीक और अशरफ की हत्या करने हमलावर जिस बाइक से आए थे वह भी सरदार अब्दुल मन्नान खान के नाम से रजिस्टर्ड है। यह नंबर हीरो होंडा की पुरानी गाड़ी CD-100ss बाइक पर दर्ज है। जिसे तीन जुलाई 1998 को कैश देकर खरीदा गया था। बाइक कहां से लाई गई थी और किसने हत्यारों को दी, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। प्रारंभिक पूछताछ में तीनों ने कहा है कि वह बड़ा माफिया बनना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया। तीनों हत्यारों ने कहा कि वह कब तक छोटे-मोटे शूटर बने रहते। आरोपी सनी सिंह पहले भी जेल जा चुका है और जेल में ही वह भाटी गैंग के मुखिया सुंदर भाटी का खास बन गया था। उसके ऊपर सुंदर भाटी के लिए भी काम करने का आरोप है। हत्या में जिगाना मेड पिस्टल का इस्तेमाल हुआ है। तुर्की में बनने वाली यह पिस्टल पांच से छह लाख रुपये की आती है। भारत में इस पर प्रतिबंध है इसलिए दूसरे देशों से इसे अवैध तरीके से भारत लाया जाता है। कहा जाता है कि इस पिस्टल में एक बार में 17 गोलियां लोड होती हैं। अतीक अहमद की हत्या में भी देखा गया कि तड़ातड़ कई फायर एक साथ किए गए। कहा जा रहा है कि यह उसी मॉडल की पिस्टल है जिसका इस्तेमाल सिद्धू मूसेवाला की हत्या में किया गया था। इस पिस्टल की बरामदगी से पुलिस भी सकते में आ गई है। इसकी पडताल की जा रही है कि यह पिस्टल इन आरोपियों के पास तक कैसे पहुंची। बताते हैं कि तुर्की में बनने वाली जिगाना मेड पिस्टल का प्रयोग मलेशियाई आर्मी, अजरबैजान आर्मी, फिलिपिन आर्मी भी करती है। इस पिस्टल की खासियत यह है कि यह पूरी तरह से ऑटोमेटिक होती है और एक बार में ही कई राउंड फायरिंग करने की क्षमता रखती है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के रास्ते इसकी सप्लाई अवैध तरीके से भारत में की जाती होगी। कहा जाता है कि ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से इसे भारत में सप्लाई किया जाता है। यह भी संभावना जताई जा रही है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि तीनों आरोपी अतीक के साथ भी कभी उसके कारोबार में तो नहीं जुडे थे। बहरहाल, यह गुत्थी उतनी ही उलझती जा रही है जितनी इसकी खोजबीन की जा रही है।

एक दुनिया वह भी...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक दुनिया धरती के ऊपर है तो एक दुनिया पानी के भीतर भी है। जैसी अपनी दुनिया है ठीक उनकी दुनिया है। अपनी दुनिया में लोग एक-दूसरे को पानी पिलाने के चक्कर में रहते हैं। उनकी दुनिया में ऐसी मारा-मारी नहीं है। जो खुद पानी में डूबे हो उन्हें भला पानी पिलाने का क्या मतलब। उसी तालाब में एक बड़ी मछली है। लिंग बदलने की सुविधा होती तो मछली की जगह मछला कहना बेहतर होता।

बड़ी मछली दिन-ब-दिन और बड़ी होती जा रही है। छोटी मछलियाँ दिन-ब-दिन घटती जा रही हैं। बड़ी मछलियों के पेट में अजीब सी मराड़ मची है, लेकिन पचाने की शक्ति में उसका कोई सानी नहीं है। हिसाब से देखा जाए तो जो पचा सकता है, उसे खाने का पूरा हक है।

बड़े छोटों को खा सकते हैं, क्योंकि वे बड़े हैं। छोटे बड़ों को नहीं खा सकते, क्योंकि वे छोटे हैं। वैसे भी कुत्ता दुम हिलाता है न कि दुम कुत्ते को। अगर दुम कुत्तों को हिलाने लगें तो भला कुत्ते अपनी दुम क्यों बक्शने लगे? भूख लगने पर सांप अपने संपोलों तक को नहीं छोड़ते फिर भी यह तो कुत्ते की दुम है। दुनिया भर के लोग जिसे महामारी कह रहे हैं, उसे ही ये बड़ी मछलियाँ महावसर की तरह भुनाती हैं। एक बार के लिए गिद्ध शवों को खाना छोड़ सकते हैं, किंतु ये बड़ी मछलियाँ कोरोना महामारी से मरने वालों के नाम पर धंधा करना नहीं छोड़ सकतीं। छोटी-छोटी मछलियाँ जैसे-तैसे अपनी जिंदगियाँ बचते-बचाते गुजर-बसर करते हैं और ये बड़ी मछलियाँ एक झटके में उन्हें डकार जाती हैं। ये छोटी-छोटी मछलियाँ बड़ी मेहनत करके अपने दाना-पानी का इंतजाम करती हैं। उसी मेहनत को ये बड़ी मछलियाँ टॉनिक की तरह पी जाती हैं। मेहनत, लगन, आत्मनिर्भरता आदि शब्द सुनने में इतने मधुर लगते हैं कि छोटी मछलियाँ इन्हें सुन-सुन कर ऐसी बड़ी होती हैं जैसे कसाई के यहाँ मिमियाती नन्हीं बकरियाँ। कहते हैं एक गंदी मछली पूरे तालाब को गंदा कर देती है। जबकि एक बड़ी मछली पूरे तालाब को खा जाती है।

छोटी मछलियाँ जिंदगी भर जिंदगी बचाने के चक्कर में जिंदगी खो बैठती हैं, जबकि बड़ी मछलियाँ उन्हीं जिंदगियों को लीलकर अपनी और अपनी आने वाली पीढ़ियों की जिंदगियाँ बनाती हैं। जिंदगी लीलने के खेल में छोटी मछलियों को हमेशा जात-पात, धर्म, भाषा तो कभी महंगाई, भ्रष्टाचार, अत्याचार और बेरोजगार में उलझा दिया जाता है। चाहकर भी वे बाहर नहीं निकल सकतीं। इसी में वे अपना दम तोड़ देती हैं। बड़ी मछलियों पर मारने का आरोप भी नहीं लगता। इन मछलियों को सेलफोन से बांधकर पुस्तकों की दुनिया से कहीं दूर छोड़ दिया जाता है। सोशल मीडिया का दाना जैसे-जैसे इनकी भूख को नचाता है वे वैसे-वैसे नाचती हैं। मछली कहलाने वाली अपने ही जात की मछली के हाथों छलती ही जाती हैं। यह सब बातें मैं रिलायंस फ्रेश मार्केट के सामने बैठे बेरोजगार गरीब को सुना रहा था। वह मुझसे उल्टे पूछ बैठा – भैया यह सब मुझे क्यों सुना रहे हो? मेरे पास छोटी-बड़ी मछलियों का खेला समझने का टाइम नहीं है। आप यहाँ से जाइए मुझे मेरे हाल पर छोड़ दीजिए।

मनरेगा की जड़ें रामराज्य में हैं

रघु ठाकुर

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार योजना के भविष्य को लेकर देश में एक बार चर्चा फिर शुरू हुई है। यह योजना श्री मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में शुरू हुई थी परन्तु कहा जाता है कि वे इसे लागू करने के पक्षधर नहीं थे। विश्व बैंक से प्रभावित उनका मस्तिष्क और विचार ऐसी योजनाओं के पक्ष में नहीं हो सकते थे जिनमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों और उनकी मशीनों की भूमिका न हो परन्तु यह एक प्रकार से उनकी अंतर्दलीय विवशता ही थी कि सारे प्रयास के बाद भी उन्हें इसे स्वीकार करना पड़ा था। वैसे तो भूख से बचाने और हर नागरिक को रोटी और रोजगार उपलब्ध कराने का दायित्व राजा का है। यह उपदेश भगवान राम ने भी दिया था। जब वे वनवास पर थे तथा उनके अनुज भरत जो अयोध्या के शासक थे, जब उनसे मिलने के लिये वन में गये तो राम ने उनसे जो प्रश्न पूछे थे वह प्रश्न मात्र नहीं थे, बल्कि नीति के सूत्र और निर्देश थे। राम भरत संवाद रामायण में वर्णित है। जिसमें वह भरत से पूछते है कि राज्य में कोई भूखा तो नहीं सोता। राज्य में कोई दुखी तो नहीं है। और ऐसे ही अनेकों प्रश्न पूछकर श्रीराम ने नीति के सूत्र दिये थे। दरअसल मनरेगा भगवान राम के संदेश या अंर्तनिहित निर्देश से निकली एक योजना थी। कोई व्यक्ति चाहे कितनी भी कठिन परिस्थिति में हो, ग्रामीण क्षेत्र में उसे कोई न कोई रोजगार मिले ताकि वह भूख से मुक्त हो और जीवन यापन कर सके। कानून संसद में आने के बाद पहली बार में पारित नहीं हो सका था और उसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का निर्णय हुआ था। यह एक सुविदित तथ्य है। जब किसी विषय पर सरकार निर्णय नहीं करना चाहती और बगैर दोष लिये उसे विलम्बित करना चाहती है, तो ऐसे प्रस्ताव संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिये जाते हैं। यही घटना मनरेगा के प्रस्ताव पर हुई थी कि संसद में मनरेगा के कानून पेश होने के बाद कोइ निर्णय नहीं हो सका और उसे संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया। जिस समिति को भेजा गया था उसके अध्यक्ष स्व. कल्याण सिंह पूर्व मुख्यमंत्री उ.प्र. थे और ऐसा प्रतीत होता है कि वे और जो कुछ भी हो पर भगवान राम के नाम के प्रति समर्पित थे। उन्होंने तो अयोध्या में जाने के लिये अपनी सरकार को भी दांव पर लगा दिया था और राम मंदिर निर्माण की भूमिका रखी थी। जब उन्हें समिति के किसी सदस्य ने राम भरत संदेश का प्रसंग सुनाकर प्रस्ताव का समर्थन करने के लिये कहा तब उन्होंने तत्काल साहस के साथ समर्थन किया। यद्यपि उनकी पार्टी की भी आम राय इसके पक्ष में नहीं थी। बहुत सम्भव है इसका कारण यह रहा हो कि उनकी पार्टी भाजपा को यह लगता था की मनरेगा कानून बनने के बाद गाँव में मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा, और यह कानून कांग्रेस की सरकार में वापिसी के लिये लाभदायक होगा, क्योंकि इस कानून के अनुसार मजदूरों को उनके ग्राम या समीपी क्षेत्र में ही रोजगार देने की अनिवार्यता थी। इसके बावजूद स्व. कल्याण सिंह ने संयुक्त संसदीय समिति में मनरेगा का न केवल समर्थन किया, बल्कि उसे मजबूती के साथ पास कराया और जब विपक्ष की अध्यक्षता वाली समिति ने ही प्रस्ताव का समर्थन कर दिया तो प्रधानमंत्री के पास इसे पारित करने और लागू कराने के अलावा बचने का कोई रास्ता नहीं था। मनरेगा लागू होने के बाद बड़े पैमाने पर करोड़ों ग्रामीण मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिले और पहले जो गाँव में भूख से मरने के समाचार अक्सर छपते थे, वह काफी हद तक बंद या कम हो गये। मनरेगा जब विमर्श के राष्ट्रीय फलक पर प्रमुख है तब यह भी सुखद संयोग है कि इसी समय डॉ. अशोक पंकज जी की पुस्तक क्लूजिव डेवलपमेंट थ्रू गारंटीड एम्पालायेमेंट प्रकाशित हुई है। जिसे सप्रिंगर ने प्रकाशित किया है। इस पुस्तक में डॉ. पंकज ने कौटिल्य के अर्थशास्त्र को उद्धत करते हुए लिखा है कि ने राजा को सलाह दी थी कि प्रजा की खुशी में राजा की खुशी रहती है। प्रजा के कल्याण में राजा का कल्याण निहित रहता है, इसीलिये दुर्गो (किलो) का निर्माण करो, सिंचाई को नहरें आदि बनाओ ताकि प्रजा को काम मिल सके और वह सुखी रह सके शायद चाणक्य के निर्देश में यह संदेश भी निहित रहा होगा कि प्रजा अगर काम में मशगूल रहेगी और भुखमरी नहीं होगी तो राजा के खिलाफ विरोध या बगावत नहीं होगी। डॉ. अशोक पंकज ने कई राज्यों के मनरेगा के कार्यक्रमों का अध्ययन कर कुछ ठोस निष्कर्ष निकाले हैं। मनरेगा के बारे में एक आरोप आम तौर पर यह लगता है कि इसमें भ्रष्टाचार होता है। इस आरोप को नकारा नहीं जा सकता परन्तु यह भी उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार नीति या योजना का नहीं है, बल्कि क्रियान्वयन करने वाली संस्थाओं या एंजेंसियों का है, और जिसे प्रशासनिक कसावट से काफी हद तक दूर किया जा सकता है। दूसरा आक्षेप यह लगता है कि मनरेगा के काम जिन्हें कानून के अनुसार श्रमिक के हाथों से होना चाहिए उन्हें मशीनों द्वारा कराया जाता है। क्योंकि श्रमिक नहीं मिलते। मैं मानता हूँ कि दो कारण से विशेषतः ग्रामीण क्षेत्र में श्रमिकों की संख्या पर प्रभाव पड़ा है। एक तो इसलिये की अब पुरानी सामाजिक संरचनायें टूट रही है। और गाँव का मजदूर जो बाहर जाकर तो मजदूरी व कठोर से कठोर श्रम करने को तैयार रहता है, परन्तु अपने गाँव में वह कुछ सामाजिक कारण से उसे असम्मान जनक महसूस करता है। दूसरा इससे भी बड़ा कारण है कि जब गाँव का मजदूर काम के लिये बाहर जाता है तो उसे मजदूरी में ज्यादा पैसा मिलता है। दिल्ली में ग्रामीण मजदूर को 400-500 सौ रूपये रोज मिल जाता है। अभी कुछ दिन पूर्व तमिलनाडु में बिहार के मजदूरों के साथ मार पीट और हमले की जो बर्बर घटना मीडिया में आई है अगर वह सही है निसंदेह वह प्रशासनिक मशीनरी की विशेषतः कानून व्यवस्था लागू करने वाली पुलिस की असफलता है। यद्यपि मजदूरों को पीटते हुए जो वीडियो वायरल हुए है, उनका तमिलनाडु के डी.जी. पुलिस ने यह कहकर खण्डन किया है कि यह गलत वीडिया डाले गये हैं, जो पुराने छात्रों के आपसी झगड़े के हैं। हालांकि बिहार के कुछ मजदूरों के परिजनों ने तो अपने परिजन श्रमिकों से बात कर बताया है कि उनके परिजनों के साथ हिंसात्मक घटनाएं घटी है, और हो रही है। निसंदेह यह एक गंभीर मामला है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच सी.बी.आई. या न्यायिक संस्था द्वारा होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। परन्तु इस हिंसा का जो कारण बताया गया है, अगर वह सच है तो वह महत्वपूर्ण है। बिहार के मजदूरों का कहना है कि मजदूर उन्हें इसलिये भगाना चाहते हैं क्योंकि वे वही काम सात सौ से आठ सौ रूपये रोज में कर रहे हैं जिसके लिये तमिल श्रमिक 1200 रूपया रोज लेते थे। अब चूंकि मालिकों के लिये बिहार का श्रमिक सस्ता है, चार पांच सौ रूपया कम पर उपलब्ध है, वे तमिल श्रमिकों के बजाय बिहार के श्रमिकों को प्राथमिकता देते है, जो कि स्वाभाविक भी है। चूंकि मनरेगा की मजदूरी लगभग ढाई सौ रूपया रोज है, अतः बिहार का व्यक्ति तमिलनाडु पंजाब या दिल्ली आदि शहरों में जाकर काम करना पसंद करता है। क्योंकि उसे वहां तीन से चार गुना मजदूरी मिल रही है। मनरेगा में श्रमिकों की कमी की बड़ी वजह कम मजदूरी भी है और जब श्रमिक नहीं मिलते है तो अपने निर्धारित ग्रामीण और स्थानीय कार्यों को पूरा कराने के लिये अधिकारी लाचार होकर मशीनों का प्रयोग कराते हैं ताकि वह अनुशासनात्मक कार्यवाही से बच सकें। अगर भारत सरकार समूचे देश के श्रमिकों के लिये चाहे वह शासकीय हो या अशासकीय हो एक समान मजदूर की दर तय करे तो स्थानीय श्रमिकों के अभाव की समस्या का काफी हद तक हल निकल जायेगा। एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि ग्रामीण अंचल में निशुल्क राशन पांच किलो प्रति व्यक्ति की दर से वितरण शुरू हुआ है।

निसंदेह इससे गरीबों को भूख से बचने की गारन्टी मिली है। और सरकार को भी चुनाव जीतने की गारंटी। परन्तु अनुभव यह भी आ रहा है कि देश में बगैर परिश्रम के खाने वालों की एक बड़ी फौज तैयार हो रही है जो धीरे-धीरे अकर्मण्य बनती जा रही है। और जब मुफ्त राशन से ही जीवन चल जाये तो व्यक्ति को श्रम करने की क्या आवश्यकता है यह सोच मजदूरों का बन रहा है।

मिट्टी में माफिया, सदमें में संरक्षणदाता

सुरेश गांधी

फिरहाल, उमेश पाल हत्याकांड में पांच लाख के इनामी असद अहमद व उसके सहयोगी गुलाम और माफिया अतीक अहमद तथा उसके भाई अशरफ के मारे जाने के बाद यूपी में सीएम योगी आदित्यनाथ की साख बढ़ी है। लोग उनकी तारीफों के पुल बांधने में जुटे है। कोई इसे रामराज्य बता रहा है तो कोई विधानसभा में उनके मिट्टी में मिला दूंगा वाले बयान को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लाइक व कमेंट बटोर रहा है। यह अलग बात है कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव व तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा को अपने वोटबैंक पर हमला दिख रहा है। बता दें, उमेश पाल मर्डर केस में असद सहित गुलाम व गुड्डू मुस्लिम आदि का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। इसके बाद विधानसभा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव इस हत्याकांड का जिक्र कर जंगलराज की संज्ञा दी तो जवाब में सीएम योगी कहते हैं, जो अपराधी और माफिया हैं आखिर ये पाले किसके द्वारा गए हैं? क्या ये सच नहीं है कि जिसके खिलाफ सैकड़ों मुकदमें दर्ज है उन्हें सपा ने सांसद बनाया था? आप अपराधी को पालेंगे और उसके बाद आप तमाशा बनाते हैं। हम इस माफिया को मिट्टी में मिला देंगे। योगी के इस बयान के बाद माफियाओं के खिलाफ अभियान छेड़ रखा था। उमेश पाल के हत्यारों के खिलाफ पांच पांच लाख की ईनाम राशि का ऐलान था। उसी कड़ी में दो नामजद शूटरों को पुलिस ने पहले ही मार गिराया था। 48 दिन बाद आज पुलिस ने झांसी में अतीक के बेटे असद व उसके साथी गुलाम को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। पुलिस के मुताबिक यूपी एसटीएफ के एनकाउंटर में मारा गया माफिया डॉन अतीक अहमद का बेटा असद अहमद अपने पिता को पुलिस की गिरफ्त से भगाने की साजिश रच रहा था। इसके लिए वह पुलिस के काफिले पर हमला करने की भी योजना बना रहा था। अतीक अहमद को यूपी लाए जाते समय वह अपने मंसूबों को अंजाम देने चाहता था। इस सूचना को देखते हुए सिविल पुलिस और विशेष बलों की टीमों को तैनात किया गया था। झांसी जिले के परीक्षा डैम के पास पुलिस को देखते ही दोनों बदमाशों ने पुलिस पर हमला कर दिया और जवाबी कार्रवाई में मारे गए। सूत्रों की मानें तो असद का एनकाउंटर करने के बाद अब गुड्डू मुस्लिम यूपीएसएटीएफ की रडार पर है। यूपीएसटीएफ को उसकी लोकेशन की जानकारी मिल गई है। बताया जा रहा है कि गुड्डू मुस्लिम भी जल्द ही पुलिस पकड में होगा। देखा जाएं तो यह पहला मौका नहीं है जब योगी सरकार में किसी माफिया का एनकाउंटर किया गया हो। पिछले 6 सालों में योगी सरकार में कुल 10,713 मुठभेड़ हुए हैं। जिनमें से 183 अपराधियों का सफाया हो चुका है। जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं। इन एनकाउंटर में सबसे कुख्यात नाम विकास दुबे और उनके पांच गुर्गे का है। अब अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम का नाम भी इस लिस्ट में जुड़ गया है। 24 घंटे पहले ही पुलिस ने पश्चिम यूपी के कुख्यात आदित्य राणा को मुठभेड़ में मार गिराया था। पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2017 के बाद से 10713 एनकाउंटर किए। इनमें से सबसे अधिक 3152 मेरठ पुलिस की ओर से हुए। इसके बाद आगरा पुलिस का है। आगरा पुलिस ने 1844 मुठभेड़ों को अंजाम दिया, जिसमें 4654 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 14 खूंखार अपराधी मारे गए और 55 पुलिस वाले घायल हुए। बदमाशों से मुठभेड़ के 13 पुलिसकर्मी भी शहीद हुए हैं और 1398 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। साल 2023 की शुरूआत में ही यूपी पुलिस ने नोएडा में सुनील राठी गैंग के एक लाख के इनामी शूटर कपिल को एनकाउंटर में मार गिराया। 2 जनवरी को बुलंदशहर में पुलिस ने मुठभेड़ में एक लाख के इनामी आशीष और 50,000 के इनामी अब्दुल को मार गिराया। 10 जनवरी को 50 हजार के इनामी विनय शर्मा को मार गिराया गया। इसके बाद उमेश पाल हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों अरबाज और उस्मान चौधरी को पुलिस ने ढेर कर दिया था। इसके बाद अब असद और गुलाम को भी मार गिराया गया है।

योगी पर विपक्ष हमलावर

हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने योगी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि क्या बीजेपी जुनैद और नासिर की हत्या करने वालों का भी ऐसे ही एनकाउंटर करेगी? नहीं, क्योंकि बीजेपी मजहब के नाम पर एनकाउंटर करती है। आप कानून को कमजोर करना चाहते हैं। संविधान का एनकाउंटर करते हैं। समाजवादी पारटी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए कहा कि झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं।

आज के हालिया एनकाउंटरों की भी गहन जांच-पड़ताल हो व दोषियों को छोड़ा न जाए। सही-गलत के फैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है। भाजपा भाईचारे के खिलाफ है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने यूपी एसटीएफ की कार्रवाई में अतीक अहमद के बेटे असद के एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे मुझे हैरानी नहीं हुईयह पूरी तरह से अराजकता है। यह एक प्रकार का कल्चर या जंगल राज है। जब आपके पास ऐसे मुख्यमंत्री और गृहमंत्री हों जो कहें, पलट सकती है दो यह कभी भी हो सकता है। जब आप दो दो जैसे बयान देते हैं। इस तरह की नफरत और जहरीले बयान देते हैं तो उम्मीद है कि भारत के लोग इसे क्षम्य नहीं करेंगे। 48 दिन तक यूपी एसटीएफ की 18 टीमें दिन रात सिर्फ एक शख्स को तलाश रही थी। वो शख्स था उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी और बाहुबली अतीक अहमद का बेटा असद अहमद। असद झांसी में एक एनकाउंटर के दौरान मारा गया है। इस एनकाउंट का एक वीडियो भी आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि एक मोटर साइकिल गिरी पड़ी है उसके बगल में ही असद अहमद और शार्प शूटर गुलाम के शव पड़े हैं। 12वीं पास असद ने हाल ही में अतीक का कारोबार संभाला था। उमेश पाल की हत्या के बाद से ही असद पुलिस की रडार पर था। 24 फरवरी को शूटर के साथ उमेश पाल की हत्या करने के बाद असद और उसके दोस्त लखनऊ के रास्ते बहराइच भाग गया। बहराइच यूपी के तराई इलाके में आता है और नेपाल बॉर्डर के समीप है। असद और गुड्डू मुस्लिम यहां पर एक होटल में भी ठहरा और अगले दिन फिर नेपाल की ओर भाग गया।

उमेश पाल हत्या के बाद जब सियासत गरमाई तो यूपी पुलिस ने एसटीएफ को कमान सौंप दी, जिसके बाद 18 टीमों का गठन किया गया। एसटीएफ ने असद और उससे जुड़े शूटरों का लोकेशन ट्रैस करना शुरू कर दिया। इसकी भनक लगते ही असद रोज सिम बदलने लगा। असद और गुड्डू मुस्लिम भूटान की सीमा तक गया। यूपी एसटीएफ को असद और गुड्डू मुस्लिम के एक साथ होने का अंतिम लोकेशन भूटान सीमा पर ही मिला था। दोनों इसके बाद अलग हो गए। असद इसके बाद गाजियाबाद और नोएडा आया, जहां उसने 4 अलग-अलग लोकेशन पर रुका। असद इस दौरान दिल्ली में भी 2 अलग-अलग लोकेशन पर रात में रुका। एसटीएफ को इसकी भनक लगी तो नोएडा-गाजियाबाद में घेराबंदी कर दी। इसी बीच एसटीएफ को उसके झांसी से 30 किमी दूर बड़ागांव के पास होने की सूचना मिली, जिसके बाद डिप्टी एसपी नवेंदु और डिप्टी एसपी विमल के नेतृत्व में 10 लोगों की टीम ने उसका पीछा किया।

एनकाउंटर में नवेंदु और विमल के अलावा दरोगा विनय तिवारी, हेड कॉन्स्टेबल पंकज तिवारी, हेड कॉन्स्टेबल सोनू यादव, हेड कॉन्स्टेबल सुशील कुमार, हेड कॉन्स्टेबल सुनील कुमार, हेड कॉन्स्टेबल भूपेंद्र कुमार, कमांडो अरविंद कुमार और कमांडो दिलीप कुमार यादव शामिल थे। एसपी ज्ञानेंद्र राय और एसपी अनिल सिंह पूरे मामले की मॉनिटरिंग करते रहे। असद झांसी या बुंदेलखंड के किसी अदालत में सरेंडर करने के फिराक में था। अतीक के कई समर्थक झांसी में रहते हैं। वहीं पर वकीलों के सहारे कोर्ट में पहुंचने की तैयारी कर रहा था। झांसी से मध्य प्रदेश और राजस्थान नजदीक है। असद बॉर्डर पार कर दोनों में से किसी राज्य में भागने की तैयारी में था। राजस्थान या मध्य प्रदेश भागने में कामयाब हो जाता तो आसानी से कोर्ट में सरेंडर कर सकता था।

4400 सिम कार्ड ट्रेस पर लगा था, 9 राज्यों में छापा पड़ा

उमेश पाल की हत्या के बाद यूपी पुलिस को यह बात पता चल चुकी थी कि असद ने फोन और सिम दोनों बदल लिया है। उसने टीम के सभी सदस्यों को नया फोन और कई सिम कार्ड दिया था। सभी को व्हाट्सऐप के जरिए संपर्क में रहने के लिए कहा था। रिपोर्ट के मुताबिक असद को पकड़ने के लिए यूपी एसटीएफ ने करीब 4400 सिम कार्ड को ट्रेस पर रखा था। साथ ही उसकी लोकेशन जानने के लिए 9 राज्यों में छापेमारी की गई थी। यूपी एसटीएफ ने असद को पकड़ने के लिए करीब 600 संदिग्ध लोगों से पूछताछ की थी।

दक्षिणी एशियाई देश म्यांमार में अस्थिरता

सुनील कुमार महला

दक्षिणी एशियाई देश म्यान्मार , जिसका भूतपूर्व नाम बर्मा या ब्रह्मदेश रहा है तथा जिसका आधुनिक बर्मी नाम 'म्यान्मा' है, में हाल ही में जो घटना घटित हुई है, वह मानवता को बहुत ही विचलित व स्तब्ध करने वाली घटना है। 11 अप्रैल 2023 मंगलवार के दिन म्यांमार में जो हुआ, वह बहुत ही शर्मनाक है। दरअसल, पीपुल्स डिफेंस फोर्स(पीडीएफ) के स्थानीय कार्यालय के उद्घाटन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में हाल ही में लड़ाकू विमानों ने गोलीबारी कर दी। जानकारी देना चाहूंगा कि म्यांमार की सेना जुंटा कहलाती है और म्यामांर सेना जुंटा ने ही यह गोलीबारी की हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि इससे पहले भी 27 मार्च 2021 में भी शनिवार के दिन भी 114 लोगों की हत्या कर दी गई थी। यह बहुत ही दर्दनाक था कि उस समय भी आर्मी ने खून की होली खेलते हुए 114 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। बहुत ही हैरानगी तो इस बात की है कि इतना कुछ घटित होने के बाद भी प्रोटेस्टर्स पीछे हटने को तैयार नजर नहीं आए। वास्तव में ये लोग विद्रोही गुट के स्थानीय कार्यालय के उद्घाटन के लिए एकत्र हुए थे। जो घटना घटित हुई है, इस घटना को संयुक्त राष्ट्र संघ तक ने भी 'परेशान करने वाली घटना' बताया है। आश्चर्यजनक बात है कि एक लड़ाकू विमान ने सागैंग प्रांत के कनबालु टाउनशिप में स्थित पजीगी गांव के बाहर एकत्र हुई भीड़ पर अचानक बम गिराए और फिर हेलीकॉप्टर से फायरिंग कर दी। वास्तव में,आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने और सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के बाद हाल ही में मंगलवार(11 अप्रैल 2023 को) को मध्य सागैंग क्षेत्र के कंबालु शहर में किए गमा यह हवाई हमला अबतक का सबसे घातक हमला करके लोगों को मार गिराया, जिनमें हर उम्र के स्त्री-पुरुष ही नहीं, बच्चे भी शामिल हैं। जानकारी सामने आई है कि ये लोग सैन्य शासन के विरोधियों द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग ले रहे थे। वास्तव में ये लोग विद्रोही गुट के स्थानीय कार्यालय के उद्घाटन के लिए एकत्र हुए थे। जो घटना घटित हुई है, इस घटना को संयुक्त राष्ट्र संघ तक ने भी 'परेशान करने वाली घटना' बताया है। आश्चर्यजनक बात है कि एक लड़ाकू विमान ने सागैंग प्रांत के कनबालु टाउनशिप में स्थित पजीगी गांव के बाहर एकत्र हुई भीड़ पर अचानक बम गिराए और फिर हेलीकॉप्टर से फायरिंग कर दी। वास्तव में,आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने और सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के बाद हाल ही में मंगलवार(11 अप्रैल 2023 को) को मध्य सागैंग क्षेत्र के कंबालु शहर में किए गमा यह हवाई हमला अबतक का सबसे घातक हमला है।घटना के बाद भारत ने म्यांमार के सभी पक्षों से हिंसा को रोकने का आह्वान किया है और भारत की ओर से यह अपील म्यांमार के सैन्य शासन द्वारा देश के सागैंग क्षेत्र में हवाई हमले करने के कुछ दिनों बाद की गई है। दरअसल, भारत ने म्यांमार में शांति, स्थिरता और लोकतंत्र की वापसी के लिए अपने सभी प्रयासों को दोहराया है और शांति व संयम की अपील की है। बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि म्यांमार में 1 फरवरी 2021 को सेना ने तख्तापलट कर दिया था और तख्ता पलट कर सत्ता हासिल की थी। इसके बाद देश में इमरजेंसी लगा दी गई थी और इस दौरान म्यांमार की नेता आंग सान सू की और नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के अन्य नेताओं को भी हिरासत में ले लिया गया था और आंग सान सू के खिलाफ पुलिस ने आरोप तय किए थे।जानकारी देना चाहूंगा कि साल 2020 में म्यांमार में प्रचंड बहुमत से सत्ता में आईं आंग सान सू की सरकार का सेना ने तख्तापलट कर दिया था और उन्हें 2021 में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह तभी से जेल में हैं। तब से वहां हालात काफी खराब हैं। हालांकि, इसके बाद देशभर में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए थे और तब से लेकर अब तक सुरक्षा बलों के हाथों हजारों नागरिकों के मारे जाने का अनुमान है। दरअसल, सैनिक और तानाशाही सरकारें चाहे किसी भी देश में क्यों न हों, वे हमेशा दमन, तानाशाही के ज़ोर पर ही ज़िंदा रहती हैं। वे किसी भी बाहरी विरोध को कभी भी स्वीकार नहीं करतीं हैं। सत्ता में आने के बाद वे अपनी मनमर्जी करती हैं और चलातीं हैं। लोगों के संगठन व जमावाड़ों से उनमें कहीं न कहीं थोड़ा डर या भय पैदा हो जाता है और वे किसी भी संगठन को कुचलने में ही विश्वास करती हैं ताकि उनकी सत्ता पर कोई भी आंच न आने पाए। म्यांमार में भी यही कुछ तो हुआ है।

वैशाख की मासिक शिवरात्रि कल सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी शिव पूजा

जान लें मुहूर्त, पंचक संग भद्रा का साया

वैशाख की मासिक शिवरात्रि? सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी शिव पूजा, जान लें मुहूर्त, पंचक संग भद्रा का साया

वैशाख की मासिक शिवरात्रि कृष्ण पक्ष के चतुर्दशी तिथि को मनाई जाएगी।वैशाख की मासिक शिवरात्रि कृष्ण पक्ष के चतुर्दशी तिथि को मनाई जाएगी।

वैशाख की मासिक शिवरात्रि करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं।

इस साल इसदिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। मासिक शिवरात ।

18 फरवरी को सर्वार्थ सिद्धि योग में वैशाख की मासिक शिवरात्रि है।

इस साल वैशाख की मासिक शिवरात्रि वाले दिन भद्रा का साया है।

वैशाख की मासिक शिवरात्रि कृष्ण पक्ष के चतुर्दशी तिथि को मनाई जाएगी। इस साल वैशाख मासिक शिवरात्रि के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, लेकिन पूरे दिन पंचक है और दोपहर से भद्रा का साया है। भद्रा और पंचक दोनों ही अशुभ हैं, इसमें कोई भी शुभ काम नहीं करते हैं। भद्रा का वास पृथ्वी लोक में है, जिससे इसका प्रभाव ज्यादा होता है। मासिक शिवरात्रि की पूजा निशिता मुहूर्त में होती है, लेकिन दिन में भी आप शिव आराधना कर सकते हैं। वैशाख मासिक शिवरात्रि की तिथि, पूजा मुहूर्त और शुभ योगों के बारे में।

वैशाख मासिक शिवरात्रि 2023 तिथि मुहूर्त

हिंदू कैलेंडर के आधार पर देखा जाए तो इस साल वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 18 अप्रैल दिन मंगलवार को दोपहर 01 बजकर 27 मिनट से शुरू हो रही है। यह तिथि 19 अप्रैल बुधवार को दिन में 11 बजकर 23 मिनट पर खत्म हो रही है। ऐसे में निशिता पूजा का मुहूर्त 18 अप्रैल को प्राप्त हो रहा है, इसलिए मासिक शिवरात्रि 18 अप्रैल को मनाई जाएगी।

मासिक शिवरात्रि पूजा मुहूर्त 2023

वैशाख मासिक शिवरात्रि को निशिता पूजा का शुभ मुहूर्त रात 11 बजकर 58 मिनट से शुरू हो रहा है और देर रात 12 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। मासिक शिवरात्रि की पूजा के लिए कुल 44 मिनट का समय प्राप्त होगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग में वैशाख मासिक शिवरात्रि

18 फरवरी को सर्वार्थ सिद्धि योग में वैशाख की मासिक शिवरात्रि है। इस दिन प्रातःकाल 05 बजकर 53 मिनट से यह योग प्रारंभ होगा और देर रात 01 बजकर 01 मिनट तक रहेगा। मासिक शिवरात्रि के दिन इंद्र योग सुबह से लेकर शाम 06 बजकर 10 मिनट तक है। उसके बाद से वैधृति योग है। उत्तर भाद्रपद नक्षत्र सुबह से देर रात 01:01 बजे तक है।

अक्षय तृतीया से पहले घर से निकालें यह अशुभ चीजें

हिंदू पंचांग के मुताबिक वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया के नाम से जाना जाता है। इस साल अक्षय तृतीया का पर्व 22 अप्रैल सुबह 7:49 से शुरू होकर 23 अप्रैल सुबह 7:45 पर समाप्त होगा। जबकि अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को मनाई जाएगी। अक्षय तृतीया के दिन जगतपति भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि विधान पूर्वक पूजा की जाती है।

धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस दिन लोग सोने-चांदी की खरीदारी भी करते हैं। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए सनातन धर्म के लोग नाना प्रकार के मंत्रों का जप तथा आध्यात्मिक कर्म भी करते हैं, लेकिन ज्योतिष शास्त्र द्वारा बताए गए कुछ सावधानियां बरतने से जगतपति भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं, तो चलिए आज इस रिपोर्ट में जानते हैं आखिर क्या करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

अक्षय तृतीया के दिन सावधानी है जरूरी

इस वर्ष 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा। अक्षय तृतीया के दिन जगतपति भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए नाना प्रकार के मंत्रों का जाप और तमाम आध्यात्मिक कर्म किए जाते हैं।

इस दिन लोग नए वाहन और आभूषण सोना चांदी की खरीदारी करते हैं लेकिन अक्षय तृतीया के दिन कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जैसे घर में टूटे-फूटे चप्पल को बाहर करना चाहिए । झाड़ू को बाहर करना चाहिए। देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियों को बाहर करना चाहिए, ऐसा करने से जगतपति विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा जीवन भर बनी रहती है।

1. अक्षय तृतीया के दिन घर में रखे टूटे झाड़ू को बाहर निकालना चाहिए। ऐसा करने से ना सिर्फ घर में बरकत होती है, बल्कि माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है। क्योंकि झाड़ू मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है।
2. इसके साथ ही घर में रखे टूटे-फूटे चप्पल को बाहर निकालना चाहिए। ऐसा करने से घर से दरिद्रता दूर होती है।
3. इसके अलावा अक्षय तृतीया के दिन घर में रखे टूटे-फूटे बर्तन को भी बाहर निकाल देना चाहिए। टूटे-फूटे बर्तन से घर में नकारात्मकता आती है। इससे परिवार में अशांति फैलती है और माता लक्ष्मी का वास नहीं होता।
4. धार्मिक मान्यता के मुताबिक अक्षय तृतीया के दिन घर की साफ सफाई करने से मां लक्ष्मी आकर्षित होती हैं। इस दिन घरों को साफ सफाई करना चाहिए, कूड़े को कूड़ेदान में रखना चाहिए।
5. अगर आपके घर में पौधे लगे हो और वह सूख रहे हो तो उन्हें जमीन के अंदर करे पौधे में पानी डालें सूखे पौधे घर में वास्तु दोष का कारण बनते हैं।

माता लक्ष्मी इससे नाराज होती है। अक्षय तृतीया के दिन ऐसा करने से जीवन में खुशहाली आती है जीवन में तरक्की होती है। भगवान विष्णु पसंद होते हैं माता लक्ष्मी अपने भक्तों की झोली भारती हैं।

मुश्किलों में डाल देती हैं हाथ की ये रेखाएं

हाथों पर दिखाई देने वाली रेखाओं का सीधा संबंध हमारे भविष्य से होता है। ऐसा ज्योतिष शास्त्र कहता है। कहते हैं कि इंसान के भाग्य-दुर्भाग्य के लिए यही रेखाएं जिम्मेदार होती हैं। ये जीवन-मरण भी बताती हैं और शुभ-अशुभ भी। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, इन रेखाओं का जन्म से पहले ही जाल बुन जाता है। हर व्यक्ति के हाथों में वे सभी रेखाएं होती हैं जो उसकी किस्मत की जिम्मेदार होती है। आपके हाथों का गणित किस ओर करता है इशारा, आइए जानते हैं कानपुर के ज्योतिषाचार्य सुनील शास्त्री से।

शुभ होती है राहु की रेखा

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, ऐसे व्यक्ति जिनके हाथों में राहु की रेखा होती है उनका जीवन सुखी होता है। उनके जीवन में किसी प्रकार की चिंता और रुकावटें नहीं आती हैं। इसको चिंता रेखा, विघ्न रेखा और तनवा रेखा भी कहते हैं। ये मंगल पर्वत के नीचे से शुरू होती है, पर हर किसी के हाथ में नहीं होती है। हाथ के अंगूठे के निचले

हिस्से से शुरू होकर जीवन रेखा की तरफ जाने वाली रेखाएं चिंता रेखा कहलाती हैं। बता दें कि सभी चिंता रेखाएं परेशानी पैदा नहीं करती हैं।

अशुभ मानी जाती हैं आड़ी-तिरछी रेखाएं

ज्योतिषाचार्य की मानें तो ऐसे लोग जिनके हाथ में आड़ी-तिरछी रेखाएं होती हैं और जो दूसरी रेखाओं को काटती हैं इन्हें अशुभ माना जाता है। ये गहरी और मोटी रेखाएं स्वास्थ्य या आत्मविश्वास के लिए अच्छी नहीं होती हैं। कहते हैं कि इन रेखाओं के कारण व्यक्ति को असफलता का सामना करना पड़ता है। इस तरह की रेखाओं के चलते व्यक्ति की जीवन ऐसे ही उलझा रहता है। ऐसे लोग ज्यातादर खुद को स्वस्थ्य महसूस नहीं कर पाते हैं।

शनि पर्वत पर क्रॉस का निशान

ऐसे जातक जिनके हाथ में शनि पर्वत पर क्रॉस का निशान बना होता है उन्हें अशुभ माना जाता है। ऐसे लोगों को जीवन में बदनामी का सामना करना पड़ता है। किसी भी मामले में इन्हें बड़ी सजा हो सकती है। इन लोगों के जीवन का अंत बहुत खराब होता है। इसके इतर यदि शनि पर्वत पर तारे जैसा निशान होना भयानक दुर्घटना, खतरनाक चोट और बीमारियों को दर्शाता है।

विवाह रेखा का कई भाग में बंटना

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, ऐसे जातक जिनके जीवन में विवाह रेखा कई भागों में बंट जाए, तो यह उस व्यक्ति के दुखद वैवाहिक जीवन की ओर इशारा करता है। इस तरह के लोगों का पार्टनर से मतभेद होने से अलगाव हो जाता है। या फिर अलग-अलग शहर में नौकरी होने से दूरियां बढ़ जाती हैं। कई बार तलाक तक की नौबत आ जाती है। कुल मिलाकर देखा जाए, तो विवाह रेखा पर किसी प्रकार का निशान बहुत अशुभ माना जाता है।

अक्षय तृतीया पर पितरों के जप-तप से होगी स्वर्ग की प्राप्ति!

अक्षय तृतीया हिंदू धर्म में काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दौरान हिंदू धर्म में सभी शुभ कार्य होते हैं। अक्षय तृतीया वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीय तिथि को मनाई जाती है। साल 2023 में अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को आ रही है, जिसमें हिंदू धर्म में सभी शुभ कार्य होते हैं। अक्षय तृतीया पर पूजा पाठ करने का विशेष महत्व बताया गया है। हिंदू धर्म में इस दिन लक्ष्मी माता और विष्णु भगवान की पूजा करने का विधान बताया गया है। ऐसा भी कहा जाता है कि अक्षय तृतीया पर कोई भी शुभ कार्य करने या फिर पूजा पाठ करने से उसका फल भी अक्षय ही प्राप्त होता है। यानी यह कहना गलत नहीं होगा कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए कार्य का फल भी अक्षय ही प्राप्त होता है, जो कभी कम नहीं होता। अक्षय तृतीया पर हिंदू धर्म के लोग मंदिरों में जाकर पूजा पाठ करते हैं, वही अक्षय तृतीया पर बिना मुहूर्त के शादी करना या अन्य कार्य जैसे नए मकान का उद्घाटन, जमीन खरीदना, नया रोजगार करना बेहद ही शुभ माना जाता है।

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, अक्षय तृतीया पर पितरों का ध्यान व निमित्त कार्य करने से व्यक्ति को स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

फल की प्राप्ति

हरिद्वार निवासी ज्योतिष आचार्य शक्तिधर शास्त्री बताते हैं कि अक्षय तृतीया पर बृहस्पति ग्रह अस्त हो या फिर उदय इस दौरान पितरों के लिए किया गया दान, पूजा-पाठ, जप आदि करने से व्यक्ति को कई हजार गुना फल की प्राप्ति होती है, जिसका वर्णन कई धार्मिक ग्रंथों और पुराणों में लिखा हुआ है। अक्षय तृतीया विशेष तिथि है जिस पर पितरों के निमित्त कार्य किए जाते हैं। कुछ तिथियां जैसे सोम प्रदोष, पित्र अमावस्या, अक्षय तृतीया आदि तिथियों पर पितरों के निमित्त कार्य करने से देवी देवता बहुत प्रसन्न होते हैं। व्यक्ति को इस दौरान पितरों का जप तप, दान-पुण्य, पूजा-पाठ आदि करने से स्वर्ग में स्थान मिलता है।

अगले जन्म में मिलता है फल

अक्षय तृतीया के महत्व को लेकर शक्तिधर शास्त्री ने बताया कि अक्षय तृतीया वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। अक्षय तृतीया पर किया गया पुण्य कार्य असफल या नष्ट नहीं होता, उसका कई हजार गुना फल पारलौकिक सुखों के साथ मिलता है, इसलिए इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। वह बताते हैं कि अक्षय तृतीया में किए गए पुण्य कार्य का फल व्यक्ति को इस जन्म में भी प्राप्त होता है और अगले जन्म में भी प्राप्त होता है।

ऐसे होगी धन की बरसात

शक्तिधर शास्त्री का कहना है कि अक्षय तृतीया पर मंगल ग्रह पुनर्वसु नक्षत्र में प्रवेश कर जाएगा। वही उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया 22 अप्रैल की सुबह से लेकर 23 अप्रैल की सुबह 07:48 मिनट तक रहेगी। अक्षय तृतीया में किया गया शुभ कार्य हजार गुना फल देगा। अक्षय तृतीया पर लक्ष्मी माता और भगवान विष्णु की पूजा करने से धन की बरसात होगी। वहीं अक्षय तृतीया पर पूजा पाठ करने और भगवान का ध्यान करने से मनचाहा फल मिलता है।

अगर आप भी रखते हैं गाड़ी की डिक्की में ये समान तो हो जाएं सावधान !

हमारे जीवन की सफलता ज्यादातर ग्रह, नक्षत्र और वास्तु के आधार पर टिकी होती है। इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के प्रभाव देखने को मिलते हैं। ऐसे में वास्तु दोष से बचने के लिए हमे आसपास रखी चीजों का बहुत ध्यान रखना चाहिए। घर में लोहे से बनी वस्तुओं का सीधा संबंध शनि ग्रह से होता है। जब भी कभी कोई गाड़ी खरदीता है तो दिन और समय जरूर देखा जाता है। ऐसा बहुत कम लोगों को पता होगी कि गाड़ी का संबंध वास्तु के साथ भी होता है। अगर इनका ध्यान न रखा जाए तो शनि देव रुष्ट हो जाते हैं और अगर शनि नाराज हो जाए तो जीवन में बहुत सी परशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो आइए जानते हैं कार से जुड़े वास्तु टिप्स, जिन्हें फॉलो करके शनि की कुदृष्टि या प्रकोप से बचा जा सकता है।

अगर गाड़ी बार-बार खराब होती है तो इसका मतलब है शनि देव आपसे नाराज हैं क्योंकि अगर शनिदेव रुष्ट हो तो दुर्घटना होने के चांस बढ़ जाते हैं। समय-समय पर गाड़ी की सर्विस करवाते रहें और उसे साफ-सुथरा कर के रखें।

5 वास्तु दोष खाली कर देंगे तिजोरी, धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा धन, आज से ही रखें खास बातों का ध्यान

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में कुछ ऐसे दोष होते हैं, जिनको समय रहते दूर नहीं किया जाता है तो आपकी तिजोरी खाली हो सकती है। धीरे-धीरे आपका धन खत्म होने लगता है। आपको कर्ज लेने की स्थिति आ सकती है या फिर आपकी आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो सकती है कि आपके सामने धन संकट पैदा हो सकता है। धन संकट को रोकने के लिए आपको यह जानना जरूरी है कि वे कौन कौन से वास्तु दोष हैं, जिससे धन संकट पैदा हो सकता है। धन संकट के जिम्मेदार वास्तु दोषों के बारे में।

1. पानी की बर्बादी: यदि आपके घर में रोज पानी की बर्बादी होती है तो आपके लिए चिंता का विषय है क्योंकि इससे आपकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। आपके घर की टंकी, टोटी या अन्य पाइप से हमेशा पानी रिसता रहता है या टपकता रहता है तो उसे तुरंत ठीक करा लें। इस वास्तु दोष से घर में नकारात्मकता पैदा होती है और धन का बहाव घर से बाहर की ओर होता है। पानी को सुख और समृद्धि का प्रतीक मानते हैं।

2. गंदा घर: वास्तुशास्त्र में साफ सफाई का महत्व है। यदि आपके

घर में मकड़ी के जाले लगे हैं, कूड़ा कचरा इकट्ठा रहता है, अनुपयोगी कपड़े और जूते चप्पल हैं, दीवारों में सीलन है, घर के रंग उतर गए हैं तो इससे वास्तु दोष पैदा होता है। नकारात्मकता घर की रौनक खत्म कर देती है। आपके घर में अलक्ष्मी का निवास होता है।

3. मुरझाए फूल और पेड़-पौधे: यदि आपके बगीचे या घर के गमले में पेड़-पौधे और फूल मुरझा गए हैं तो उनको तत्काल हटा दीजिए। हरे भरे पेड़-पौधे ओर खिले फूल समृद्धि के प्रतीक होते हैं। उनको नियमित पानी दें। मुरझाए फूल और पेड़-पौधे आपके सुख समृद्धि को प्रभावित करते हैं। पूजा स्थान से भी बासी फूलों को हटा देना चाहिए।

4. बंद या टूटी-फूटी घड़ी: यदि आपके घर की कोई घड़ी बंद पड़ गई है या टूटी-फूटी है तो उसे तत्काल सही करा लें। बंद या टूटी-फूटी घड़ी आपकी तरक्की में बाधा उत्पन्न करती है। घड़ी को उन्नति और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है।

5. घर में अपने पलंग के नीचे कभी भी झाड़ू, जूते या चप्पल न रखें। इससे धन हानि होती है। इसके अलावा अपने धन स्थान पर भी जूठे बर्तन या जूते-चप्पल भी न रखें।

बॉक्स ऑफिस पर दूसरे दिन ही ढेर हो गई सामंथा की शकुंतलम

सामंथा रुथ प्रभु एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग ना सिर्फ साउथ के दर्शकों के बीच बल्कि पैन इंडिया दर्शकों के बीच भी काफी तगड़ी है. उन्होंने पैन इंडिया लेवल पर अपनी खूब पहचान बनाई है. इन दिनों वो अपनी नई रिलीज हुई फिल्म शकुंतलम को लेकर चर्चा में चल रही हैं.

शकुंतलम 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसमें उनके साथ एक्टर देव मोहन, प्रकाश राज, सचिन खेडेकर और अदिति बालन जैसे सितारे नजर आए हैं. रिलीज से पहले इस फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ था. सामंथा फिल्म के प्रमोशन में भी जुटी हुई नजर आई थीं. हालांकि रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म अपना जलवा नहीं बिखेर पा रही है.

शुकंतलम की दूसरे दिन की कमाई

हिंदी, तमिल और मलयालम भाषा को मिलाकर पहले दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 3 करोड़ के साथ ओपनिंग की थी. हालांकि दूसरे दिन ही ये फिल्म सुस्त हो गई. शनिवार को ये फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है. दूसरे दिन के अनुमानित आंकड़े के हिसाब से फिल्म ने शनिवार को महज 1.50 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया है.

दरअसल, ज्यादातर फिल्मों के साथ ऐसा देखने को मिलता है कि जब कोई भी फिल्म शुक्रवार को रिलीज होती है तो वीकेंड डे की वजह कर शनिवार को उसकी कमाई में इजाफा होता है. हालांकि शकुंतलम के साथ ऐसा होता नहीं दिख रहा है. अगर बात दो दिनों की कुल कलेक्शन की करें तो अब तक ये फिल्म अपने नाम लगभग 4.50 करोड़ रुपये ही कर पाई है. वहीं इस धीमी रफ्तार से फिल्म को अपने बजट के आंकड़े तक भी पहुंचने में मशक्कत करनी पड़ सकती है.

कितना है फिल्म का बजट

अगर बात शकुंतलम के बजट की करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक ये फिल्म लगभग 60 करोड़ रुपये में बनकर तैयार हुई है. बहरहाल, देखना होगा कि आगे इस फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी होती है या नहीं.

जैकलीन फर्नांडीज इन दिनों 200 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपी सुकेश चंद्रशेखर के साथ अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। अब हाल ही में जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर की। इन फोटोज में वह पर्पल आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इन फोटोज को सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

इस फोटो में जैकलीन कैंडिड शॉट देती हुई दिखाई दे रही हैं। इस लुक को उन्होंने सिंपल न्यूड मेकअप के साथ कम्पलीट किया है।

बता दे, पिछले साल ईडी ने सुकेश चंद्रशेखर और अन्य के खिलाफ 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। आरोप के मुताबिक, सुकेश ने तिहाड़ जेल में सजा काटते हुए एक कारोबारी की पत्नी से जबरन वसूली की थी। जैकलीन फर्नांडीज ठग सुकेश चंद्रशेखर के काफी करीब थीं। इस दौरान कॉनमैन सुकेश ने जैकलीन को कई महंगे तोहफे दिए थे।

इनमें ज्वेलरी, क्रॉकरी, 4 पर्शियन बिल्लियां और एक घोड़ा दिया था। इसलिए ED का मानना है, सुकेश के 200 करोड़ रूपए की जबरन वसूली मामले में जैकलीन अहम गवाह हैं। हालांकि इस मामले में जैकलीन को कोर्ट ने बरी कर दिया है।

जैकलीन का वर्कफ्रंट

जैकलीन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्दी ही सोनू सूद के साथ फिल्म 'फतेह' में नजर आएंगी।

फिल्म 'फतेह' एक एक्शन थ्रिलर है, जो पंजाब पर ही आधारित है। इसे सोनू सूद की ही होम प्रोडक्शन शक्ति सागर प्रोडक्शन के बैनर तले तैयार किया जा रहा है। हाल ही में सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडीज फिल्म की शूटिंग के लिए अमृतसर भी पहुंचे थे।

जैकलीन फर्नांडीज ने शेयर की पर्पल ऑउटफिट में ग्लैमरस तस्वीरें

फैंस ने कहा- आप मेरी फेवरेट हो

बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ जाह्नवी कपूर हुईं स्पॉट: फैंस बोले- सो क्यूट!

हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। इसी से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी आया है। इस दौरान जाह्नवी ने वाइट टैंक टॉप के साथ क्रीम कलर का वाइड लेग पैंट सूट पहना। उन्होंने अपने बाल खुले रखे और एक बार फिर नो मेकअप लुक में नजर आईं। जाह्नवी ने एक्सेसरीज के तौर पर एक ब्लैक बैग लिया और छोटे हूप एयररिंग्स पहने। इस दौरान जाह्नवी बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने मुस्कराते हुए पैपराजी को हाथ हिलाकर पोज भी दिए। वहीं उनके बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया एयरपोर्ट पर कूल ब्लू टी-शर्ट और क्रीम पैंट में नजर आए। उन्होंने मैचिंग ब्लू कलर की एक कैप भी लगाई है। शिखर ब्लश करते नजर आए।

फैंस बोले- सो क्यूट!

जाह्नवी और शिखर के इस वीडियो पर सोशल मीडिया पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर लिखा- सो क्यूट!

वॉर 2 के लिए 32 करोड़ फीस लेंगे अयान मुखर्जी

कुछ दिन पहले खबर आई थी कि वॉर 2 का डायरेक्शन करने के लिए यशराज फिल्म्स ने अयान मुखर्जी को अप्रोच किया है। उन्हें सिद्धार्थ आनंद की जगह लिया गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो उन्हें इस फिल्म के लिए तकरीबन 32 करोड़ की मोटी रकम दी जा रही है।इसी बीच खबर ये भी है कि अयान का वॉर 2 में काम करना करण जौहर को रास नहीं आया है। रिपोर्ट्स की मानें तो करण इस बात से काफी नाराज हैं कि अयान ने ब्रह्मास्त्र के सीक्वल को बीच में छोड़कर यशराज फिल्म्स के साथ हाथ मिला लिया।

32 करोड़ लेकर साइन किया कॉन्ट्रैक्ट

रिपोर्ट्स की मानें को अयान ने डायरेक्टर की फीस के तौर पर 32 करोड़ लेकर कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिया है। वो इसी महीने से फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू करने वाले हैं। नवंबर 2023 तक फिल्म की शूटिंग भी स्टार्ट हो जाएगी।

ऋतिक रोशन स्टारर ये फिल्म 2024 के अंत या 2025 के शुरुआत में रिलीज होगी। वॉर के पहले पार्ट को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था, लेकिन उन्हें यशराज फिल्म्स ने अब दूसरी फिल्म की जिम्मेदारी दे दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर चाहते थे कि अयान पहले ब्रह्मास्त्र के सीक्वल पर काम करें और उसके बाद वॉर 2 की मेकिंग स्टार्ट करें। करण इस बात से खासे नाराज है कि अयान ने ब्रह्मास्त्र के सीक्वल को मझधार में छोड़ दिया है। जो कॉन्ट्रैक्ट था उसके हिसाब से अयान को पहले ब्रह्मास्त्र 2 में काम करना था, क्योंकि करण जौहर ने इस प्रोजेक्ट में 100 करोड़ से अधिक का इन्वेस्टमेंट किया है। हालांकि कुछ दिन पहले अयान ने एक स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि वो ब्रह्मास्त्र के सीक्वल को बनाने में ज्यादे समय नहीं लगाएंगे। फिल्म के पहले पार्ट को बनाने में लगभग 10 सालों का समय लग गया था। अयान का कहना है कि अगर वो इतना ज्यादा समय लगाएंगे तो उनकी फिल्म देखने कोई नहीं आएगा।

200 करोड़ के बजट में बनेगी वॉर 2

वॉर का बजट तकरीबन 200 करोड़ बताया जा रहा है। ये यशराज स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है। इससे पहले पठान, वॉर और टाइगर जिंदा है जैसी फिल्में पहले ही इस स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा हो चुकी हैं। 2012 में आई सलमान खान की फिल्म एक था टाइगर इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म थी। आने वाले समय में इस यूनिवर्स में सलमान और शाहरुख की फिल्म पठान वर्सेज टाइगर भी शामिल होगी।

अयान मुखर्जी ने अपने करियर में चुनिंदा ही फिल्में डायरेक्ट की है, और मजे की बात ये है कि वो सभी फिल्में उन्होंने रणबीर कपूर के साथ की है। उनकी पहली फिल्म वेक अप सिड थी। इसके बाद ये जवानी है दीवानी और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्मों में रणबीर कपूर ही मुख्य भूमिका में थे। वॉर 2 उनके करियर की पहली ऐसी फिल्म होगी जिसमें रणबीर कपूर का कोई रोल नहीं होगा।

'फिल्म में कोई मुझे देखने नहीं आ रहा': पलक तिवारी

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। इस बीच हालिया इंटरव्यू में पलक ने बताया कि प्रोजेक्ट साइन करने से पहले ही उन्हें पता था कि बिग स्क्रीन पर उन्हें देखने के लिए कोई नहीं आ रहा है। पलक ने कहा उन्हें हमेशा से अहसास था कि ये सलमान की फिल्म है।

मैं इस फिल्म का हिस्सा होकर बहुत खुश हूं

एक इंटरव्यू में पलक तिवारी से किसी का भाई किसी की जान के ट्रेलर में उनकी गैरमौजूदगी पर सवाल किया गया और पूछा गया कि क्या इससे उन्हें परेशानी हुई?

इस पर पलक ने कहा- 'मैं इस फिल्म का हिस्सा होकर बहुत खुश हूं और मुझे पता था कि मुझे देखने के लिए कोई नहीं आ रहा है। फिल्म में मेरे होने या न होने से कोई फर्क नहीं पड़ता।'

ये सलमान खान की फिल्म है

पलक ने आगे कहा- ये सलमान खान की फिल्म है और ये बात उन्होंने शुरू में बता दी थी। सच यह है कि इस फिल्म में हमारी कास्टिंग इसलिए हुई है क्योंकि हम कैरेक्टर्स में फिट बैठते हैं। मैं इस फिल्म में अपना कॉन्ट्रीब्यूशन देना चाहती थी, बिना यह सोचे कि फिल्म में कैसे अलग दिखूं।

सलमान के ड्रेस रूल वाले बयान पर पलक ने सफाई दी

दरअसल, एक इंटरव्यू के दौरान पलक ने कहा था कि सलमान खान की फिल्मों के सेट पर लड़कियों को डीप नेकलाइन वाली ड्रेस पहनने की परमिशन नहीं होती है। सलमान इसके खिलाफ हैं। पलक के इस बयान के लिए उन्हें खूब ट्रोल किया गया। हालांकि, पलक ने बाद में सफाई देते हुए कहा -'इस बात को लोगों ने तरीके से लिया है। मैं कहना चाहती थी कि मैंने अपने सीनियर्स के सामने कैसे कपड़े पहनने को लेकर कुछ नियम बनाए हैं। इन लोगों को देखते हुए मैं बड़ी हुई हूं, ये मेरे आइडल हैं। सलमान खान भी उनमें से एक हैं।'

इस बयान की वजह से ट्रोलर्स के निशाने पर आईं थी पलक

पलक तिवारी ने इससे पहले एक इंटरव्यू में कहा था - मैं सलमान खान की फिल्म अंतिम में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर थी। मुझे नहीं लगता है कि कई लोगों को ये बात मालूम होगी, लेकिन सलमान सर का एक रूल है कि लड़कियों की मेरे सेट पर डीप नेकलाइन नहीं होनी चाहिए। सभी लड़कियां अच्छी तरह से कवर्ड होनी चाहिए।

पलक ने आगे कहा- 'जब मेरी मां ने मुझे शर्ट-जॉगर पहनकर पूरी तरह से कवर्ड होकर सेट पर जाते देखा तो उन्होंने पूछा कि इतने अच्छे से तैयार होकर कहां जा रही हो? मैंने कहा सलमान सर के सेट पर जा रही हूं। मां ने कहा- वाह गुड गर्ल।'

पलक ने सलमान के इस रूल की वजह बताई थी

पलक वजह बताते हुए कहा था- वो ट्रेडिशनलिस्ट हैं। उनका कहना है कि जो पहनना है वो पहनो, लेकिन उन्हें हमेशा ये लगता है कि उनके साथ काम करने वाली लड़कियां सुरक्षित रहनी चाहिए। अगर आसपास आदमी होते हैं, जिन्हें वो पर्सनली नहीं जानते हैं तो वो वहां पर किसी पर भरोसा नहीं करते हैं।

आप लोग रोना बंद कीजिए : कंगना

अतीक की हत्या के बाद बातों-बातों में कहा- धर्म की स्थापना के लिए अधर्म का नाश करना पड़ता है

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की बीती रात हत्या हो गई। अब इस पर कंगना रनोट ने बातों-बातों में रिएक्शन दिया हैं। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम पर योगी आदित्यनाथ के साथ अपनी तस्वीर शेयर की है। उन्होंने लिखा है कि शास्त्रों के मुताबिक धर्म की स्थापना के लिए कभी-कभी अधर्म का नाश भी करना पड़ता है।

कंगना ने इसके साथ ही योगी की एक और तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि आप लोग रोना बंद कीजिए। जाहिर है कि अतीक के बेटे असद के एनकाउंटर के बाद भी कंगना ने योगी की तारीफ की थी।

कंगना ने बिना नाम लिए बनाया मजाक

कंगना रनोट आए दिन देश के हालात और राजनीतिक मुद्दे पर बोलती नजर आती हैं। उन्होंने माफिया ब्रदर्स की हत्या के बाद एक साथ तीन पोस्ट शेयर किया है। पहले पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'शास्त्र कहते हैं कि धर्म की स्थापना सिर्फ धर्म के पालन से नहीं होती, कभी-कभी धर्म की स्थापना के लिए अधर्म का नाश करना पड़ता है। अयोध्या में तपस्वी राजाओं एक परंपरा है, जिन्होंने भारत का उद्धार किया है।'

कंगना ने इसके साथ ये भी लिखा, 'आप लोग रोना बंद कीजिए।' जाहिर है कि कंगना ने योगी के विरोधियों का बिना नाम लिए मजाक बनाया है।

'योगी जी ने मुझे अपनी बहन बताया था'

कंगना ने अपने दूसरे पोस्ट में लिखा, 'जब मैं पहली बार योगी जी से मिली थी तो उन्होंने कहा था आप मेरी बहन हैं, अगर आपकी सुरक्षा संबंधित कोई समस्या हो तो मुझसे जरूर बताएं। ऐसे महान और सज्जन व्यक्तित्व योगी जी, आपका यश और कीर्ति समस्त विश्व में फैले।' कंगना ने योगी आदित्यनाथ का एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में योगी उन लोगों को चेतावनी देते दिख रहे हैं जो प्रदेश का माहौल खराब करते हैं।'

असद के एनकाउंटर के बाद लिखा- मेरे भाई जैसा कोई नहीं

ऐसा पहली बार नहीं है कि कंगना ने योगी की तारीफ की हो। अभी तीन दिन पहले 13 अप्रैल को अतीक के बेटे असद के एनकाउंटर के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि उनके भाई जैसा इस दुनिया में कोई नहीं है। असद वो शख्स था जिसने दो निर्दोष लोगों की जान ले ली थी। उसके एनकाउंटर की खबर के बाद से ही हर जगह इसकी चर्चा होने लगी। कुछ लोग इसे यूपी सरकार की कामयाबी बता रहे हैं।

कंगना रनोट आए दिन यूपी जाती रहती हैं, इसकी मुख्य वजह ये है कि उन्हें अक्टूबर 2022 में यूपी सरकार द्वारा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट प्रोग्राम का ब्रांड एंबेसडर बनाया था।

ये सरकार का एक अहम स्कीम है जिसका उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को अपनाना और इसे प्रोत्साहित करना है। राज्य के हर जिलों में इसके लिए प्रोग्राम बनाए गए हैं।

कैजुअल लुक्स हो सकते हैं फैशन ट्रेंड

फैशन ट्रेंड को फॉलो करने वालों के लिए यह जानना जरूरी होता है कि नए साल में किन चीजों का बोलबाला रहेगा। खासतौर पर लड़कियां आउटफिट्स के बारे में जानना बेहद पसंद करती हैं। भला फैशन के मामले में अपडेट रहना किसी नहीं पसंद। क्या आपका फेवरेट कैजुअल लुक है? यह लुक कंफर्टेबल के साथ-साथ स्टाइलिश भी लगता है।

कट आउट ड्रेसिस

कट आउट ड्रेसिस देखने में बेहद प्यारी लगती हैं। ऑनलाइन साइट्स पर इस तरह की ड्रेसिस की भरमार है। इस तरह की ड्रेस में कट लगा होता है। इसिलए इसका नाम कट आउट ड्रेस रखा गया है। आपको 400 रूपये में यह ड्रेस मिल जाएगी। यह ड्रेस लॉन्ग और शॉर्ट दोनों लेंथ में

मिलती है। इसलिए आप अपने हिसाब से यह चुन सकती हैं।

लॉन्ग कट आउट ड्रेस के साथ नॉर्मल फुटवियर खूब जंचते हैं। अगर आप शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस वियर कर रही हैं तो इसके साथ हील्स पहनें। आपको कम से कम एक कट आउट ड्रेस जरूर खरीदनी चाहिए। कैजुअल लुक के लिए यह ड्रेस एकदम बेस्ट ऑप्शन है।

रफल आउटफिट

कैजुअल लुक में रफल आउटफिट्स का कलेक्शन जरूर रखें। इसमें आपको टॉप से लेकर ड्रेस तक सब कुछ मिल जाएगा। टॉप में रफल स्लीव्स बेहद पसंद की जाती है। आप इस तरह के टॉप को आसानी से वियर कर सकती हैं। रफल में व्हाइट टॉप खरीदें। व्हाइट टॉप को आप जींस से लेकर स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। रफल साड़ी का क्रेज भी बेहद बढ़ चुका है। बॉलीवुड एक्ट्रेसेस भी कई इवेंट में इस डिजाइन की साड़ी पहने नजर आ चुकी हैं।

डेनिम आउटफिट्स

डेनिम की जैकेट हो शर्ट, इन्हें पहन एकदम क्लासिक लुक मिलता है। आपको अपने वॉर्डरोब में डेनिम का कलेक्शन रखना चाहिए। अगर आप कैजुअल लुक कैरी कपना पसंद करती हैं तो डेनिम ड्रेस के साथ शूज पहनें। साइड स्लिंग बैग और हुप्स इयररिंग्स से अपने लुक को कंप्लीट करें। इसलिए कम से कम एक डेनिम जैकेट आपके पास जरूर होनी चाहिए। डेनिम जैकेट को आप साड़ी से लेकर

शर्ट के साथ पहन सकती हैं। इसे पहन न केवल आप स्टाइलिश लगेंगी बल्कि ठंड से भी बच जाएंगी। डेनिम जैकेट में भी आपको कई डिजाइन के साथ-साथ कलर्स मिल जाएंगे।

एनिमल प्रिंट आउटफिट

एनिमल प्रिंट में खासतौर पर जेबरा और चीता से बने आउटफिट का क्रेज है। यह प्रिंट आपको पैंट, शर्ट और ड्रेस में मिल जाएंगे। कैजुअल लुक के लिए आप एनिमल प्रिंट से बनी शर्ट की शॉपिंग करें। इस प्रिंट की जींस बेहद कूल लगती हैं।

ऑफिस जाने वाले लोगों को हो सकती हैं ये स्किन प्रॉब्लम्स

गर्मी के मौसम में हम सभी घर से बाहर कदम रखने से कतराते हैं। हालांकि, ना चाहते हुए भी हमें बाहर निकलना ही पड़ता है। हर दिन ऑफिस जाना होता है और ऐसे में अपनी स्किन के साथ-साथ सेहत का ख्याल रखना भी उतना ही जरूरी होता है। ऐसा देखने में आता है कि सूरज की तेज रोशनी तो कभी अचानक आने वाली बारिश स्किन को परेशान कर सकती है। ऐसे में आपको स्किन में रूखापन, इरिटेशन, सनबर्न, टैनिंग आदि की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। लंबे समय तक ऐसा होने से स्किन को बहुत अधिक नुकसान पहुंच सकता है।इसलिए, किसी भी स्किन प्रॉब्लम से निपटने से पहले आपको यह अवश्य जानना चाहिए कि आपको कौन-कौन सी समस्याएं अपना निशाना बना सकती हैं।

स्किन इरिटेशन की समस्या

अगर आपका ऑफिस दूर है और आपको लगातार घर से बाहर रहने की जरूरत पड़ती है। तो ऐसे में स्किन में इरिटेशन या रूखेपन की समस्या आपको परेशान कर सकती है। दरअसल, जब आप धूप में रहते हैं तो इससे आपकी स्किन की नमी कहीं खो जाती है। जिसके कारण आपकी स्किन बहुत अधिक रूखी व इरिटेटिड महसूस होती है।

इतना ही नहीं, अगर आप बारिश के संपर्क में आते हैं तो उसके पानी के कारण भी स्किन में इरिटेशन हो सकता है। इसलिए, ऑफिस जाने से पहले अपनी स्किन पर नॉन-ऑयली व

लाइटवेट मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें।

सन टैनिंग की समस्या

ऑफिस गोइंग पर्सन में स्किन सन टैनिंग की समस्या बेहद आम

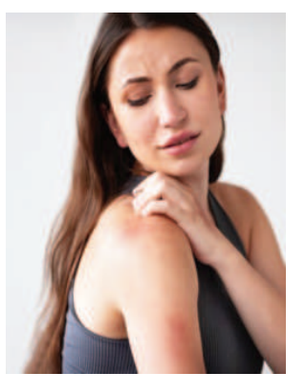

है। यह एक ऐसी स्किन प्रॉब्लम है, जिसका सामना हर मौसम में करना पड़ता है। जब आप घर से ऑफिस जा रही हैं तो ऐसे में आपकी स्किन धूप के संपर्क में आती है और फिर सन टैन होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप घर से बाहर निकलने से पहले अपनी स्किन पर सनस्क्रीन अवश्य लगाएं, जिससे सूरज की धूप के कारण आपकी स्किन डैमेज ना हो। इसके अलावा, खुद को मैक्सिमम कवर करने की कोशिश करें। सन टैनिंग को दूर करने के लिए हर 15 दिन से बॉडी को एक्सफोलिएट भी अवश्य करें।

ऑयली स्किन की समस्या

जब मौसम का तापमान बढ़ता है तो इसके कारण आपको ना केवल अत्यधिक पसीना बल्कि स्किन में ऑयलीनेस की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। खासतौर से, जिनकी स्किन ऑयली होती है, उनकी स्किन में अधिक ऑयल प्रोडक्शन होता है। जिसके कारण ना केवल आपकी स्किन अधिक गंदी व ऑयली नजर आती है, बल्कि ऑयल के कारण आपके पोर्स क्लॉग हो जाते हैं और ब्रेकआउट्स व एक्ने की समस्या भी हो सकती है।

कई बार हम इस गंदगी व ऑयल को दूर करने के लिए ऑफिस में भी अपनी स्किन को वॉश करते हैं। हालांकि, बार-बार स्किन क्लीनिंग के कारण भी सीबम उत्पादन अधिक होता है और आपकी स्किन अधिक ऑयली बनती है। इसलिए, अपनी स्किन को ब्लोटिंग पेपर से साफ करें। सुबह फेस क्लीन करने के बाद स्किन पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें।

हीट रैशेज

अगर आप एक ऑफिस गोइंग पर्सन हैं तो आपको समर सीजन में हीट रैशेज की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, बहुत लंबे समय तक घर से बाहर रहने के कारण आपकी स्किन पर छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं, जिसमें खुजली व चुभन का अहसास होता है।

यह दाने आपकी पूरी स्किन पर हो सकते हैं। इसलिए, अगर आप ऐसी स्किन प्रॉब्लम से बचना चाहती हैं तो अपने कपड़ों पर विशेष रूप से ध्यान दें। कोशिश करें कि आप लाइटवेट, लूज फिटिंग के कॉटन क्लॉथ्स को ही प्राथमिकता दें। इसके अलावा, इस सीजन में एंटी-बैक्टीरियल सोप से खुद को क्लीन करें।

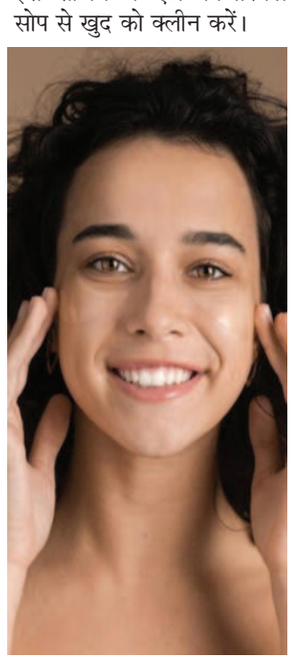

ऐसे बनें सैटअप बॉक्स इंस्टॉलेशन एक्सपर्ट

आज के युग में टैक्नोलॉजी की जितनी बात की जाए कम है। तकनीक के मामले में टैलीविजन ने आज काफी तरक्की कर ली है। जहां पहले एंटीना और केबल से टैलीविजन प्रसारण होता था, आज वह चीज बदल रही है। अब इस डिजिटल युग में टेलीविजन में 'डायरेक्ट टू होम' (डी.टी.एच.) सेवाओं का इस्तेमाल होता है। प्रसारण सीधे सैटेलाइट के जरिए होता है, जिसकी वजह से तकनीक पर निर्भरता बढ़ गई है। इसी के साथ ऐसे लोगों की आवश्यकता महसूस होने लगी है, जो इस तकनीक में प्रशिक्षित हों।

क्या है डिजिटल एड्रेसेबल सिस्टम (डी.ए.एस.)

डी.ए.एस. से सीधे टी.वी. प्रसारण की सुविधा मिलती है। इस व्यवस्था में उपभोक्ता को अपने घर में डिश लगानी होती है। इसमें केबल टी.वी. आप्रेटर की भूमिका खत्म हो जाती है और प्रसारणकर्ता सीधे उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करता है।

डी.ए.एस. नैटवर्क प्रसारण केंद्र, सैटेलाइट, एनकोडर, मल्टीपिल्क्सर, मॉड्यूलेटर और उपभोक्ताओं से मिलकर बनता है। डी.ए.एस. सेवा प्रदाता को सैटेलाइट

से के.यू. बैंड ट्रांसपौंडर को लीज या किराए पर लेना होता है। इसके बाद एनकोडर ऑडियो, वीडियो व डाटा सिग्नल को डिजिटल फॉर्मेट में बदल देता है।

मल्टीप्लेक्सर इन संकेतों को मिश्रित करता है और इसके बाद उपभोक्ता के घर पर लगे सैट टॉप बॉक्स या डिश एंटीना कार्यक्रमों को डी-कोड कर टी.वी. पर प्रसारित करते है।

बाजार में डी. ए. एस. सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए डी. ए. एस. सैट टॉप बॉक्स इंस्टॉल करने के लिए तकनीशियन की जरूरत पड़ती है। इन तकनीशियनों का कार्य ग्राहकों के सैट टॉप बॉक्स करना और यदि किसी सैट टॉप बॉक्स में तकनीकी खामी आती है तो उसे दुरुस्त करना होता है।

कहां से ले सकते हैं प्रशिक्षण

बॉक्स डी.ए.एस. बॉक्स की बढ़ती मांग को देखते हुए यदि इंस्टॉलेशन एंड सर्विस तकनीशियन के क्षेत्र में अपना बेहतर करियर बनाना चाहते हैं, तो आप यह ट्रेनिंग इलैक्ट्रॉनिक्स सैक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया के तहत पंजीकृत ट्रेनिंग पार्टनर के माध्यम से ले सकते हैं।

यह काऊंसिल कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अधीन कार्यरत है और ट्रेनिंग लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणित सर्टीफिकेट भी प्रदान करता है।

विद्यार्थी निम्न योग्यताएं प्राप्त कर सकता है

*बॉक्स को इंस्टॉल और एक्टिव करने की जानकारी प्राप्त हो जाती है।

*ग्राहक के व्यवहार और आवश्यकताओं को समझना आ जाता है।

* डी.ए.एस. बॉक्स में आए फॉल्ट का समाधान करना और उनकी मुरम्मत करना आ जाता है।

* बेहतर ढंग से ग्राहकों से ब्लॉक डायग्राम, और हार्डवेयर की बुनियादा जानकारी प्राप्त होती है।

* टी.वी. प्रसारण और टा. वा. मानकों को समझ आ जाती है।

कौशल प्रशिक्षण की आवश्यक शर्तें

कोर्सअनुसार न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 8वीं पास होनी चाहिए। जबकि अधिकतम शैक्षिक योग्यता इलैक्ट्रानिक्स में आई.टी.आई. जरूरी है। प्रवेश की न्यूनतम आयु 18 साल तय है। यह कोर्स 200 घंटे का है। इन 200 घंटों में युवाओं को सैट टॉप बॉक्स से जुड़ी जानकारी और अन्य तकनीकी पहलुओं से रू-ब-रू कराया जाता है।

कहां मिल सकता है अवसर

* अवसर को दो रूप में देखा जा सकता है। एक नौकरी के रूप में और दूसरा स्वरोजगार से जुड़ा है। प्रशिक्षण हासिल कर आप डी.ए.एस. बॉक्स इंस्टॉलर और सर्विस तकनीशियन बन सकते हैं। या किसी सैट टॉप बॉक्स बनाने वाले कम्पनी से जुड़ सकते हैं। वहां प्रशिक्षण और डिग्री के अनुसार आपको काम मिल जाता है। तकनीशियन के तौर पर करियर की शुरूआत करके जूनियर इंजीनियर, रिसर्चर आदि के क्षेत्र में भी पदोन्नति हो सकती है।

जोनल और रीजनल सर्विस हैड भी बन सकते हैं। यदि मैनेजमैंट और बिजनैस की तरफ आपका रुझान है तो यह भी इस क्षेत्र में संभव है।

* यदि आप स्वरोजगार शुरू करना चाहते हैं तो इस क्षेत्र में युवा देश के किसी भी कोने में बिजनैस शुरू कर सकते है। इसमें बिजनैस प्रोवाइडर के साथ तकनीशियन की सर्विस भी दे सकते हैं।

सैट टॉप बॉक्स का प्रचलन विदेशों में भी है। वहां पर भी इसके हुनरमंदों की आवश्यकता होती है और इलैक्ट्रॉनिक्स सैक्टर स्किल्स काऊंसिल द्वारा प्रमाणित इस कोर्स के सर्टीफिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता मिलती है, जिसके कारण विदेशों में भी रोजगार के अवसर खुलते हैं।

सरकारी नौकरी

बिहार राजस्व और भूमि सुधार विभाग में 10,101 पदों पर निकली भर्ती, 12 मई है आवेदन की आखिरी तारीख

बिहार राजस्व और भूमि सुधार विभाग ने अमीन, विशेष सर्वेक्षण असिस्टेंट बंदोबस्त अधिकारी और कानूनगो के पदों के लिए वैकेंसी निकाली है। योग्य उम्मीदवार जो भी इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे BCECEB की ऑफिशियल वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

पदों की संख्या : 10,101

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

विशेष सर्वेक्षण असिस्टेंट बंदोबस्त अधिकारी

AICTE से मान्यता प्राप्त और संबंधित राज्यों के SBTE रजिस्टर्ड संस्थानों से सिविल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट और सरकारी/रजिस्टर्ड गैर-सरकारी संगठनों में कम से कम 2 साल का अनुभव।

विशेष सर्वेक्षण कानूनगो

संबंधित राज्यों के AICTE द्वारा अनुमोदित और SBTE रजिस्टर्ड संस्थानों से सिविल इंजीनियरिंग में तीन साल का डिप्लोमा और सरकारी/रजिस्टर्ड गैर-सरकारी संगठनों में न्यूनतम 2 (दो) साल का कार्य अनुभव।

विशेष सर्वेक्षण अमीन

AICTE द्वारा अनुमोदित और संबंधित राज्यों के SBTE रजिस्टर्ड संस्थानों से सिविल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा।

विशेष सर्वेक्षण क्लर्क

किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों / संस्थानों से ग्रेजुएशन की डिग्री।

एज लिमिट – 21-31 वर्ष

सैलरी : विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त अधिकारी – 59000 रुपये + अन्य भत्ता

मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में फैकल्टी के 88 पदों पर निकली भर्ती, 29 अप्रैल तक करें अप्लाई

दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज ने फैकल्टी के पदों पर भर्ती के लिए उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। उम्मीदवार डीयू के कॉलेजों की ऑफिशियल वेबसाइट colrec.uod.ac.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इन पदों डीयू के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख रोजगार समाचार में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से दो सप्ताह के अंदर यानी 29 अप्रैल तक है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

उम्मीदवारों के पास किसी भी मान्यता विश्वविद्यालय से संबंधित/प्रासंगिक/संबद्ध विषय में 55 प्रतिशत अंकों के साथ मास्टर डिग्री या मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय से समकक्ष डिग्री होनी चाहिए। इसके अलावा UGC या CSIR द्वारा आयोजित नेट पास होना जरूरी है।

एप्लीकेशन फीस : यूआर/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपये

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पीडब्ल्यूबीडी : कोई फीस नहीं ली जाएगी।

सैलरी : उम्मीदवारों के इन पदों पर चयन होने पर 7वें वेतन आयोग पे लेवल 10 के तहत 57700 रुपये सैलरी के तौर पर दिया जाएगा।

टीएनपीएससी ने असिस्टेंट जेलर के पदों पर निकाली भर्ती, महिला उम्मीदवार भी कर सकती हैं आवेदन

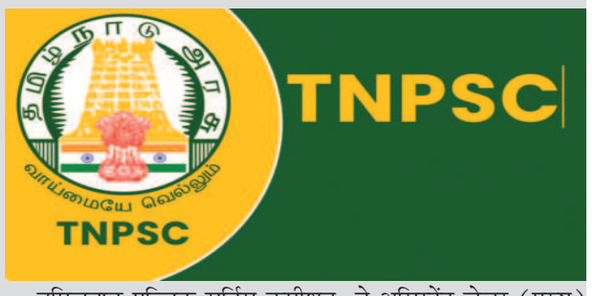

तमिलनाडु पब्लिक सर्विस कमीशन ने असिस्टेंट जेलर (पुरुष) और असिस्टेंट जेलर (महिला) के पदों पर वैकेंसी निकाली है। उम्मीदवार इस पद के लिए ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें ऑफिशियल वेबसाइट tnpsc.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इन पदों पर अप्लाई करने की आखिरी तारीख 11 मई है।

इस भर्ती अभियान के जरिए कुल मिलाकर 59 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इसमें से 54 पदों पर पुरुषों की नियुक्ति होगी। जबकि 5 पर महिलाओं को भर्ती किया जाएगा।

सिलेक्शन प्रोसेस : उम्मीदवारों की नियुक्ति लिखित परीक्षा के आधार पर की जाएगी। कमीशन 1 जुलाई को दो पेपरों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करेगा।

एज लिमिट : उम्मीदवारों की उम्र 18 से 32 साल के बीच होनी चाहिए। एससी, एसटी, एमबीसी, बीसी और बीसीएम कैटेगरी के उम्मीदवारों की उम्र 60 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

ऐसे करें आवेदन : टीएनपीएससी असिस्टेंट जेलर के पद पर नियुक्ति से पहले युवाओं को ऑफिशियल वेबसाइट पर अपनी निजी डिटेल्स के जरिए वन टाइम ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के दौरान 150 रुपये फीस जमा करें। इसके बाद उम्मीदवार एप्लिकेशन फॉर्म फिल कर पाएंगे।

सक्सेसफुल बिजनेस मैन बनने के लिए ये जरूरी स्किल्स

क्या आप जानना चाहते हैं वो कौन सी स्किल्स हैं जिनके बल पर आप भी एक सफल उद्यमी, बिजनेसपर्सन या आंत्रप्रेन्योर बन सकते हैं?

*** लोगों से प्रॉपर डील करना**

सभी व्यापार अंततः लोगों से संबंधित होते हैं, और लोगों द्वारा लोगों के लिए किए जाते हैं। किसी आंत्रप्रेन्योर की लाइफ में लोग उसके कस्टमर और कर्मचारियों/सहयोगियों के रूप में आते हैं। मेरे अनुसार किसी भी बिजनेस के जबरदस्त सफल होने के लिए मेन स्किल है लोगों से प्रॉपर तरीके से डील करना। एक आंत्रप्रेन्योर को सभी को खुश रखना होता है। बड़े स्तर पर इसमें ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजमेंट, मीडिया मैनेजमेंट को शामिल किया जा सकता है। एक आंत्रप्रेन्योर को अपने जीवन में कई ऐसे डिसीजन लेने पड़ सकते हैं, जो कुछ को अच्छे न लगें, और इसी प्रकार की स्थितियों को मैनेज करने की स्किल बिजनेस के लिए जरूरी है। विश्व के लगभग सभी सफल उद्यमियों में यह स्किल पाई जाती है। इसके मूल में होती है लोगो की भलाई के लिए सोच, अच्छी कम्युनिकेशन और इंटर-पर्सनल स्किल्स और पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज। यदि आपके पास यह स्किल्स हैं तो निश्चित ही आप के पास एक तगड़ा नेटवर्क बनने लगेगा और अपने व्यापार को तेजी से फैला पाएंगे।

*** लोगों की लाइफ को बेहतर बनाने का उत्साह**

लम्बे समय में, वही व्यापारी बहुत अधिक सफल हो सकता है, जो यह सोचता है कि मेरे प्रोडक्ट्स लोगों के जीवन को किस तरह बेहतर बनाएंगे। लोगों की बेहतरी को सोच कर डिजाइन किए गए प्रोडक्ट्स हमेशा मार्केट में सफल होते हैं। हालांकि, यह इतना आसान काम नहीं है। इसके लिए सतत फीडबैक के आधार पर प्रोडक्ट्स में डेवलपमेंट/बदलाव करते रहना पड़ते हैं, कई बार तो यह प्रक्रिया कई सालों या हमेशा चलती रहने वाली भी होती है।

*** लॉजिकल, क्रिएटिव थिंकिंग और क्विक लर्निंग**

किसी भी उभरते मुद्दे पर लॉजिकली सोच कर निर्णय लेना एक आंत्रप्रेन्योर के लिए सांस लेने के समान है अर्थात उसे यह हर पल करना होता है। इससे व्यवसाय की समस्याओं को हल करने और व्यवसाय के विकास के लिए रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसमें सूचनाओं को एकत्र करना, तर्कों का मूल्यांकन, काम में विसंगतियों को खोजना सभी शामिल है। अक्सर उद्यमियों को चुनौतीपूर्ण और अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, इसमें किसी वेंचर कैपिटलिस्ट का आगे की फंडिंग से इंकार से लेकर टीम के किसी सदस्य का प्रोजेक्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार काम करने से इनकार तक, कुछ भी हो सकता है।

*** योजना का क्रियान्वयन करना**

अमेरिकी मार्केटिंग स्पेशलिस्ट, लेखक और सिलिकॉन वैली वेंचर कैपिटलिस्ट गाये कावासाकी के अनुसार 'योजनाएं बनाना आसान है, क्रियान्वन कठिन।'बनाए गए प्लान्स को एग्जिक्यूट करने के लिए आपको चाहिए दिमाग से सोचने वाली, कार्य करने की इच्छा रखने वाली उत्साही वर्कफोर्स। इसके बाद बारी आती है को-ऑर्डिनेशन की, अर्थात किसी बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न टीम्स को मिला कर किस प्रकार काम करना है। मैनेजमेंट थिंकर्स अब इसके लिए 'डिपेंडेंसी' से होते हुए 'इंडेपेंडेन्सी' का सफर तय करते हुए 'इंटर-डिपेंडेंसी' पर पहुंचे हैं।

*** फाइनेंशियल मैनेजमेंट**

किसी भी व्यवसाय का अंतिम लक्ष्य धन कमाना होता है। इसके लिए फायनेंशियल स्किल्स जरूरी हैं। इसमें बजट बनाना, फायनेंस का ट्रैक रखना, निवेश किए धन की वापसी कि समय पर निगरानी रखना, जरूरत पड़ने पर फंडिंग की व्यवस्था करना, कैलकुलेटेड रिस्क लेना इत्यादि शामिल है। वेंचर केपिटल, मर्जर्स और एक्विजिशन पर लिखने वाले रिचर्ड हेरोक के अनुसार लगभग हमेशा ही पूंजी जुटाना जितना आपने सोचा हो उससे कठिन होता है, और हमेशा इसमें समय लगता है। इसलिए इस बारे में योजना बनाएं।

भारत और अमेरिका मजबूत

शांतिपूर्ण वैश्विक समुदाय की नींव रख रहे- निर्मला सीतारामन

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा है कि भारत और अमेरिका मजबूत, शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण वैश्विक समुदाय की नींव रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, जब हम विविधता का जश्न मनाते हैं, समावेशिता का जश्न मनाते हैं, तो यह भी अहम है कि ऐसा करते समय हम ढेर सारे सकारात्मक विचार साझा करें।

निर्मला सीतारामन ने दिया एकजुटता का उदाहरण

उन्होंने कहा कि आज जब हम एकजुटता का जश्न मनाते हैं, तो यही भावना भारत और अमेरिका के संबंधों को नियंत्रित करती है-दो लोकतांत्रिक देशों का सकारात्मक सोच वाला ऐसा रिश्ता, जिसकी अपनी अलग चुनौतियां और अंदरूनी समस्याएं हैं, लेकिन हम उन्हें अपने पर हावी नहीं होने देते। सीतारामन ने देश की विविधता का जश्न मनाने के लिए यहां भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित एक समारोह में भारतीय-अमेरिकियों से कहा, रहम साथ हैं और एक मजबूत, शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण वैश्विक समुदाय के लिए ठोस नींव रख रहे हैं। मुझे लगता है कि इसलिए अमेरिका में भारतीय समुदाय, भारतीय मूल के लोगों का योगदान अहम है। उन्होंने भारतीय-अमेरिकियों से कहा कि आपने खुद को समेकित किया या आप अपने मूल स्थान को प्यार से याद करते हैं, लेकिन आप आज अमेरिका का हिस्सा हैं और एक बहुत ही गतिशील और मजबूत अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

वित्त मंत्री ने भारत की डिजिटल उपलब्धियों की बात की

वित्त मंत्री ने कहा, भारत में भी बिल्कुल ऐसा ही है। वहां विभिन्न धर्मों, विभिन्न समुदायों और विभिन्न भाषाओं के लोगों के बीच मतभेद हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की डिजिटल उपलब्धियों की बात की जाए, तो भारत की अलग-अलग भाषाओं में डिजिटल प्लेटफार्म होना उपलब्धि है। मंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि कई ऐसी बोलियां भी हैं, जो बोली जा सकती है, लेकिन लिखी नहीं जा सकतीं, क्योंकि उनकी लिपि नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे अधिकतर (डिजिटल) प्लेटफॉर्म अब क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। मंत्री ने कहा कि ये सफलता के माध्यम हैं। सीतारामन ने कहा कि इसलिए विविधता संबंधी हर मामले को आधुनिक भारत के निर्माण के लिए एक लाभ के रूप में बदल दिया गया है।

उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध और मजबूत हों।

रॉकेट बना सोने का भाव, लेकिन अक्षय तृतीया से पहले कम होने लगे दाम; अगले सप्ताह क्या होगा रेट

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा सोना पिछले एक हफ्ते से काफी उतार-चढ़ाव के साथ ट्रेड कर रहा है। डॉलर इंडेक्स के अपने एक साल के निचले स्तर 100.80 के स्तर से वापस आने के कारण शुक्रवार को सोने की कीमत में कमी आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर जून 2023 के लिए सोने का वायदा अनुबंध 890 प्रति 10 ग्राम संशोधित हुआ और 60,348 के स्तर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पीली धातु की कीमत 1,992.59 डॉलर प्रति औंस के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद 2,003 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई। यूएस फेड के अधिकारियों की आक्रामक टिप्पणियों के बाद अमेरिकी डॉलर की दर में सुधार हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 2,000 डॉलर के स्तर से ऊपर बंद होना एक अच्छा संकेत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में और गिरावट से सोना और दबाव में आ जाएगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 1,980 डॉलर और 1,945 डॉलर के स्तर पर कुशन मिलने की उम्मीद है, जबकि एमसीएक्स पर सोने को 59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और फिर 58,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कुशन मिलने की संभावना है।सोने की कीमतों के ऐतिहासिक

ऊंचाई से वापसी के कारण पर बुलियन बाजार के एक्सपर्ट चंदन रमानी कहते हैं कि सप्ताह के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतें 61371 रुपये प्रति 10 ग्राम और लगभग 2050 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। सप्ताह के अंत में डॉलर इंडेक्स में पलटाव ने सोने की चमक को कुछ हद तक कम कर दिया, जिससे यह सप्ताह के लिए मामूली नकारात्मक क्षेत्र में चला गया।मार्च में अमेरिकी उपभोक्ता कीमतों में 5% की वृद्धि के कारण सोने की कीमतों में शुरुआत में बढ़ोतरी हुई, जो 2 साल में सबसे निचला स्तर था। यहां तक कि कोर की कीमतें लगातार अधिक रहीं। इसके अलावा, अमेरिकी उत्पादक मूल्य सूचकांक फरवरी में 4.9% की तुलना में घटकर 2.7% हो गया। यह दर्शाता है कि मूल्य दबाव ऊंचे बने हुए हैं, लेकिन अब वे अब चार दशक के उच्च स्तर से नीचे आ रहे हैं। उम्मीद हैं कि यूएस फेड अंततः अपने दर वृद्धि चक्र को समाप्त कर देगा, जिससे डॉलर इंडेक्स में गिरावट आ रही है और सोने की अपील बढ़ रही है।

किस और जाएगा सोने का भाव

निकट अवधि में सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव की उम्मीद करते हुए चंदन कहते हैं कि सोने की रैली में अब कमी आने के कुछ संकेत है। डॉलर इंडेक्स में कोई और गिरावट सोने की कीमतों के लिए नकारात्मक होगी, वहां राहत मिलने के आसार हैं। सोने का रेट आने वाले समय में 59,700 प्रति 10 ग्राम और फिर 58,500 प्रति 10 ग्राम मार्क तक गिर सकता है। घरेलू बाजारों से संकेत मिलता है कि 61,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर का ब्रेक कीमती धातु के लिए अच्छा होगा और आने वाले दिनों में इसे 62,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक ले जा सकता है।

आज क्या है सोने की कीमत

गुड रिटर्न्स द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, रविवार को सोने की कीमत 22 कैरेट सोने के 1 ग्राम की कीमत कल के 5,665 रुपये से घटकर 5,595 रुपये रह गई। रविवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 700 रुपये घटकर 55,950 रुपये हो गई। रविवार को 24 कैरेट सोने की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली। 24 कैरेट सोने के एक ग्राम की कीमत 6,104 रुपये है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान को मिल रहा बढ़ावा

स्टार्टअप्स की दुनिया में महिलाएं भर रही हुंकार

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। एक महिला-केंद्रित प्लेटफॉर्म है, जो महिला बेस्ड स्टार्टअप को फंडिंग दिलाने में मदद करता है। इसके लिए यह ऑर्गेनाइजेशन समय-समय पर फंडरेजिंग सेशन आयोजित करता रहता है। हाल ही में एक पिचफेस्ट 2023 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। आज के समय में महिला उद्यमी पूरे भारत में अपना कारोबार बढ़ा रही हैं। उनके इस कार्य को बढ़ावा देने के लिए एक इवेंट में विभिन्न पिचिंग सत्र आयोजित किए गए। आइडिया स्टेज, प्री रेवेन्यू स्टेज और अर्ली ग्रोथ स्टेज स्टार्टअप्स के लिए और प्रत्येक में एक विजेता की घोषणा की गई। इस सेशन के विजेताओं को नकद पुरस्कार और अतिरिक्त अवसरों से सम्मानित किया गया। यह संस्था उन महिलाओं को मेंटरशिप, एक उद्यमी के लिए जरूरी मौके, अतिरिक्त निवेश अवसर सहित आगे की तैयारी के लिए फंड का भी प्रबंध कराता है। इस कार्यक्रम में 'नेविगेटिंग चैलेंजेज एंड ब्रेकिंग' शीर्षक से एक शोध अध्ययन का विमोचन भी हुआ। कदम की कोशिश है कि देश के हर कोने से आई उन महिलाओं को मौका दिया जाए, जो बिजनेस करना चाहती हैं। यह स्किल और ज्ञान उनके बिजनेस को सफल बनाने के लिए बेहद जरूरी है।

इस पहल से न केवल उनको लाभ होगा, बल्कि अपने संबंधित के समकक्ष आर्थिक विकास में भी योगदान देंगे। अध्ययन के शुभारंभ पर टिप्पणी करते हुए टेक्सास विश्वविद्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि भौगोलिक स्थिति, कानूनी संरचना, संस्थापक की आयु और क्या संस्थापक पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं? जैसे कई सवालों के जवाब हमारे हाल को पब्लिश की गई स्टडी में मौजूद हैं। साझेदारी पर बात करते हुए फिक्की फ्लो के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधा शिवकुमार ने कहा कि फिक्की फ्लो महिला उद्यमियों और पेशेवरों को सशक्त बनाने के लिए 40 वर्षों से काम कर रहा है।

एफपीआई को भाया भारतीय शेयर बाजार

अप्रैल में अब तक शेयरों में डाले 8767 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 8,767 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे थे। फेडरल रिजर्व की बैठक के ब्योरे से संकेत मिलता है कि अमेरिकी वित्तीय प्रणाली की स्थिरता में भरोसा करते हुए आगामी मौद्रिक समीक्षा बैठक में ब्याज दर में 0. 25 फीसदी की वृद्धि की जा सकती है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से मिली जानकारी

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने तीन से 13 अप्रैल के दौरान भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 8,767 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 7936 करोड़ रुपये डाले थे। इस राशि में ज्यादातर हिस्सा अडाणी समूह की कंपनियों में अमेरिका के जीक्यूजी पार्टनर्स से आया था। यदि अडाणी समूह की कंपनियों में आए निवेश को निकाल दिया जाए, तो पिछले महीने में शुद्ध प्रवाह नकारात्मक बैठेगा।

एफपीआई ने 2022-23 में भारतीय शेयर बाजारों से 37,631 करोड़ रुपये निकाले

एफपीआई ने इससे पहले 2022-23 में भारतीय शेयर बाजारों से 37,631 करोड़ रुपये निकाले थे। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा आक्रामक तरीके से दरें बढ़ाने के बीच एफपीआई बिकवाल रहे थे। 2021-22 में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 1। 4 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड निकासी की थी। वहीं 2020-21 में एफपीआई ने शेयरों में 2। 7 लाख करोड़ रुपये और 2019-20 में 6,152 करोड़ रुपये डाले थे। अप्रैल में अब तक एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,085 करोड़ रुपये निकाले हैं।

क्या कहते हैं वित्तीय जानकार

कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति को देखते हुए आगे चलकर एफपीआई प्रवाह में उतार-चढ़ाव जारी रहने के आसार हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अप्रैल में अभी तक उभरते बाजारों में एफपीआई के लिए भारत सबसे आकर्षक गंतव्य रहा है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका और यूरोप में बैंकिंग संकट को लेकर चिंता कम होने के बीच वैश्विक परिदृश्य स्थिर हुआ है। इस वजह से भारत में एफपीआई का प्रवाह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत में शेयरों का मूल्य अब उचित स्तर पर आ गया है, जिसकी वजह से एफपीआई यहां पैसा लगा रहे हैं।

चीन को पछाड़कर अमेरिका बना भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, कितना बढ़ा निर्यात

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत का अमेरिका से व्यापार पिछले वित्त वर्ष यानी 2022-23 में सबसे ज्यादा हुई है, जिस कारण अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है। दोनों देशों के बीच इस दौरान 128. 55 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। यह बताता है कि दोनों देशों में आर्थिक संबंध और मजबूत हुए हैं। वहीं इस मामले में चीन दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। कॉमर्स मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 7. 65 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 128. 55 अरब डॉलर का हो गया। इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2020-21 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 119. 5 अरब डॉलर हुआ था। वहीं 2020-21 में यह सिर्फ 80. 51 अरब डॉलर पर था।

अमेरिका से इतना बढ़ा निर्यात

आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से अमेरिका में निर्यात 2.81 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 78. 31 अरब डॉलर हो गया, जो 2021-22 में 76. 18 अरब डॉलर था। भारत में अमेरिका से आयात इस दौरान 16 फीसदी बढ़ा है और अब ये 50. 24 अरब डॉलर हो चुका है।

चीन से व्यापार में आई गिरावट

वित्त वर्ष 2022-23 में भारत-चीन में व्यापार 1.5 फीसदी गिरावट के साथ 113. 83 अरब डॉलर का रह गया, इससे पिछले साल 115. 42 अरब डॉलर था। भारत से चीन के लिए 2022-23 में निर्यात 28 फीसदी गिरावट के साथ 15. 32 अरब डॉलर रह गया, जबकि आयात 4.16 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 98. 51 अरब डॉलर था।

चीन के साथ कितना व्यापार घाटा

भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 2022-23 में बढ़कर 83. 2 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले साल 72. 91 अरब डॉलर था। एक्सपर्ट की माने तो अमेरिका से व्यापार बढ़ने का चलन आने वाले सालों में भी जारी रहेगा। इसके साथ ही भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

महंगाई के आंकड़ों, तिमाही नतीजों, ग्लोबल रुख से तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर के आंकड़ों, वैश्विक रुख और विदेशी कोषों की गतिविधियों से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा निवेशकों की निगाह कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख पर भी रहेगी। मार्च के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर के आंकड़े सोमवार को जारी किए जाएंगे। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े कर्जदाता एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को मार्च में समाप्त तिमाही के नतीजे घोषित किए।

क्या बिना फॉर्म-16 के फाइल किया जा सकता है इनकम टैक्स रिटर्न? जानिए क्या है नियम

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में अब इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने का समय वापस आ गया है। भारत में आईटीआर दाखिल करने के लिए अक्सर सैलरीड क्लास लोग फॉर्म 16 का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कई मामलों में लोग बिना फॉर्म 16 के भी इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। फॉर्म 16 एक ऐसा दस्तावेज है जिसके जरिए कर्मचारी के पूरे टैक्सेबल इनकम का लेखा जोखा प्राप्त किया जा सकता है। कई बार देखा गया कि कुछ कर्मचारियों की सैलरी टैक्सेबल इनकम में नहीं आती है। ऐसे में कंपनी उनके लिए फॉर्म 16 नहीं जारी करती है। ऐसे में आप बिना फॉर्म 16 के भी आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। फॉर्म 16 इनकम टैक्स जमा करने के लिए एक महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट है। इस दस्तावेज में व्यक्ति की पूरी इनकम का लेखा जोखा होता है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्ति ने कुल कितने पैसे खर्च किए है। कितनी टैक्स कटौती की है और फाइनेंशियल ईयर में टीडीएस की जानकारी भी मिलती है। इसमें आपके निवेश आदि की जानकारी भी दर्ज होती है। अगर आपके पास फॉर्म 16 नहीं तो फॉर्म 26एएस के जरिए आप अपने टीडीएस और टीसीएस के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस फॉर्म में व्यक्ति के एडवांस टैक्स और उच्च मूल्य के लेनदेन की जानकारी मिलती है। इसके अलावा आपको सैलरी स्लिप,एचआरए स्लीप, इनकम टैक्स की धारा 80 सी और 80 डी के तहत निवेश का प्रूफ आदि भी होना आवश्यक है। इसके साथ ही अपने होम लोन आदि के प्रूफ को भी आपको जमा करना होगा। इसके बाद आप आसानी से बिना फॉर्म 16 के भी इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

बीते वित्त वर्ष में बिजली की खपत में बड़ा इजाफा

9. 5 फीसदी बढ़कर 1503. 65 अरब यूनिट हुई

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में बिजली की खपत बीते वित्त वर्ष 2022-23 में सालाना आधार पर 9.5 फीसदी बढ़कर 1,503. 65 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। इसका मुख्य कारण आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के बीच बिजली की मांग बढ़ना है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में बिजली की खपत 1,374.02 अरब यूनिट थी।

सीईए की ओर से जारी आंकड़ों में मिली जानकारी

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा जारी बिजली आपूर्ति के आंकड़ों के मुताबिक, एक दिन में

अधिकतम बिजली की आपूर्ति पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 207. 23 गीगावॉट हो गई, जो 2021-22 में 200. 53 गीगावॉट थी। विशेषज्ञों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में बिजली की खपत और मांग में काफी सुधार देखने को मिलेगा। बिजली मंत्रालय ने इन गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 229 गीगावॉट तक पहुंचने का अनुमान लगाया है। मंत्रालय आयातित कोयला आधारित संयंत्रों को पूरी क्षमता से चलाने का पहले ही निर्देश दे चुका है। इसके अलावा मंत्रालय ने घरेलू कोयला आधारित संयंत्रों से गर्मियों में बिजली की भारी मांग को पूरा करने के लिए मिश्रण के लिए कोयला आयात करने को कहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिजली की खपत में बढ़ोतरी से स्पष्ट पता चलता है कि देश में आर्थिक गतिविधियां सुधर रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि मार्च में देश में बारिश नहीं होती, तो बीते वित्त वर्ष में बिजली खपत में वृद्धि दो अंक में होती। देश में बारिश की वजह से मार्च में बिजली की मांग प्रभावित हुई है। मार्च, 2023 में बिजली की खपत एक साल पहले की समान अवधि के 128. 47 अरब यूनिट से घटकर 126.21 अरब यूनिट रह गई।

अप्रैल 2022 से फरवरी 2023 तक के आंकड़े जानें

अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 तक बिजली की खपत 2021-22 के स्तर को पार कर गई थी। अप्रैल, 2022 से फरवरी, 2023 तक बिजली की खपत 1,377. 43 अरब यूनिट रही, जो पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में दर्ज 1,374. 02 अरब यूनिट से अधिक है। विश्लेषकों का मानना है कि 2023-24 में बिजली खपत में वृद्धि दो अंक यानी 10 फीसदी से अधिक रह सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष--	05-54 बजे
चंद्र-	कुंभ में	वृष--	07-39 बजे
मंगल	मिथुन में	मिथुन..	09-40 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	11-52 बजे
गुरु-	मीन में	सिंह...	14-04 बजे
शुक्र-	वृष में	कन्या..	16-11 बजे
शनि-	मेष में	तुला...	18-16 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	20-26 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	22-39 बजे
		मकर..	00-46 बजे
		कुंभ...	02-36 बजे
		मीन ..	04-15 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-02** सूर्य अस्त- **18-29**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **15 -46** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , सोमवार **April 17**
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद - **02 -27** - तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - ब्रह्म - **21 - 06** - तक उप - ऐन्द्र
करण- तैतिल - **15 - 46** - तक् उप- गर
विशेष:- सोमवार प्रदोष व्रत-उपवास
व्रत -त्योहार - श्रीमान जं. ७२३ वी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:34 से 09:08 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:02 - 07:34 शुभ	चंचल	18:31 - 19:57 शुभ
काल	07:34 - 09:08 अशुभ	रोग	19:57 - 21:23 अशुभ
शुभ	09:08 - 10:42 शुभ	काल	21:23 - 22:49 अशुभ
रोग	10:42 - 12:16 अशुभ	लाभ	22:49 - 00:16 शुभ
उत्पात	12:16 - 13:50 अशुभ	उत्पात	00:16 - 01:42 अशुभ
चंचल	13:50 - 15:24 शुभ	शुभ	01:42 - 03:08 शुभ
लाभ	15:24 - 16:57 शुभ	अमृत	03:08 - 04:34 शुभ
अमृत	16:57 - 18:29 शुभ	चंचल	04:34 - 06:02 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप खाली समय का आनंद उठाने वाले हैं। समूह में शामिल होना मनोरंजक तो होगा लेकिन खर्चीला- खासकर अगर आप दूसरों पर ख़र्च करना बंद नहीं करते हैं। डाक द्वारा एक पत्र पूरे परिवार के लिए खुशखबरी लेकर आता है। अपने पार्टनर को समझाने की कोशिश करें, नहीं तो आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अगर आप हाल ही में निराश महसूस कर रहे हैं- तो आपको याद रखना चाहिए कि आज के सही काम और विचार आपके लिए बहुत ज़रूरी राहत लेकर आएंगे। आपको अपने पैसे जमा करने की जरूरत है और यह जानने की जरूरत है कि कब और कहां सोच-समझकर खर्च करना चाहिए, नहीं तो आने वाले समय में आपको पछताना पड़ेगा

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आपका ग़ुस्सा राई का पहाड़ खड़ा कर सकता है- जिससे आपके परिवार के सदस्य ही नाराज़ होंगे। वास्तव में वे महान आत्माएं सौभाग्यशाली हैं जिनकी बुद्धि क्रोध को वश में रखती है। अपने क्रोध को जला दो, इससे पहले कि वह तुम्हें जलाए। अगर आप थोड़ा अतिरिक्त पैसा बनाने के तरीकों की तलाश कर रहे हैं तो सुरक्षित वित्तीय योजनाओं में निवेश करें।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपकी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा और आपको इसका उपयोग लंबित कार्यों को पूरा करने में करना चाहिए। यदि आप अपनी बचत को रूढ़िवादी निवेशों में लगाते हैं तो आप पैसे कमाएँगे। घरेलू जिम्मेदारियों को किसी भी कीमत पर नजरअंदाज न करें। अपने साथी के साथ बाहर जाते समय उचित व्यवहार करें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपका ज़बरदस्त प्रयास और परिवार के सदस्यों का समय पर सहयोग वांछित परिणाम देगा। लेकिन वर्तमान भावना को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करते रहें। आज घर से बाहर निकलने से पहले अपने बड़ों का आशीर्वाद लें, इससे आपको लाभ होगा। अपने प्रियजनों से उपहार लेने और देने के लिए शुभ दिन है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आपको कोई गलत सूचना मिल सकती है जिससे मानसिक दबाव बनेगा। बेवजह के खर्चे आज आपकी आर्थिक स्थिति को खराब कर सकते हैं। जितना हो सके कम खर्च करें और केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें जो जरूरी हैं। घर के संवेदनशील मुद्दों को सुलझाने के लिए आज आपको अपनी बुद्धि और प्रभाव का इस्तेमाल करने की जरूरत है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

कार्यस्थल पर वरिष्ठों का दबाव और घर में कलह के कारण कुछ तनाव हो सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। जो लोग अब तक बेवजह पैसा खर्च कर रहे थे, वे समझेंगे कि पैसा कमाना और बचाना कितना कठिन है, क्योंकि अचानक आर्थिक तंगी के बीच जरूरत पड़ सकती है।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आपकी सबसे बड़ी संपत्ति आपका सेंस ऑफ ह्यूमर है, इसे अपनी बीमारी को ठीक करने के लिए उपयोग करने का प्रयास करें। जो लोग अब तक बिना ज्यादा सोचे-समझे पैसे खर्च कर रहे थे, वे जीवन में इसके महत्व को समझ सकते हैं, कोई जरूरी काम आ सकता है। जीवनसाथी केयरिंग रहेगा।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

स्वास्थ्य के लिहाज से यह अवधि सुस्त रहेगी इसलिए आप जो भी खाते हैं उससे सावधान रहें। बिना किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह के आज कोई भी ऐसा कदम या कार्य न करें जिससे आर्थिक हानि हो सकती है। मित्रों के साथ शाम आनंददायी रहेगी। आपको अपने साथी को इमोशनल ब्लैकमेल करने से बचना चाहिए।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

अपने ग़ैरज़िम्मेदाराना नज़रिए से आप अपने परिवार की भावनाओं को ठेस पहुँचा सकते हैं। हो सके तो अपने विचार रखने से पहले दो बार सोच लें क्योंकि आपके शब्द आपके विरुद्ध जा सकते हैं और इससे आपके परिवार की प्रतिष्ठा भी धूमिल हो सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं उनके माध्यम से आमदनी के नए स्रोत बनेंगे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको तनावमुक्त रखें। आर्थिक फ़ायदा- जिसकी उम्मीद आज थी- में देरी हो सकती है। नाती-पोते अत्यधिक आनंद का स्रोत होंगे। एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने और समझने के लिए आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की जरूरत है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

ख़ुशनुमा दिन के लिए मानसिक तनाव और तनाव से बचें। बस उन लोगों को नज़रअंदाज़ करें जो आपसे बिज़नेस क्रेडिट के लिए संपर्क करते हैं। आपका लापरवाह रवैया माता-पिता को चिंतित करेगा। कोई भी नया प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले आपको उन्हें विश्वास में लेने की जरूरत है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

खुद को हिंदू क्यों नहीं मानते लिंगायत ?

गले में शिवलिंग, ओम नम : शिवाय का मंत्र : लेकिन मरने के बाद शव नहीं जलाते

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। जहां तक नजर जा रही है वहां तक समाधियां ही समाधियां दिखाई दे रही हैं। स्लेटी रंग की समाधियों पर सफेद रंग से नाम, जन्म तिथि और मृत्यु की तारीखें दर्ज हैं। हर समाधि पर नंदी के बीच शिवलिंग की तस्वीरें बनी हैं। ऐसा लगता है ये शैव परंपरा को मानने वाले हिंदुओं की समाधियां हैं। इन समाधियों पर शिवलिंग और नंदी को साफ देखा जा सकता है। कुछ समाधियों पर मंदिर की तरह आकृति भी बनी है। पर नहीं, ये लोग न तो शिव की पूजा करते हैं न ही खुद को हिंदू मानते हैं। इनके बड़े-बड़े मठ हैं, लेकिन कोई मंदिर नहीं, कोई मूर्ति नहीं। ये कर्नाटक के लिंगायत संप्रदाय को मानते हैं। कर्नाटक में इनकी आबादी 18% है।

शाम के करीब 4 बजे का वक्त। जगह बेंगलुरु का चारमठ रुद्र भूमि। कतारबद्ध समाधियों के बीच घने पेड़। एकदम सुनसान, सन्नाटा। बीच-बीच में कोयल की कूक गूंज रही है। थोड़ी देर के लिए डर भी लगा। इसी बीच एक एंबुलेंस आती है। कुछ देर बाद एंबुलेंस रुकती है। उसमें से चार-पांच लोग उतरते हैं। गुलाबी साड़ी में एक नौजवान महिला पद्मासन की मुद्रा में सिंहासन जैसी आकृति पर बैठी है। यहां के लोग इस आकृति को विमान कहते हैं। लिंगायतों में अंतिम संस्कार पद्मासन की मुद्रा में होता है।

महिला का सिर मुंडा हुआ है। फूलों की भारी माला पहनाई गई है। माथे पर विभूति लगी है। देखने से ऐसा लगता है अभी बस बोलने ही वाली है। ये महिला 2 साल से बीमार थी। सुबह ही इसकी मौत हुई है। यहां पहले से एक गड्ढा खुदा हुआ था। एक पंडित पानी में विभूति घोलकर गड्ढे में छिड़काव करते हैं। फिर खुद गड्ढे में उतर जाते हैं। गड्ढे के चारों तरफ विभूति से चार-पांच रेखाएं बनाते हैं। चारों कोने पर मिट्टी के जलते हुए दीपक रखे जाते हैं। गड्ढे के बाहर आम के पत्तों की छोटी-छोटी टहनियां, सिंदूर, हल्दी और फूल लगाए जाते हैं। पंडित पूजा की थाली सजाते हैं। उसमें नारियल, केला और ढेर सारे फूल रखते हैं। फिर अगरबत्ती और कपूर जलाते हैं। इसके बाद गड्ढे में नमक की मोटी परत बिछा दी जाती है।

विमान से उतारकर महिला के शव को गड्ढे में इस तरह रखा जाता है कि वह पद्मासन की मुद्रा में ही रहे। कमर के ऊपर शरीर और सिर सीधा होना चाहिए। जरा भी लचीलापन नहीं। उसे चारों तरफ से (मुंह को छोड़कर) सफेद कपड़े से ढंक दिया जाता है। कफन का यह खास कपड़ा हिजाब की तरह ही सिला होता है। इसमें सिर्फ मुंह बाहर निकला हुआ रहता है। कुछ देर बाद महिला का मुंह भी ढंक दिया जाता है। महिला के पति और उसके 9 साल के बेटे से गड्ढे में फूल और विभूति डलवाए जाते हैं। देखते ही देखते गड्ढा भर जाता है। अब गड्ढे के चारों ओर मुंडेर बनाकर केले के पौधे लगा दिए जाते हैं।

अब एक दूसरा पंडित मिट्टी डले गड्ढे के ऊपर उस तरफ खड़ा होता है, जिसके नीचे महिला का शव रखा गया है। उसके ठीक सामने महिला के बेटे को खड़ा किया जाता है। बेटा पहले पंडित के पांव पर विभूति लगाता है, फूल चढ़ाता है, अगरबत्ती दिखाता है और फिर उनका पांव धोता है। पंडित की आरती उतारी जाती है और दक्षिणा दी जाती है। इस तरह महिला का अंतिम संस्कार पूरा होता है। रुद्र भूमि में अलग-अलग तरह की समाधियां दिखती हैं। किसी के ऊपर मंदिर बना है, किसी पर नंदी और शिवलिंग बने हैं। किसी पर ग्रेनाइड का पट्ट लगा है। कोई साधारण तो कोई कोई भव्य। अखिल भारतीय वीरशैव लिंगायत महासभा इनका सबसे बड़ा मंच है। लिंगायत समुदाय के तमाम मठ इसी के बैनर के अधीन अपनी बात रखते हैं। इसमें बड़े-बड़े अधिकारी और हर पार्टी के नेता हैं।

इस महासभा के राष्ट्रीय सचिव रेणुका प्रसन्ना बताते हैं, 'जिसकी जैसी हैसियत होती है, वैसी समाधि बनवाता है। गांवों में तो ज्यादातर लोग अपने खेतों में ही समाधि बनवा देते हैं। जो लोग बहुत संपन्न होते हैं, वे सिर्फ विभूति और फूलों से ही गड्ढा भरते हैं। जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती, वे विभूति के साथ मिट्टी भी डालते हैं।' आप लोग शिवलिंग धारण करते हैं, फिर भी शव नहीं जलाते? रेणुका प्रसन्ना बताते हैं, 'हमारा मानना है कि शिव हर इंसान में हैं। मुझमें भी और आपमें भी। वे हमारे शरीर के हर हिस्से में है। इसलिए हम शव नहीं जलाते। हम मरने के बाद उस इंसान की समाधि बनाकर उसके ऊपर शिवलिंग बना देते हैं।'

लिंगायत में 88 सेक्ट हैं। इन सभी के रिवाजों में थोड़ा बहुत फर्क है। कुछ सेक्ट में अंतिम संस्कार के लिए मठ के स्वामी को बुलाया जाता है, तो किसी सेक्ट में आम पंडित को। ज्यादातर सेक्ट में शव को

पद्मासन मुद्रा में समाधि दी जाती है, तो कुछ सेक्ट में शव को लिटाकर।

बेंगलुरु से करीब 80 किमी दूर तुमकुर का सिद्धगंगा मठ पूरे देश में मशहूर है। ऊंची पहाड़ियों के नीचे यह मठ है। यहां एक एटीएम, पोस्ट ऑफिस और छोटा सा मार्केट भी है। भक्त आ-जा रहे हैं। लगा यहां कोई मंदिर होगा, लेकिन यहां न तो कोई मंदिर है ना ही किसी की पूजा की जाती है। यहां के डॉ. शिवकुमार महास्वामी जी का कुछ साल पहले निधन हुआ है। राजनीतिक गलियारों में उनकी मजबूत पैठ थी। हॉल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी के साथ उनकी तस्वीरें लगी हैं। इससे यह भी पता चलता है कि कोई बड़ा नेता कर्नाटक आता है, तो यहां भी आता है।

फिलहाल गद्दी पर श्रीश्री सिद्धलिंगा महास्वामी विराजमान हैं। उनका गनमैन उनके कमरे तक लेकर गया। वे एक रिवॉल्विंग चेयर पर बैठे हैं। सामने बड़ा टेबल है। उस पर कुछ किताबें और भक्तों के चढ़ाए पैसे रखे हैं। मुझे देखते ही वे बोल पड़ते हैं- देखो मैं कोई राजनीतिक बात नहीं करूंगा मैंने कहा ठीक है, मुझे लिंगायत संप्रदाय की परंपरा पर बात करनी है। इसके बाद बातचीत की शुरू होती है। महास्वामी बताते हैं, 'हम मंदिर नहीं जाते। हमारा शिव निराकार रूप में हमारे साथ रहता है। हम शिवलिंग को एक अंडाकार पत्थर में मढ़वाकर, उसे चांदी के कवर में डालकर गले में पहनते हैं। हम हर रोज सुबह उसी इष्टलिंग की पूजा करते हैं। पूजा करने का भी एक विशेष तरीका होता है। हर दिन सुबह उठकर स्नान के बाद पूजा वाले कमरे में जाते हैं। ध्यान लगाते हैं, उसके बाद इष्टलिंग को बाएं हाथ की हथेली के बीच में रखते हैं, उस हाथ को इतना ऊपर उठाया जाता है कि वह तीसरे नेत्र (दोनों आंखों के बीच ललाट वाली जगह) के बराबर आ जाए। आंख और हथेली के बीच 12 इंच का अंतर होता है।

फिर ध्यान लगाते हैं। हथेली पर ही इष्टलिंग का जलाभिषेक करते हैं। उस पर फूल और विभूति लगाते हैं। ओम नमः शिवाय के साथ गुरुमंत्र बोलते हैं। करीब एक घंटे तक यह पूजा चलती है। फिर इष्टलिंग को वापस चांदी के कवर में डालकर गले में डाल लिया जाता है। इस प्रक्रिया को शिवयोग कहा जाता है।'

महास्वामी जी बताते हैं, 'हमारी संस्कृति हिंदुओं से अलग है। हम मंदिर नहीं जाते हैं। पूजा नहीं करते हैं। हमारा मानना है कि शरीर ही मंदिर है। हम कोई अंधविश्वास नहीं पालते, कोई कर्मकांड नहीं करते। सबसे बड़ी बात हमारे समुदाय में कोई जाति नहीं होती। सबकी पहचान लिंगायत के रूप में होती है।'

लिंगायत संप्रदाय के छात्र जो मठ में पढ़ते हैं। इनके वस्त्र और ललाट पर लगी विभूति को देखने पर आपको लग रहा होगा कि ये हिंदू धर्म को मानते होंगे, लेकिन ऐसा नहीं है।

शाम करीब 7 बजे हैं। एक बड़े आंगन में बड़ी संख्या में छात्र दिख रहे हैं। सफेद धोती और गुलाबी रंग का गमछा। सभी एक कतार में बैठे हैं। कुछ देर बाद प्रार्थना सभा की शुरुआत होती है। सभी एक स्वर में ओम नमः शिवाय बोलते हैं। इसके आगे भी वे कुछ मंत्र पढ़ते हैं, लेकिन कन्नड़ लैंग्वेज की वजह से सिर्फ ओम नमः शिवाय ही समझ आता है। एक घंटे की प्रार्थना सभा के बाद प्रसाद बांटा जाता है। प्रसाद में सांबर, चावल और छाछ बांटी गई। इसके बाद छात्र वापस छात्रावास में चले जाते हैं।

महास्वामी जी बताते हैं, 'यहां कोई भी किसी भी जाति का छात्र एडमिशन ले सकता है। यहां धर्म या अध्यात्म की पढ़ाई नहीं होती। सिर्फ एकेडमिक्स। पहली से लेकर ग्रेजुएशन, मेडिकल, लॉ, हर तरह की पढ़ाई और रहना-खाना बिल्कुल मुफ्त। यहां से पढ़े बच्चे देश-विदेश में ऊंचे पदों पर काम कर रहे हैं। यहां पढ़ने के लिए एक ही योग्यता चाहिए कि छात्र गरीब घर से हो और माता-पिता उसे पढ़ा नहीं पा रहे हों।'

तीन दिन के बच्चे के गले में शिवलिंग, ओम नमः शिवाय का मंत्र

महास्वामी जी बताते हैं, 'हमारे संप्रदाय में महिलाएं भी इष्टलिंग धारण करती हैं। जब महिला आठ महीने की गर्भवती होती है, तभी उसके बाजू पर इष्टलिंग बांध दिया जाता है। जब बच्चा 3 दिन, 5 दिन या 9 दिन का होता है, तो लिंगधारण कार्यक्रम किया जाता है। उसमें इष्टलिंग बच्चे के गले में बांधा जाता है। उसके कान में एक मंत्र बोला जाता है। कुछ समुदायों में लड़का पैदा होने पर, उसके बाल भी उतार दिए जाते हैं।

लिंगायत अपने ही समुदाय में विवाह करते हैं। इनके यहां जाति नहीं देखी जाती। सभी सेक्ट आपस में शादी कर सकते हैं। इनका मानना है कि मरने के बाद आत्मा ब्रह्मांड में मिल जाती है। इसलिए ये लोग पुनर्जन्म की बात पर यकीन नहीं करते। इनके अनुसार कर्म ही महान है, हम जैसा कर्म करेंगे वैसा फल मिलेगा।

'रमन सिंह को कुछ समझ नहीं आता'

सीएम भूपेश ने साधा निशाना, बोले-वो कुछ का कुछ बोलते हैं, रेणुका सिंह अपनी चिंता करें

बिलासपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह पर जमकर हमला बोलते हुए कहा है कि उन्हें कुछ समझ में नहीं आता है, कुछ का कुछ बोलते रहते हैं। रेणुका सिंह को अपनी चिंता करनी चाहिए। पार्टी में वो अकेली आदिवासी नेता बची हैं। भाजपा के सभी बड़े आदिवासी नेताओं को रमन सिंह पीछे ढकेल चुके हैं।

शनिवार को मुख्यमंत्री बिलासपुर के तोरवा क्षेत्र के कालीबाड़ी मैदान में आयोजित बंगाली नव वर्ष और बिलासपुर बंगाली एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। यहीं पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बंगला नववर्ष है और बंगाली स्कूल के 100 साल पूरा होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

उन्होंने कहा कि बंगाल का इतिहास बहुत प्राचीन है। देश के नव निर्माण में बड़ा योगदान है। कई विभूतियों के साथ क्रांतिकारी, समाज सुधारक के अनेक जनक पैदा हुए। आजादी की लड़ाई में अग्रणी सेना नायक रहे, वहां के लोगों ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि केदार कश्यप जब मंत्री थे, तब कभी सड़क मार्ग से नहीं जाते थे। हेलिकॉप्टर से आते-जाते थे। आज बस्तर के किसी भी कोने में लोग सड़क मार्ग से आना जाना कर सकते हैं। हमने नक्सलियों ने मुक्त कराया

उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन काल में 15 साल तक बस्तर नक्सलियों के कब्जे में था। पांच से छह सौ गांव हमने नक्सलियों से मुक्त कराया है। भाजपा की सरकार केवल पांच किलोमीटर के दायरे में सरकार थी। भाजपा ने वहां विकास को पीछे ढकेल दिया और धर्मांतरण की बात करते हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा चर्च भाजपा सरकार के समय में बना है। कोई भी धर्म स्वीकार करने के बाद पूजा स्थल बनता है। उसी तरह क्रिश्चियन बनने के बाद चर्च बना है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें अपनी खुद की चिंता करनी चाहिए। डॉ. रमन सिंह को कुछ आता नहीं है और वो कुछ का कुछ बोलते रहते हैं। उन्होंने प्रदेश के बड़े आदिवासी नेताओं को बहुत पीछे ढकेल दिया है। रामविचार नेताम, नंद कुमार साय, विष्णु देव साय, ननकीराम कंवर उदाहरण हैं। अब रेणुका सिंह बच गई हैं। इसलिए उन्हें अपनी चिंता करनी चाहिए।

दो दिन पहले बिलासपुर में केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने कहा था कि टीएस बाबा कमजोर हो गए है। सीएम नहीं बनने से टीएस असंतुष्ट हैं। मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बता कर उन्होंने सरगुजा की जनता को ठगा है। भाजपा में प्रधानमंत्री तो छोड़ो बूथ स्तर का छोटा सा कार्यकर्ता भी टीएस को नहीं बुलाएगा। टीएस बाबा की जरूरत भारतीय जनता पार्टी को नहीं। इस बार भाजपा टीएस सिंहदेव के गढ़ में जीत सुनिश्चित करने जा रही है। प्रदेश में डीलिस्टिंग (धर्म बदल चुके आदिवासियों, या आरक्षित वर्ग को आरक्षण के लाभ से बाहर करने) को लेकर बड़ा आंदोलन होने जा रहा है। इसे लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने सामने हैं। आंदोलन को पीछे से आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और बजरंगदल जैसे संगठनों का पूरा समर्थन है।

अवमानना मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई

परिवहन सचिव श्रीनिवासन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

रांची, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने अवमानना के एक मामले में परिवहन सचिव के. श्रीनिवासन के खिलाफ जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

जस्टिस एस चंद्रशेखर की कोर्ट ने रांची एसएसपी को निर्देश दिया कि वे 17 अप्रैल को दोपहर 1:15 बजे परिवहन सचिव को कोर्ट में पेश करें।

कोर्ट ने अवमानना के मामले में कई बार निर्देश देने के बाद भी जवाब दाखिल न करने पर यह वारंट जारी किया है। इस संबंध में सुनील कुमार पासवान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने परिवहन सचिव को मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) के रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने सचिव से पूछा था कि खाली पदों को भरने के लिए राज्य कर्मचारी चयन आयोग को अधियाचना कब भेजी जाएगी। कब विज्ञापन निकलेगा और कब तक नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

कोर्ट ने परिवहन सचिव को 29 मार्च तक शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने को कहा था। 29 मार्च को सचिव ने जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय मांगा तो कोर्ट ने 13 अप्रैल तक का समय दिया। लेकिन उस दिन भी जवाब दाखिल नहीं किया गया। इसके बाद शनिवार को मामले की सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए वकील ने कहा कि वारंट जारी करने के बदले परिवहन सचिव को कोर्ट में हाजिर होने की अनुमति दी जाए। लेकिन कोर्ट ने इस अनुरोध को ठुकराते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

थाने के पास खड़ी गाड़ियों में लगी आग

रायपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। विवार तड़के पुलिस थाने के पास खड़ी कई बाइकों में किसी ने आग लगा दी। देखते ही देखते कई गाड़ियां जलकर नष्ट हो गई। रायपुर में रविवार तड़के पुलिस थाने के पास खड़ी कई बाइकों में किसी ने आग लगा दी। देखते ही देखते कई गाड़ियां जलकर नष्ट हो गईं। आग किसने लगाया या फिर किन कारणों से लगी है, अब तक इसका खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मामला रायपुर शहर के सिटी कोतवाली थाना परिसर का है। सुबह करीब 3:00 बजे के आसपास आगजनी की घटना हुई है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब एक से दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है।

जिस वक्त रेस्क्यू का काम चल रहा था बिजली विभाग ने इलाके की बिजली नहीं काटी, जोखिम के बावजूद दमकल की टीम आग बुझाने के काम में लगी रही। जिस वक्त हादसा हुआ थाने में पुलिस स्टाफ मौजूद था। लेकिन किसी को खबर नहीं लगी कि बाइक में आग कब लगी। सिटी कोतवाली थाना परिसर में पुलिस रेजिडेंशियल बिल्डिंग भी है। पुलिसकर्मियों का परिवार यहां रहता है। हादसे में फिलहाल किसी को चोट आने की खबर नहीं है।

भिलाई नगर विधायक पर पूर्व मंत्री का पलटवार

कहा भाजपा ने 15 साल में क्या किया, सभी को पता है, जनता को गुमराह न करें

भिलाई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने सरकार के कार्य और टाउनशिप में हाफ बिजली बिल योजना को लेकर भिलाई नगर विधायक पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि विधायक जनता को गुमराह करने का काम न करें। जनता को पता है कि भाजपा ने 15 सालों के शासन में क्या किया है।

भाजपा नेता पाण्डेय फेसबुक लाइव के माध्यम छत्तीसगढ़ वासियों से रूबरू हुए। उन्होंने भिलाई विधायक द्वारा दिये गये बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार बीएसपी टाउनशिप में रहने वाले लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है। बीएसपी जो बिजली टाउनशिप वासियों को देती है उसकी प्रति यूनिट दर सीएसपीडीसीएल की प्रति यूनिट दर से लगभग आधी है। राज्य सरकार अपना मुनाफा कमाने के लिए बीएसपी की सप्लाई लाइन को सीएसपीडीसीएल को देना चाहती है। उन्होंने कहा वो इसका विरोध करते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार को चाहिए को बीएसपी सप्लाई लाइन दर से ही वहां के निवासियों को 400 यूनिट तक हाफ बिजली बिल योजना का लाभ साल 2019 से दे।

समझाया बीएसपी और सीएसपीडीसीएल के बिजली दर का अंतर

भाजपा नेता ने बीएसपी और सीएसपीडीसीएल द्वारा सप्लाई की जा रही बिजली के प्रति यूनिट दर का अंतर भी समझाया। उन्होंने कहा कि बीएसपी का टैरिफ आज भी सीएसपीडीसीएल से कम है। 0 से 100 यूनिट तक सीएसपीडीसीएल की प्रति यूनिट दर 4.48 रुपए और बीएसपी की दर 2.65 रुपए है। इसी तरह 101 यूनिट से 200 यूनिट तक सीएसपीडीसीएल की प्रति यूनिट दर 4.68 रुपए और BSP की दर 2.70 रुपए है। 200 यूनिट से 400 यूनिट तक सीएसपीडीसीएल की प्रति यूनिट दर 6.08 रुपए और BSP की 3.95 रुपए है। 400 से 600 यूनिट तक सीएसपीडीसीएल की प्रति यूनिट दर 7.08 रुपए और BSP की दर 4 रुपए है। 600 से

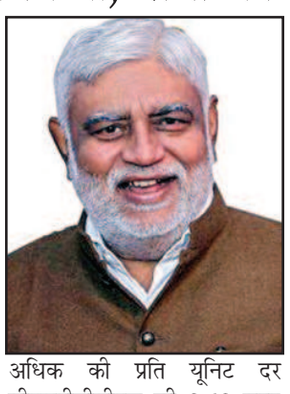

अधिक की प्रति यूनिट दर सीएसपीडीसीएल की 8.68 रुपए और BSP की 6.30 रुपए है।

राज्य सरकरा जनता को कर रही गुमराह

पूर्व मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह से जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही है। बिजली दर के आंकड़ों को देखा जाए तो BSP की सप्लाई लाइन से जो अभी टाउनशिप में रहने वालों को प्रति यूनिट दर चुकानी पड़ रही यदि वह सीएसपीडीसीएल से की दरों से एवरेज निकालें तो लगभग 60 प्रतिशत होता है। जब बीएसपी टाउनशिप में रहने वाले उपभोक्ताओं को बीएसपी की सप्लाई लाइन से 60 प्रतिशत की कम लागत में प्रति यूनिट कम बिजली मिल रही है तो उसे सीएसपीडीसीएल के माध्यम से सप्लाई देकर 50 प्रतिशत कम क्यों किया जा रहा है।

1 मार्च 2019 से मिले हाफ बिजली बिल योजना का लाभ

पूर्व मंत्री पाण्डेय ने मांग की है कि 1 मार्च 2019 से बीएसपी की सप्लाई लाइन एवं उनकी प्रति यूनिट दर के हिसाब से ही बीएसपी टाउनशिप में रहने वाले उपभोक्ताओं को 400 यूनिट की बिजली खपत में बिजली बिल आधा का लाभ दिया जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ सरकार केवल अपनी जेब भरने के लिए सीएसपीडीसीएल के माध्यम से बिजली की सप्लाई देने का प्रयास कर रही है। स्थानीय विधायक और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बीएसपी टाउनशिप में रहने वाले उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रहें हैं।

भाजपा ने प्रोफेशनल टैक्स बंद कर दिया आर्थिक संबल

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में भिलाई के सभी कर्मचारियों से लिए जाने वाले प्रोफेशनल टैक्स को बंद कर उन्हें आर्थिक संबल दिया है। बीएसपी के हर क्षेत्रों में पक्की सड़कों का निर्माण किया, भिलाई में जितने भी स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, आईआईटी, टेक्नीकल यूनिवर्सिटी जैसे शिक्षण संस्थानों एवं तालपुरी के लिए बीएसपी से जमीन लेने का काम पूर्व की भाजपा सरकार ने किया। भाजपा सरकार के दौरान हजारों अवैध कब्जाधारियों को हटाया गया। भिलाई में नॉन बीएसपी क्षेत्रों में कार्य करने वालों को लाइसेंस पद्धति से आवास दिलाने का काम, पान ठेलों से लेकर मंदिरों तक बिजली पहुँचाने का काम, गलियों नालियों से लेकर बड़े बड़े नालों का निर्माण, भिलाई की जनता को शुद्ध जल, मुक्तिधाम में 100 रुपए में लकड़ी, मुस्लिम भाईयों को 100 रुपए में पतरा एवं ईसाई भाईयों को 100 रु में ताबूत देने का कार्य किया है।

अफसर अली पर कसा शिकंजा: 2 वर्ष से नाइट ड्यूटी पर था अफसर, ताकि दिन में कर सके जमीन का फर्जीवाड़ा

रांची, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अफसर अली कहने को तो रिम्स का थर्ड ग्रेड कर्मचारी है, लेकिन इसकी धाक ऐसी है कि डॉक्टरों को भी अपने इशारों पर नचाता है। यही कारण है कि करीब दो सालों से रिम्स में उसकी सिर्फ नाइट ड्यूटी लगती थी। साथी कर्मियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि महीने में 7-8 दिन भी मुश्किल से ड्यूटी में दिखाई पड़ता था। ड्यूटी आने के बाद भी रात 12 से 1 बजे तक घर लौट जाता था। कई बार एक महीने की उपस्थिति एक दिन में रजिस्टर में दर्ज कर महीने भर की सैलरी लेता था। रिम्स में सभी कर्मियों की रोटेशनल ड्यूटी लगती है।

चाहे स्थाई हो व अस्थाई कर्मी, सभी तीनों शिफ्ट में सेवा देते हैं। वहीं अफसर अली की रात के अलावा दूसरी किसी भी शिफ्ट में ड्यूटी नहीं लगाई जाती थी। साथी कर्मियों ने यह भी बताया कि अफसर को सिर्फ नाइट ड्यूटी लगने के पीछे असल कारण यह था कि वह दिन में जमीन का फर्जीवाड़ा कर सके।

अफसर अली की क्यों सिर्फ नाइट ड्यूटी ही लगी? क्या वह नाइट ड्यूटी में भी प्रतिदिन अपने काम को बेहतर ढंग से कर रहा था? चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिरेन बिरूआ ने शुक्रवार को विभाग में जांच के क्रम में एचओडी से इन कुछ सवालों के जवाब मांगे। बताते चलें कि सभी विभाग में महीनेवार ड्यूटी रोस्टर तैयार करने की जिम्मेदारी विभाग के हेड की होती है। ऐसे में करीब दो साल सिर्फ नाइट ड्यूटी लगाने पर विभाग के हेड भी कार्रवाई के घेरे में हैं।

रसूख ऐसा कि जेल जाने के 24 घंटे बाद भी अफसर निलंबित नहीं रिम्स के रेडियोलॉजी विभाग में स्थाई टेक्निशियन के रूप में कार्यरत अफसर अली को जेल जाने के 24 घंटे बाद भी रिम्स प्रबंधन ने निलंबित नहीं किया है। न ही उसके विरुद्ध किसी तरह की त्वरित कार्रवाई की है। अवैध तरीके से जमीन खरीद-बिक्री व धोखाधड़ी में संलिप्तता व ईडी की छापेमारी और गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार को रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक रेडियोलॉजी विभाग पहुंचे और एचओडी से अफसर अली की जानकारी मांगी। विस्तृत ब्योरा अविलंब सौंपने का निर्देश दिया। एचओडी ने शनिवार को रिपोर्ट अधीक्षक को सौंप दी। इसके बावजूद देर शाम तक उसके निलंबन या कार्रवाई से संबंधित आदेश जारी नहीं किया गया।

अफसर अली का विवाद कई बार जूनियर डॉक्टरों से भी हो चुका है। डॉक्टरों द्वारा काम करने को कहने पर अक्सर टालमटोल करना, अर्जेंट लिखकर जांच के लिए भेजने के बाद भी मरीजों को वापस लौटा देना उसकी आदत थी।

सूडान में फिर तख्तापलट की कोशिश

सेना-पैरामिलिट्री की लड़ाई में 56 की मौत, 600 घायल; 2021 में भी ऐसे ही बदली थी सत्ता

खार्तूम, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान की राजधानी खार्तूम सहित कई इलाकों में गोलीबारी और विस्फोट जारी हैं। यहां की मिलिट्री और पैरामिलिट्री रेपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) में लड़ाई चल रही है। बीबीसी के मुताबिक, हिंसा में अब तक 56 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है जिसमें यूएन के 3 कर्मचारी भी शामिल हैं। इसके अलावा अब तक 600 लोग घायल हुए हैं। आरएसएफ ने दावा किया है कि उसकी सेना ने राजधानी में ज्यादातर सरकारी कार्यालयों पर कब्जा कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरएसएफ लीडर मोहम्मद हमदान डागालो (हेमेदती) सूडान में फिर से तख्तापलट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी सेनी सभी आर्मी बेस पर कब्जा नहीं कर लेगी, हम पीछे नहीं हटेंगे। इस बयान के बाद देश की मिलिट्री फोर्स ने आरएसएफ को भंग करने का फैसला किया है। साथ ही डागालो का पोस्टर जारी कर उसे भगौड़ा अपराधी घोषित कर दिया गया है।

हिंसा में 3 यूएन कर्मचारियों की मौत

हिंसा के बीच सूडान की आर्मी ने बयान जारी कर कहा- हम जेट्स के जरिए आरएसएफ के ठिकानों पर हमला कर रहे हैं। लोगों से अपील है कि वो अपने घरों में ही रहें। इससे पहले डार्फर प्रांत के कबकाबिया शहर में एक मिलिट्री बेस पर आरएसएफ के हमले में 3 यूएन कर्मचारियों की मौत हो गई। तीनों यूएन के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) के कर्मचारी थे। डब्ल्यूएफपी आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर समुदायों तक खाना पहुंचाने का काम करती है।

आरएसएफ ने सरकारी कार्यालयों पर कब्जे का दावा किया

इससे पहले शनिवार को पैरामिलिट्री फोर्स ने खार्तूम के एयरपोर्ट और राष्ट्रपति भवन पर कब्जा करने का दावा किया था। इसके अलावा उन्होंने स्टेट टीवी और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर भी अपने कंट्रोल की बात कही थी। हालांकि सेना ने उनके दावों को खारिज कर दिया। अलजजीरा को दिए एक इंटरव्यू में आरएसएफ चीफ डागालो देश के राष्ट्रपति और मिलिट्री चीफ जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान को क्रिमिनल बताते हुए उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। सूडानी एयरफोर्स ने शनिवार देर रात लोगों को घर के अंदर रहने की अपील की। साथ ही खार्तूम में स्कूलों, बैंकों और सरकारी कार्यालयों को बंद कर दिया गया। राजधानी में गोलियों और विस्फोटों की आवाजें गंजू रही हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक राजधानी की सड़कों पर तोप और बख्तरबंद गाड़ियां घूम रही हैं। सेना और आरएसएफ मुख्यालय के पास भारी हथियारों के साथ फोर्सेस तैनात हैं।

यूएस, यूके, ईयू ने की शांति की अपील

वहीं सूडान में बढ़ती हिंसा को देखते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने तुरंत लड़ाई खत्म करने की अपील की है। यूएन के सेक्रेटरी जनरल ने सेना प्रमुख बुरहान और आरएसएफ चीफ डागालो को फोन कर देश में शांति स्थापित करने के लिए बात की। सूडान में मौजूद रूसी एम्बेसी ने भी फौरन सीजफायर की अपील की है।

वहीं शनिवार को हमले के दौरान सऊदी अरब की फ्लाइट में आग लगने के बाद सऊदी सहित मिस्र ने सूडान जाने वाली फ्लाइट्स पर रोक लगा दी है। चाड देश ने भी सूडान से लगे बॉर्डर को बंद कर दिया है।

5 पॉइंट्स में समझें सूडान में हिंसा की वजह

1 सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच वर्चस्व की लड़ाई है। 2019 में सूडान के तब के राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर को सत्ता से हटाने के लिए लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे थे।

2 अप्रैल 2019 में सेना ने राष्ट्रपति को हटाकर देश में तख्तापलट कर दिया। लेकिन फिर लोग लोकतांत्रिक शासन और सरकार में अपनी भूमिका की मांग करने लगे।

3 इसके बाद सूडान में एक जॉइंट सरकार को गठन हुआ, जिसमें देश के नागरिक और मिलिट्री दोनों का रोल था। 2021 में यहां दोबारा तख्तापलट हुआ और सूडान में मिलिट्री रूल शुरू हो गया।

4 आर्मी चीफ जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान देश के राष्ट्रपति और आरएसएफ लीडर मोहम्मद हमदान डागालो उपराष्ट्रपति बन गए। इसके बाद से आरएसएफ और सेना के बीच संघर्ष जारी है।

5 सिविलियन रूल लागू करने की डील को लेकर मिलिट्री और आरएसएफ आमने-सामने है। आरएसएफ सिविलियन रूल को 10 साल बाद लागू करना चाहती है जबकि आर्मी का कहना है कि ये 2 साल में ही लागू हो जाना चाहिए।

स्टेशन पर पान-गुटखा थूकना पड़ सकता है महंगा

रेलवे ने ऐसे 12 हजार लोगों से 17 लाख का जुर्माना वसूला

भोपाल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप रेलवे स्टेशन पर पान गुटखा थूकते हैं तो जान लीजिए यह आपको महंगा पड़ सकता है। रेलवे ने ऐसे लोगों पर कार्रवाई तेजी से करना शुरू कर दी है। पहले रेलवे ऐसे करीब 100-150 लोगों पर कार्रवाई करता था, मगर अब इसको बढ़ाते हुए इसकी संख्या 12 हजार से अधिक कर दी है। रेलवे ने पिछले एक साल में 12 हजार लोगों से करीब 17 लाख का जुर्माना वसूला है। इस बात की जानकारी भोपाल रेल मंडल के प्रवक्ता सूबेदार सिंह ने देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 (अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक) में स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने वालों के 12,380 मामले पकड़े गए, जिनपर 17,23,460 रुपए जुर्माना लगाया गया। साथ ही गंदगी से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए स्टेशन परिसर स्वच्छ रखने में सहयोग करने के लिए समझाया गया। स्टेशन परिसर साफ सुथरा रखने में सहयोग करें। कचरे को निर्धारित डस्ट बिन में ही डालें, इधर उधर पीक ना थूकें। प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग बन्द करें। स्टेशन की स्वच्छता बनाये रखने के लिए किये जा रहे प्रयासों में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

प्रधानमंत्री मोदी की फैन हुईं अमेरिकी वाणिज्य मंत्री

बोलीं- उनका भारत के लोगों के लिए समर्पण गजब

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत में लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है लेकिन अब दुनिया के नेता भी प्रधानमंत्री मोदी के कायल होते जा रहे हैं। अमेरिका की सेक्रेटरी ऑफ कॉमर्स यानी कि वाणिज्य मंत्री जिना राइमोंडो भी पीएम मोदी की मुरीद हो गई हैं। जिना राइमोंडो का कहना है कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता किन्हीं वजहों से ही हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक विजनरी नेता हैं।

क्या बोलीं अमेरिका की वाणिज्य मंत्री

अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में जिना राइमोंडो ने कहा कि 'मैंने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक घंटे से ज्यादा समय बिताया। वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता यूं ही नहीं हैं, वह एक विजनरी नेता हैं और उनका भारत के लोगों के लिए समर्पण गजब है। वह लोगों को गरीबी से उबारने की इच्छा रखते हैं और भारत को आगे बढ़ाकर वैश्विक ताकत बनाना चाहते हैं और वह ऐसा कर भी रहे हैं।' बता दें कि जिना राइमोंडो बीते माह भारत दौरे पर आईं थी और इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं से मुलाकात की थी।

ब्रिटिश सांसद भी कर चुके हैं तारीफ

ब्रिटेन के सांसद, अर्थशास्त्री, बैंकर और शिक्षाविद निकोलस स्टर्न भी पीएम मोदी की तारीफ कर चुके हैं। विश्व बैंक के कार्यक्रम 'मेकिंग इट पर्सनलः हाउ बिहेवियरल चेंज कैन टैकल क्लाइमेट चेंज' के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी विकास और विकास की एक पूरी नई कहानी लेकर आए हैं। मैंने नवंबर 2021 में ग्लासगो में कॉप 26 में उनके भाषण को ध्यान से सुना और एलआईएफई सहित जो मापदंड निर्धारित किया, वह स्थायी लचीलापन और समावेशी विकास जैसा दिखता है।

पाक में सेना की बड़ी कार्रवाई

गोलीबारी में 8 आतंकवादियों को किया ढेर, दो जवानों को भी लगी गोलियां

इस्लामाबाद, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सेना ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया है। जानकारी के अनुसार शनिवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने 8 आतंकियों को गोलीबारी के बाद मार गिराया। यह गोलीबारी खैबर पख्तूनख्वा के दक्षिण वजीरिस्तान जिले के जरमिलन में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच हुई। इस बारे में इंटर सर्विसेस पब्लिक रिलेशंस यानी आईएसपीआर ने बताया कि घटना में दो जवानों को भी गोलियां लगी हैं। मृतकों में कुर्रम जिले के रहने वाले लांस नायक शोएब अलीऔर लक्की मरवत जिले के रहने वाले सिपाही रफी उल्लाह शामिल हैं। आतंकवादी सुरक्षाकर्मियों और निर्दोष व्यक्तियों की हत्या में एक्टिव थे। उनकी बंदूकें और बारूद जब्त कर लिए हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इससे पहले भी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को मौत के घाट उतारा था। रिपोर्ट्स के अनुसार सुरक्षाकर्मियों ने मंगलवार को केपी बाजौर जिले में आईबीओ के दौरान 3 आतंकियों को मार गिराने की कार्रवाई की थी। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी ने नवंबर में पाकिस्तान से बातचीत नवंबर में खत्म होने के बाद हमलों को तेज कर दिया है। इसके जवाब ने सेना की कार्रवाई में आतंकवादियों को ढेर किया जा रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने हाल ही में बयान दिया था कि पाकिस्तानी तालिबानियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने एक इंटरव्यू में यह भी कहा था कि जरूरत पड़ी तो अफगानिस्तान में घुसकर पाकिस्तान के विरुद्ध साजिश रचने वाले तालिबानी आतंकवादियों को मार गिराएंगे।

पहले ताइवान नो-फ्लाई जोन घोषित

फिर चीन ने दागा अपना रॉकेट, दुनिया हैरान

ताइवान, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन ने दो-तीन दिन पहले उत्तरी ताइवान के इलाके को अचानक 'नो-फ्लाई' ज़ोन घोषित कर दिया था। चीन के इस फैसले दुनिया हैरान रह गई थी, क्योंकि उसने सैकड़ों लड़ाकू विमान ताईवान की ओर भेजे थे और युद्धपोतों के जरिए भी ताकत का प्रदर्शन किया था। विश्व बिरादरी चीन के इरादों को लेकर आशंकित थी कि कहीं चीन ताइवान पर हमला तो नहीं करने जा रहा। अब खबर आई है कि ताइवान से तनाव के बीच चीन ने अपना एक सेटेलाइट लॉन्च किया और उस दौरान रॉकेट का मलबा समुद्र या ताइवान में गिरने की संभावना के चलते ही उसने नो फ्लाई और नो शिपिंग जोन का ऐलान किया था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के नो फ्लाई और नो शिपिंग जोन घोषित किए जाने के बाद चीन और ताइवान दोनों देशों के बीच पैसेंजर फ्लाइट्स पर रोक लग गई थी और ताइवान के उत्तर में पूर्वी चीन सागर में चीन के नो फ्लाई और नो शिपिंग जोन लागू होने के कारण लोगों की निगाहें एयरपोर्ट्स के सूचना बोर्ड पर जम गईं थीं।

ताइवान को डराकर चीन ने दागा अपना रॉकेट

चीन की नो-फ्लाई घोषणा से क्षेत्र में तनाव तेजी से बढ़ गया था, ताइवान की सरकार उसका विरोध कर रही थी। हालांकि, चीन ने पहले ये नो-फ्लाई जोन घोषित करने की वजह नहीं बताई थी, इस वजह से ही विश्व बिरादरी को ये चिंता थी कि कहीं चीन कोई बड़ी साजिश तो नहीं रच रहा। हालांकि, रविवार (16 अप्रैल) को ताइवानी मीडिया ने जानकारी दी कि चीन ने एक मौसम उपग्रह लॉन्च किया है और शायद इसीलिए उसने ताइवान के उत्तर में नो फ्लाई जोन का ऐलान किया।

फ्लाइट्स के रूट्स बदलने पड़े, अफरा-तफरी मची

बता दें कि नो फ्लाई जोन से बचने के लिए पैसेंजर फ्लाइट्स के रूट्स बदलने पड़ गए थे, जिसके कारण ताइवान जाने-आने वाले लोगों को बड़ी दिक्कतें पेश आईं। कई फ्लाइट्स घंटों तक लेट हो गईं और कुछ रद्द भी करनी पड़ गईं। अब ताइवान के परिवहन मंत्रालय ने कहा है कि बीजिंग ने ताइपे को ये सूचना दी कि वह रविवार से मंगलवार तक नो-फ्लाई ज़ोन लगाएगा, लेकिन ताइवान के विरोध के बाद रविवार सुबह यह अवधि घटाकर 27 मिनट कर दी गई।

आखिर कौन-सा वेदर सैटेलाइट चीन ने लॉन्च किया?

उधर, चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रमों के मुख्य ठेकेदार चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉरपोरेशन ने कहा कि उन्होंने सुबह 9:36 बजे (0136 जीएमटी) अपना मौसम उपग्रह फेंग्युन 3जी को गांसु के उत्तर-पश्चिमी प्रांत से सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। हालांकि, कॉरपोरेशन ने यह नहीं बताया कि उपग्रह को ले जाने वाले रॉकेट का फ्लाई-रूट क्या था, लेकिन उसकी टाइमिंग नो-फ्लाई ज़ोन के बारे में चीन की पिछली घोषणा के साथ मेल खाती है। चीन ने कहा है कि उसकी घोषणा को नो-फ्लाई ज़ोन कहना गलत है, हालांकि ताइवान ने एयरमेन, नोटम को एक नोटिस जारी किया, जिसमें एयरस्पेस ब्लॉक्ड शब्द इस्तेमाल किया गया। मीडिया में 'नो फ्लाई' की हेडलाइंस सुर्खियों में रहीं। अभी ताइवान ने ये भी कहा है कि उनकी 33 और उड़ानें प्रभावित होने की उम्मीद है और चीन के ऐलान के कारण ही उस ओर शिपिंग भी रोकनी पड़ी है।

जालसाजी का नया तरीका

गलती से पैसा ट्रांसफर का झांसा देकर खाते से 78 हजार उड़ाए, बातों में उलझाकर ठगा

भोपाल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के लोगों को जालसाज अलग-अलग तरीकों से ठगी का शिकार बना रहे हैं। आए दिन ठगी के तरीके बदल रहे हैं। अब जालसाज सीधे फरियादी को फोन कर उसके खाते में गलती से पैसे चले जाने का झांसा देकर खाते में राशि ट्रांसफर करा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला भोपाल में आया है। जांच के बाद साइबर क्राइम ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। शाहपुरा पुलिस के अनुसार 38 वर्षीय सरदार सिंह पुत्र पंचम सिंह एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में सुपरवाइजर हैं। नंवबर 2022 में वह अल्टीमेट स्काई विला शाहपुरा स्थित कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक अंजान मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उन्हें बताया कि तुम्हारे खाते में गलती से 20 हजार रुपये ट्रांसफर हो गए हैं, तुम्हारे पास मैसेज भी आया होगा। जब फरियादी ने चेक किया तो उसके पास कोई मैसेज नहीं आया था। इस पर शातिर जालसाज ने कहा कि तुम मुझे पैसा लौटा दो जल्द ही तुम्हारे खाते में पैसा आ जाएगा। इसी दौरान आरोपी ने फरियादी को अपनी बातों में उलझाकर, दो बार में अलग-अलग नंबर बताकर कुल 78 हजार 460 रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर कर लिए। ठगी का अहसास होने के बाद फरियादी ने क्राइम ब्रांच की सायबर सेल में लिखित शिकायत की थी। जिसकी जांच के बाद शून्य पर प्रकरण दर्ज कर केस डायरी शाहपुरा थाना को भेजी गई। फिलहाल अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही है।

मुरैना में पीने के पानी के लिए तरस रहे लोग, करोड़ों खर्च फिर भी नल जल योजना का नहीं मिल रहा लाभ

मुरैना, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मुरैना जिले के कई गांव ऐसे हैं, जहां राज्य सरकार द्वारा नल जल योजना के तहत पंचायतों में पानी की टंकियों का निर्माण कराया गया है। लेकिन सरकार के कई करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी लोगों को नल जल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कई पंचायतों में पानी की टंकी बनने के बाद कनेक्शन दिए गए, लेकिन पानी आज तक नहीं मिल सका। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का उद्देश्य है कि हर घर नल जल योजना से ग्रामीणों को पानी मिल सके, लेकिन उनका यह सपना अब तक अधूरा है। जिले के कई गांव ऐसे हैं जहां पंचायतों में पानी की टंकी बनी है, लेकिन लोगों के घरों में कनेक्शन नहीं है। महज 15 हजार की आबादी वाले गलेथा गांव में भी नल जल योजना का कुछ ऐसा ही हाल है। यहां पानी की टंकी बनी है, लेकिन नलों में कुछ दिन बाद पानी आना बंद हो गया। ग्रामीण क्षेत्र की जनता को पानी नहीं मिल रहा। पड़ावली जैसे आदर्श गांव की जनता भी पीने के पानी के लिए तरस रही है। गर्मी के मौसम में पानी हर घर तक पहुंचना शासन का दायित्व है,

समुद्र में छुपे दुश्मनों की तलाश कर रही रूसी सेना, रक्षामंत्री शोइगु बोले- दुश्मन सेना को देंगे मुंहतोड़ जवाब

यूक्रेन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। रूसी सेना की पैसिफिक फ्लीट ने अब समुद्र में छुपे दुश्मन की तलाश शुरू कर दी है। जी हां, रूस ने अपनी नौसेना के प्रशांत बेड़े यानि पेस्फिक फीट को हाई अलर्ट पर रख दिया है। यूक्रेन जंग के दौरान अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ बढ़ रहे तनाव के बीच रूस अब बड़े पैमाने पर मिसाइल परीक्षण भी करने वाला है। रूसी रक्षामंत्री सर्गेई शोइगु ने कहा है कि इस युद्ध अभ्यास का मकसद आक्रामकता का जवाब देने के लिए रूसी नौसेना की ताकत का परीक्षण करना है। यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में तत्परता दिखाते हुए रूस का आईएल-38 एएसडब्ल्यू एयरक्राफ्ट ने पैसिफिक फ्लीट के अचानक तय किये गए निरीक्षण के लिए उड़ान भरी, और पानी के नीचे के लक्ष्यों की खोज करने निकल पड़ा। आईएल-38 और आईएल-38 के क्रू सदस्यों ने रडार और जल ध्वनिक खोज उपकरणों यानि जल ध्वनिक खोज उपकरण का इस्तेमाल करके पानी के नीचे छुपे अपने टारगेट तलाश कर रहा है।

दुबई की रिहायशी बिल्डिंग में आग से 16 की मौत, चार भारतीय भी शामिल

दुबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दुबई की एक रिहायशी बिल्डिंग में आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में चार भारतीय भी शामिल हैं। आग के चलते नौ लोग घायल भी हुए हैं। रविवार को मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह खबर आई है। खबर के अनुसार, दुबई के अल रास इलाके में शनिवार रात करीब साढ़े बारह बजे रिहायशी इमारत में आग लगी। आग इमारत के चौथे फ्लोर पर लगी थी, जिसने इमारत के अन्य हिस्सों को भी चपेट में ले लिया।

मरने वालों में केरल के दंपति और तमिलनाडु के लोग शामिल

आग की सूचना मिलते ही दुबई सिविल डिफेंस के कर्मी मौके पर पहुंचे और आग को बुझाने की कोशिश की। साथ ही नजदीकी इमारतों से लोगों को सुरक्षित निकाला गया। आग की सूचना पाकर पोर्ट सईद फायर स्टेशन और हमरिया फायर स्टेशन के कर्मी भी घटनास्थल पहुंचे। देर रात करीब ढाई बजे आग पर काबू पा लिया गया। दुबई में रहने वाले भारतीय नसीर वातनपल्ली ने बताया कि मरने वालों में चार भारतीय शामिल हैं।

जिनमें केरल के दंपति और दो अन्य लोग तमिलनाडु के हैं। पाकिस्तान के तीन चचेरे भाई और एक नाइजीरियाई महिला की भी इस हादसे में मौत हुई है। भारतीय दूतावास की मदद से शवों को भारत भेजने की कोशिश की जा रही है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि इमारत में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है।

पीएम फुमियो किशिदा पर हमला करने वाले संदिग्ध के घर तलाशी

पुलिस ने आस-पास के लोगों को किया अलर्ट

टोक्यो, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जापान में पुलिस जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के भाषण से पहले बम फेंकने वाले व्यक्ति के घर की तलाशी कर रही है। इस बात की जानकारी एनएचके वर्ल्ड-जापान की रिपोर्ट में दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल से ही संदेह में किमुरा रियाजी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने संदिग्ध किमुरा रियाजी के पड़ोसियों को दूर रहने का आग्रह किया है, क्योंकि उन्हें इस बात का खतरा है कि जैसे शनिवार को घटना हुई है, ऐसी फिर से हो सकती है। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, किमुरा रियाजी ह्योगो प्रान्त का एक 24 वर्षीय व्यक्ति है। संदिग्ध ने कथित तौर पर कहा है कि वह केवल अपने वकीलों की उपस्थिति में पूछताछ में किए गए सवालों के जवाब देगा। जापानी पीएम फुमियो किशिदा आगामी लोअर हाउस उपचुनाव में एक सीट के लिए उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए वाकायामा प्रीफेक्चर के एक बंदरगाह का दौरा कर रहे थे। इस दौरान जैसे ही पीएम किशिदा अपने भाषण की शुरुआत करने गए, भीड़ में एक संदिग्ध वस्तु फेंकी गई, जिसमें विस्फोट हो गया। हालांकि, इस घटना के तुरंत बाद ही सुरक्षाकर्मियों ने पीएम किशिदा को घटनास्थल से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अधिकारियों के मुताबिक, एक पुलिस अधिकारी को मामूली चोटें आई है। जांचकर्ताओं के अनुसार, घटनास्थल पर ऐसी दो संदिग्ध वस्तुएं मिलीं। इनमें से एक में विस्फोट हो गया था, जबकि दूसरा संदिग्ध के पास मिला, जब उसे गिरफ्तार किया गया था। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ता विस्फोटक उपकरणों की संरचना का विश्लेषण कर रहे हैं, उन्हें संदेह है कि उपकरण लोहे के पाइप बम हो सकता है। हमले के बाद जापान के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके पर प्रसारित एक भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि पुलिस विस्फोट की जांच कर रही है।

ऐसी स्थिति के लिए हम माफी मांगते है। साथ ही, उन्होंने कहा, हम अपने देश के लिए एक महत्वपूर्ण चुनाव लड़ रहे हैं। एनएचके द्वारा जारी किए गए वीडियो फुटेज में जनता को इधर-उधर भागते हुए और घटना के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार करते हुए दिखाया गया है। सीएनएन ने बताया कि फुटेज में दिखाया गया है कि कई लोग संदिग्ध को जमीन पर पकड़े हुए पुलिस अधिकारी माने जा रहे हैं। अन्य तस्वीरों में एक सिल्वर सिलेंडर दिखाया गया है, जो भाषण के पहले किशिदा की ओर फेंका गया था।

चलते-फिरते नौजवानों की मौत, पहली बार जानें मृतकों की मेडिकल हिस्ट्री

कभी कोविड नहीं हुआ, वैक्सीन के दोनों डोज लिए; बूस्टर डोज लेने वाले दिन भी मौत

भोपाल, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले दिनों में मध्यप्रदेश में चलते-फिरते, नाचते-गाते हार्ट अटैक से हुई मौतों के कई मामले सामने आए। ताजा केस 12 अप्रैल का है... भोपाल में 27 साल का सौरभ मीना जिम से बाहर निकला। उसे खांसी आई और मौत हो गई। 18 मार्च को पोस्ट ऑफिस डिपार्टमेंट भोपाल के असिस्टेंट डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार दीक्षित 'बस आज की रात है जिंदगी...' गाने पर डांस कर रहे थे। नाचते-नाचते अचानक गिर पड़े। 3 से 4 सेकंड में मौत हो गई। 22 मार्च को भोपाल में तैनात सीआरपीएफ हवलदार गिरीश चंद्र तिवारी जवानों को परेड कराते-कराते जमीन पर गिर पड़े और मौत हो गई। मौत की ये कहानियां हार्ट-अटैक का नया, चौंकाने और डराने वाला रूप बता रही है। कम उम्र में अटैक दबे पांव आ रहा है और कुछ ही पलों में मौत दे जा रहा है। हमने ऐसे 10 चौंकाने वाले मामलों की मेडिकल

हिस्ट्री निकाली। इसमें दो बातें कॉमन निकलीं। पहली, 10 में से 9 लोगों को कभी भी कोविड नहीं हुआ था लेकिन सभी ने वैक्सीन के दोनों डोज लगवा लिए थे। एक को कोविड हुआ, लेकिन शॉर्ट टाइम के लिए। एक केस तो ऐसा भी है कि जिस दिन बूस्टर डोज लगा, उसी दिन शाम को मौत हो गई। जान गंवाने वालों में युवाओं के साथ 8 साल का बच्चा तक शामिल है। पहले इस तरह की मौतों के लिए एक्सपर्ट्स सर्दी को जिम्मेदार बता रहे थे, लेकिन अब गर्मी के सीजन में भी इस तरह की मौतें हो रही हैं। 10 केस की मेडिकल हिस्ट्री निकालने के बाद हमने एम्स, हमीदिया और उबुन्तु हार्ट हॉस्पिटल भोपाल के हार्ट स्पेशलिस्ट्स से बात की। केंद्र सरकार भी ऐसी मौतों से चिंतित, आईसीएमआर को रिसर्च के लिए कहा हंसते-खेलते हो रही इस तरह की मौतों से केंद्र सरकार भी चिंतित है। कोरोना के बाद हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों से शक की सुई कोविड या उससे बचने के लिए ली गई दवाओं और वैक्सीन पर भी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) से मेयोकार्डियल इंफ्राक्शन यानी हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों के अध्ययन के लिए कहा है। मध्यप्रदेश में जो मौतें हुई हैं, उनमें से कई ने कोरोना की वैक्सीन या बूस्टर डोज लिए थे, लेकिन इनमें ज्यादातर को कोरोना हुआ ही नहीं था।

योगी के स्टाइल में माफिया-गैंगस्टर को गहलोत की चेतावनी

बोले- नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा, पुलिस झुकेगी नहीं, बदमाश भागते फिर रहे

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान के माफिया और गैंगस्टर को यूपी के सीएम आदित्यनाथ योगी के स्टाइल में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा- बदमाश ज्यादा दिनों तक पुलिस से भागकर नहीं रह सकते हैं। अच्छा होगा सरेंडर कर दें। वरना उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा।

बता दें कि योगी ने विधानसभा में कहा था- माफिया को मिट्टी में मिला दूंगा। सीएम अशोक गहलोत रविवार सुबह राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान कांग्रेस सरकार के मंत्री और विधायक भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

उन्होंने कहा- राजस्थान पुलिस ने पिछले डेढ़-दो माह में जिस तरह से बदमाशों को पकड़ कर सलाखों के पीछे डाला है, उससे बदमाशों में पुलिस का भय फैला

है। राजस्थान शांतिपूर्ण जगह है। यहां अपराध बहुत कम होते हैं। हमारा मकसद है कि प्रदेश अपराध मुक्त हो जाए। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इन दिनों पुलिस के एक्शन के बाद बदमाश माफी मांगते हुए वीडियो सोशल मीडिया में डाल रहे हैं। यह पहली बार देखने को मिला है।

गहलोत ने कहा- 'राजस्थान पुलिस झुकेगी नहीं' की तर्ज पर काम रही है। इसका परिणाम है कि बदमाश भागते फिर रहे हैं। पुलिस का रवैया बदमाशों के प्रति ऐसा ही रहा तो बदमाश को बदमाशी करने से पहले 100 बार सोचना पड़ेगा। पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है कि प्रदेश पूरी तरह से अपराध मुक्त हो जाए।

कार्यक्रम के दौरान डीजीपी उमेश मिश्रा ने बताया- 16 अप्रैल 1949 में राजस्थान पुलिस एकीकरण अध्यादेश जारी हुआ। इससे राजस्थान पुलिस की स्थापना हुई। वर्तमान में एक लाख 12 हजार फोर्स राजस्थान पुलिस के पास है। ये फोर्स कानून व्यवस्था को बनाए रखने के साथ ही हिंसा व अपराध की रोकथाम पर काम करती है।

सीएम ने परेड की सलामी ली

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित परेड की सलामी ली। प्रशिक्षु आईपीएस शहीन सी के नेतृत्व में परेड में आरएसी, आयुक्तालय, निर्भया स्क्वायड, हाड़ी रानी बटालियन, मेवाड़ भील कोर, यातायात पुलिस, एसडीआरएफ की टुकड़ियां शामिल रहीं।

वसुंधरा बोलीं- कांग्रेस की लापरवाही से हुई आतंकियों की रिहाई

राजे ने आरोपियों को फांसी दिलाने के लिए किया हनुमान चालीसा का पाठ

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर ब्लास्ट के आरोपियों की रिहाई के बाद विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ब्लास्ट पीड़ितों से मिल दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की। इस दौरान राजे ने चांदपोल हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर 80 दीपक भी जलाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतारा था। सिर्फ कांग्रेस की लापरवाही की वजह से उन्हें आज रिहाई मिल गई है। जबकि बीजेपी सरकार के राज में ही उन आतंकियों को पकड़ जेल में डाला गया था। जहां से कोर्ट ने उन्हें फांसी की सजा सुनाई थी।

राजे ने कहा- जयपुर धमाकों के आतंकियों के बरी हो जाने से पीड़ित परिवारों की व्यथा दोगुनी हो गई है। उनके दर्द को समझते हुए ही मैंने आज हनुमान मंदिर में आस्था के 80 न्याय दीप जलाए

हैं। श्री चांदपोल हनुमान मंदिर पहुंचकर आस्था के 80 न्याय दीप जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। मेरी हनुमान जी से बस यही प्रार्थना है कि 13 मई, 2008 को जयपुर में हुए सीरियल ब्लास्ट में 80 बेकसूर लोगों की निर्मम हत्या करने वाले आतंकियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा मिले।

इस दौरान राजे ब्लास्ट के पीड़ित परिवारों से भी मिली और उन्हें विश्वास दिलाया कि उनको न्याय जरूर मिलेगा। उनके पारिवारिक सदस्यों ने कहा कि आपकी भाजपा सरकार ने जब उन आतंकियों को जेल में डाला और निचली अदालत से उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई, तो हमें न्याय मिलने की उम्मीद जगी। लेकिन अशोक गहलोत की सरकार ने पूरे देश में दहशत फैलाने वाले इस खौफनाक प्रकरण की जान बूझ कर ढंग से पैरवी ही नहीं करवाई। इस कारण सभी आतंकी बरी हो गए और कांग्रेस के राज में न्याय की उम्मीदें दम तोड़ने लगी।

इससे पहले जयपुर बम ब्लास्ट के आरोपियों की रिहाई के बाद 13 अप्रैल को पीड़ित परिवार के सदस्यों ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की थी। जयपुर के सांगानेरी गेट मंदिर के पास मृतक ताराचंद की पत्नी राजेश्वरी देवी और चांदपोल हनुमान जी मंदिर के पास मृतक पीड़ित मुकेश तिवारी के पुत्र अभिनव तिवारी ने शीर्ष अदालत में एसएलपी दायर की थी। इस दौरान उनके साथ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और अरुण चतुर्वेदी भी पीड़ित परिवार के सदस्यों के साथ मौजूद थे।

विधायकों से वन टू वन फीडबैक लेगें रंधावा, गहलोत, डोटासरा

लोकलुभावन योजनाओं को वोटों में बदलने के लिए विधायकों को मिलेगा टास्क

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। आपसी खींचतान के बीच अब कांग्रेस विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटने जा रही है। सरकार के कामकाज और बजट की लोकलुभावन घोषणाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए अब विधायकों को टास्क दिया जा रहा है। कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, सीएम अशोक गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा 17, 18 और 20 अप्रैल को विधायकों से वन टू वन बातचीत करके उनका मन टटोलेंगे। कांग्रेस वॉर रूम में बैठकों का दौर चलेगा।

वन टू वन फीडबैक में कांग्रेस विधायकों के साथ निर्दलीय और समर्थक विधायकों को भी बुलाया गया है। लंबे समय बाद होने जा रहे इस फीडबैक को काफी अहम माना जा रहा है। प्रभारी, सीएम और प्रदेशाध्यक्ष विधायकों से उनके इलाके के राजनीकि हालात

के साथ आगे किए जाने वाले कामों पर फीडबैक लेंगे। मुख्य फोकस 24 अप्रैल से शुरु होने जा रहे महंगाई राहत शिविरों पर रहेगा। बजट की लोकलुभावन घोषणाओं से ज्यादा से ज्यादा जोड़कर सरकार के कामों का जनता में प्रचार करने का टास्क विधायकों को मिलेगा। इस फीडबैक का मुख्य मकसद यही है।

17 से 20 अप्रैल तक विधायकों से फीडबैक

जयपुर के कांग्रेस वॉर रूम में तीन दिन तक विधायकों से फीडबैक के लिए वन टू वन बैठकों का दौर चलेगा। 17 अप्रैल को अजमेर, जोधपुर संभाग के विधायकों से फीडबैक लिया जाएगा। 18 को उदयपुर, कोटा, भरतपुर और 20 को बीकानेर और जयपुर संभाग के विधायकों के साथ वन टू वन फीडबैक होगा।

17 अप्रैल को अजमेर, टोंक, नागौर, भीलवाड़ा, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, पाली, सिरोही और जालौर जिलों के विधायकों से वन-टू-वन बातचीत होगी। 18 अप्रैल को उदयपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमन्द, कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़, भरतपुर, धौलपुर, करौली और सवाईमाधोपुर जिलों के विधायकों को बुलाया है। 20 अप्रैल को बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, अलवर, दौसा, सीकर और झुन्झुनूं जिलों के विधायकों से वन-टू-वन चर्चा होगी।

चुनावी रणनीति बनाने 19 को कांग्रेस की वर्कशॉप

कांग्रेस की चुनावी रणनीति बनाने और सरकार की लोकलुभावन योजनाओं को वोटों में बदलने की रणनीति बनाने के लिए जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में 19 अप्रैल को 11 बजे से एक दिन की वर्कशॉप होगी। इस वर्कशॉप में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और वरिष्ठ मंत्री नेताओं को चुनावी टिप्स देंगे।

कांग्रेस की इस वर्कशॉप में मंत्री, विधायक, सांसद, हारे हुए सासंद-विधायक उम्मीदवार, एआईसीसी और पीसीसी डेलीगेट्स, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक,पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, कांग्रेस के जिला प्रमुख, प्रधान, कांग्रेस के विभाग प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष सतर के नेताओं को बुलाया है।

मंत्री खाचरियावास बोले-पायलट बीजेपी में नहीं जाएंगे, मेरी बात हुई

पायलट का बीजेपी के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाना गलत नहीं

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सचिन पायलट के मुद्दे पर कांग्रेस में अंदरूनी राजनीति तेज हो गई है। पायलट के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह के बयान के बाद खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने जवाब दिया है। खाचरियावास ने कहा- सचिन पायलट बीजेपी में नहीं जाएंगे। मेरी उनसे बात हुई है, मेरी उनसे बात होती रहती है। खाचरियावास जयपुर में कांग्रेस ओबीसी विभाग के सम्मेलन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

खाचरियाावास ने कहा-हमारे बीच कोई तकरार नहीं है। पहले भी हम साथ थे, तब सरकार बनी थी। अब भी हम साथ हैं, तो आगे भी सरकार बनेगी। खाचरियावास ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी के नेता बेवजह की अफवाहें फैलाते हैं। कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। पायलट ने बीजेपी के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी, बीजेपी के

भ्रष्टाचार की बात उठाना गलत नहीं है।

बीजेपी पर खाचरियाावास का तंज

खाचरियावास ने कहा- बीजेपी को गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। हमारे यहां उनकी तरह बोलने पर पाबंदी नहीं है। कांग्रेस में खुलकर डिश्कशन होता है और यहां सबको अपने विचार रखने की छूट है। बीजेपी की तरह कांग्रेस में तानाशाही नहीं चलती। कांग्रेस में खुले माहौल में चर्चा होती है और मतभेद व्यक्त करने के लिए यहां जगह है। चुनावों में हम एकजुटता से लड़ेंगे और जीतेंगे। कांग्रेस की स्थिति ग्राउंड पर बहुत अच्छी है। सरकार की योजनाओं से जनता को बहुत फायदा मिल रहा है। बीजेपी में भारी आंतरिक विरोध है।

गजेंद्र शेखावत ने कहा था- पायलट जनाधार वाले नेता

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पायलट को लेकर आज भरतपुर में कहा कि सचिन पायलट जनाधार वाले नेता हैं और ग्राउंड पर उनका आधार है। कोई भी जनाधार वाला नेता अगर पीएम मोदी का नेतृत्व स्वीकार करता है और पार्टी की रीति-नीति में विश्वास करता है तो हम बांहें फैलाकर उसका स्वागत करेंगे। सचिन पायलट के लिए भी यही बात लागू होती है।

जयपुर में अहीर समाज का शक्ति प्रदर्शन

नेता बोले- हमें गुर्जर-मीणा समाज से कम ना समझें, मांग नहीं मांगी को पटरी और सड़कों पर आएंगे

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में आज अहीर महासभा का जन जागृति सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जो वीटी ग्राउंड मानसरोवर में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मलेन में भाग लेने के लिए देशभर के नेता सहित समाज के लोग एकजुट हुए हैं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर परमवीर चक्र विजेता योगेंद्र यादव भी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं।

अहीर जन जागृति सम्मेलन के संयोजक इंद्र यादव ने कहा- वीर अहीर रेजिमेंट हमारा हक है। यदि सरकार हमारी मांगे नहीं मानती है तो पूरा समाज पटरी और सड़कों पर नजर आएगा। सरकार हमें गुर्जर और मीणा समाज से कम ना समझे। यादव कौम की मांग बिल्कुल जायज है।

बता दें कि अहीर समाज काफी

समय से अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग करता आ रहा है। अहीर समाज के देश प्रदेश के नेता और प्रबुद्ध जन समाज को एक जगह लाकर विचार-विमर्श कर सरकार के सामने अपनी बात रखेंगे।

राजस्थान में लगातार हो रहे आयोजन

राजस्थान में जैसे जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है। वैसे ही हर समाज अपने उचित प्रतिनिधित्व एवं ताकत दिखाने के उद्देश्य से ऐसे आयोजन करते आ रहे है। हाल ही में ब्राह्मण समाज द्वारा ब्राह्मण महासभा, राजपूत एवं सवर्ण समाज द्वारा केसरिया महापंचायत एवं एससीएसटी महापंचायत के माध्यम से अपने समाज की मांगों को राजनितिक पार्टियों के समक्ष रख रहे है। ऐसे में आज अहीर समाज द्वारा अहीर जन जागृति सम्मेलन किया जा रहा है।

अहीर समाज जन जागृति सम्मेलन के माध्यम से निम्न मांगों को रखेंगे सरकार के सामने

राष्ट्र रक्षा के बलिदान हेतु भारतीय सेना में अहीर रेजीमेंट का गठन हो। समाज के उचित प्रतिनिधित्व मिले। मान सम्मान स्वाभिमान एवं समाज के समग्र विकास हेतु श्री कृष्ण बोर्ड (अहीर विकास बोर्ड) का गठन।

1857 की क्रांति के महानायक अमर शहीद राजाराव तुलाराम के शहीदी दिवस 23 सितंबर को राजस्थान सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की जाए।

राजस्थान की राजधानी जयपुर के मुख्य मार्ग न्यू सांगानेर रोड को रेजांगला का नामकरण एवम रेजांगला स्मारक का निर्माण किया जाए ।

एक दिन में 125 करोड़ का बिजनेस, 15कि.मी लंबी लाइन

जीरा, ईसबगोल लेकर पहुंचे रिकॉर्ड किसान; शहर जाम, हजारों वाहन फंसे

मेड़ता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की मेड़ता (नागौर) अनाज मंडी में शनिवार को रिकॉर्ड संख्या में किसान फसल बेचने पहुंचे तो शहर जाम हो गया। हजारों की संख्या में ट्रैक्टर के कारण 15 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। यहां एक ही दिन में करीब सवा अरब से ज्यादा का बिजनेस हुआ। शनिवार सुबह से ही जिले भार से ईसबगोल, जीरा सहित दूसरे उत्पादनों से लदे वाहनों का मंडी पहुंचना शुरू हो गया था जो कि देर रात तक जारी रहा।

मेड़ता शहर के रहने वाले ऑनलाइन ट्रेडर मोहन मेहरिया का कहना है कि उन्होंने अपनी जिंदगी में इससे पहले कभी भी मंडी में अनाज की इतनी आवक नहीं देखी। आवक ऐसी हुई कि पूरा शहर ही थम सा गया है। सुबह 10 बजे से ही जाम के हालात बनने

शुरू हो गए। दोपहर होते-होते 15 किमी के दायरे में सिर्फ जीरा, ईसबगोल, रायड़ा, सौंफ सहित अन्य कृषि जिंसों से लदी ट्रैक्टर ट्रॉलियां ही ट्रॉलियां नजर आ रही थीं। नागौर रोडः मेड़ता कृषि मंडी से नागौर रोड की तरफ मंडी, पंचायत समिति, नगरपालिका, रेणी गेट, मेला मैदान, पुलिस थाना से होते हुए रेण गेट तक करीब 4 किमी लम्बा जाम लग गया।

मेड़ता रोड मार्गः इस मार्ग पर मंडी से लेकर बजाज हीरो एजेंसी होते हुए मेड़ता रोड सड़क मार्ग पर करीब 5 किमी लम्बा जाम लग गया। राजकीय कॉलेज रोडः इस रोड पर मेड़ता मंडी से रीको इंडस्ट्रीज एरिया, राजकीय पीजी महाविद्यालय, उप कारागृह, जोधपुर रोड की तरफ 4 किमी लम्बा जाम लग गया।

सोगावास रोडः मंडी से बजाज एजेंसी, सोगावास होते हुए मेला मैदान की तरफ 3 किमी लम्बा जाम लग गया। इन सभी सड़कों पर सिर्फ अनाज से लदी ट्रैक्टर ट्रॉलियां और लोडिंग वाहन की नजर आ रहे थे। मंडी सचिव राजेंद्र कुमार रियाड़ के मुताबिक आज करीब 4 हजार से ज्यादा ट्रैक्टर ट्रॉलियां और लोडिंग वाहनों से किसान अनाज लेकर मेड़ता मंडी आए है। बंपर आवक की वजह से ट्रैफिक व्यवस्था का जिम्मा संभालने पूरा यातायात पुलिस थाना और सिविल पुलिस थाने के भी जवान दिनभर जुटे रहे। वहीं दूसरी तरफ आज शाम 4 बजे तक मंडी में जीरे के अधिकतम भाव 46 हजार रुपए प्रति क्विंटल रहे, वहीं ईसबगोल के अधिकतम भाव 24,500 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

3 पिस्तौल और देसी कट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

जोधपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट की नागौरी गेट थाना पुलिस ने डीएसटी टीम के साथ मिलकर कागा रोड पर शनिवार को एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 3 पिस्तौल और देसी कट्टा जब्त किया है। गिरफ्तार युवक से पूछताछ में मिली जानकारी के अनुसार नागौर पुलिस ने मौलासर में एक युवक को गिरफ्तार कर 2 हथियार जब्त किए।

पुलिस ने बताया डीएसटी टीम को एक युवक के पास अवैध हथियार होने की सूचना मिली। इस पर युवक की तलाश शुरू की गई। तलाशी के दौरान कागा रोड पर संदिग्ध नजर आए एक युवक को पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास 3 पिस्तौल और एक देसी कट्टा मिला। पुलिस ने युवक से अवैध हथियार जब्त कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर किया है।

पूछताछ में युवक ने अपना नाम रवि उर्फ रविंद्र सिंह पुत्र जय सिंह राजपूत निवासी सांखलों की ढाणी, थाना कल्याणपुरा जिला बाड़मेर बताया। इस दौरान उसने बताया कि उसने 2 हथियार नागौर जिले में मौलासर थाना क्षेत्र के भदलिया निवासी नरेंद्र सिंह को भेजे थे। इस पर नागौरी गेट थाना पुलिस ने मौलासर थाने को सूचना दी।

मौलासर थाना पुलिस ने नरेंद्र सिंह को पकड़ कर उसके कब्जे से 2 हथियार जब्त किए। पुलिस अब हथियार सप्लाई को लेकर रवि से पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी एसआई कन्हैयालाल, दिनेश डांगी, पुखराज, एएसआई राकेश सिंह, हेड कांस्टेबल ओमाराम, देवाराम, सुरेश, इमरान शामिल थे।

सूदखोर से परेशान युवक ने किया सुसाइड

एटीएम रख लिया, सैलरी आते ही निकाल लेता मृतक बोलता था- बच्चों को बेघर कर देगा

जयपुर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में सूदखोर से परेशान युवक ने सुसाइड कर लिया। उसने खुद के घर पर साड़ी का फंदा लगाया। सांस चलते देख पत्नी ने फंदे से उतारकर हॉस्पिटल पहुंचाया। हॉस्पिटल में मौत के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। नाहरगढ़ थाना पुलिस को मृतक की पत्नी ने बताया- नींद में भी जागकर पति कहते थे सूदखोर मुझे और मेरे बच्चों को बेघर कर देगा। मृतका की पत्नी की शिकायत पर शनिवार शाम पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसएचओ (नाहरगढ़) देवेन्द्र कुमार ने बताया- पुरानी बस्ती नाहरगढ़ रोड निवासी शुभाष उमरवाल (52) ने सुसाइड किया है। शुभाष नगर निगम में सफाई कर्मचारी था। वह अपनी पत्नी मीनू देवी और तीन बच्चों के साथ रहता था। 3 अप्रैल को तीनों बच्चों के साथ घर पर था।

एक साल की मादा लेपर्ड कैद

बकरियों का किया था शिकार, परेशान होकर लगाया था पिंजरा, अब जंगल में छोड़ा

अजमेर, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर जिले व आस पास के क्षेत्र में लेपर्ड का मूवमेंट लगातार जारी है। कई बार लेपर्ड देखे गए है और लेपर्ड ने जानवरों को अपना शिकार भी बनाया। अजमेर जिले से सटे राजसमन्द जिले की सीमा पर बकरियों का शिकार करने पर लगाए गए पिंजरे में एक साल की मादा लेपर्ड कैद हो गई। जिसे बाद में टाडगढ़-रावली अभ्यारण्य में छोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना है कि एक और लेपर्ड है और वे दहशत में है। ग्रामीण बहादुरसिंह ने बताया कि करीब डेढ़ माह से ग्राम लगेतखेड़ा के अथूण के पास चक्की का बाड़िया माइंस पर लंबे समय से लेपर्ड की चहल कदमी देखी जा रही थी। ये दो थे और करीब डेढ़ माह पहले बकरियों को अपना शिकार बनाया।

इसके बाद ग्रामीणों में दहशत हो गई और ऐसे में वन विभाग की टीम ने पिंजरा लगाया। एक सप्ताह बाद ही वन विभाग की टीम को सफलता मिली और शनिवार रात को पिंजरे में बांधे गए बकरे को खाने के लिए आया लेपर्ड पिंजरे में आ गया। जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

सिखवाल समाज द्वारा नानी बाई का मायरा कल से, हुई बैठक

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीखवाल समाज हैदराबाद द्वारा मंगलवार 18 अप्रैल से श्रृंगऋषि भवन पर नानी बाई का मायरा का शुभारंभ साय: 6 बजे से प्रारंभ होगा। प्रमुख भागवताचार्य भीलवाड़ा निवासी सूर्यप्रकाश पांड्या सिखवाल मायरे का रसपान कराएंगे। इसी संदर्भ में नेमिचंद पांड्या की अध्यक्षता में एक बैठक ऋषि श्रृंग भवन पर रखी गई। श्रृंग वंदना के पश्चात रामदेव नागला ने अभी तक कि गई तैयारियां का ब्यूरा दिया। वह तीन दिवसीय आयोजन सही ढंग से चलें विभिन्न समितियों का गठन किया।

बैठक में महाराज जी की देखरेख व व्यवस्था कि ज़िम्मेदारी रमेश्वरलाल जोशी व प्रभुदायल पांडिया को दी। मंच व्यवस्था व पूजन व्यवस्था मुरलीधर तिवारी-रामनिवास ओझा को सौंपा गया। कोषाध्यक्ष का भार नेमिचंद पंडिया व प्रभुदायल पांडिया को दिया गया। प्रचार प्रसार का जिम्मा नरेश पांडिया, संदीप जायलवाल, भागीरथ पांडिया, उषा उपाध्याय, शीला पांडिया, सिद्धि ओझा देखेंगे। प्रचार-प्रसार कार्यक्रम रामदेव नागला, मनोहर नागला, नरेश पांडिया, संदीप जायलवाल देखेंगे। प्रतिदिन प्रसाद वितरण पवन पुरोहित, दिनेश पांडिया, भागीरथ पांडिया, नटवरलाल व्यास व अन्य कि जम्मेदारी होगी!

कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता श्रीहरि किशन, पार्वती देवी व्यास, मुख्य यजमान बारास नेता नंदकिशोर, उमादेवी व्यास बिलाल, व समापन पर भंडारा के यजमान टीकमचंद् संध्या जोशी होंगे। प्रथम दिन 18 अप्रैल को प्रसाद के लाभार्थी रूपचंद् प्रेमलता व्यास व 19 अप्रैल को प्रसाद के लाभार्थी बेंकटलाल लक्ष्मीनारायण ओझा परिवार होंगे। कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने मे एडवोकेट नर्पत् शर्मा, संतोष पंडित, राजेश पंडित, आनंद कुमार ओझा, राहुल ओझा, किरण व्यास, अर्चना जोशी, इंद्रा कुरादिया, आराधना ओझा, किरण तिवारी, जमुना उपाध्याय, गायत्री तिवारी, संगीता पांडिया, रेखा उपाध्याय बिरातिया, अलकनंदा तिवारी, संतोष व्यास ठाकुर, राजेश्वरी उपाध्याय, दुर्गा ओझा, रेखा उपाध्याय जैतारन, गीता उपाध्याय, जानकी व्यास, शोभा उपाध्याय ने बैठक मे उपस्थित रहकर कार्य में सयोग का आश्वासन दिया। बैठक में सभी धर्मप्रेमी भाईयों को तीन दीन इस धर्मिक अर्नुष्ठान का लाभ लेने कि अपील कि गई। संदीप जायलवाल के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक का समापन हुआ।

खेलों के विकास के लिए विशेष कोष : सीईओ मधुकर नाइक

कैंटोनमेंट स्पोर्ट्स समर कैंप का उद्घाटन करते सीईओ मधुकर नाइक। उपस्थित हैं प्रभु कुमार, एम. लक्ष्मण रेड्डी, जम्पन्ना प्रताप व अन्य।

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी बोर्ड के सीईओ मधुकर नाइक ने कहा कि छावनी बोर्ड के भीतर खेलों के विकास के लिए विशेष धनराशि आवंटित की जाएगी और खेलों के विकास के लिए खेल मैदानों के विकास की योजना बनाई जाएगी। नि:शुल्क खेलकूद समर कैंप 2023 का आयोजन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप के मार्गदर्शन में बोइनपल्ली छावनी खेल मैदान में छावनी खेल संघ की देखरेख में किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को इस समर कैंप के उद्घाटन कार्यक्रम में छावनी सीईओ मधुकर नाइक मुख्य अतिथि थे। एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मर्री लक्ष्मण रेड्डी, फिस्ट बॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रघु चरण, मास्टर्स एथलेटिक एसोसिएशन के संयुक्त सचिव आर प्रभु कुमार के साथ 2023 समर स्पोर्ट्स कैंप का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सीईओ मधुकर नाईक वॉलीबॉल, क्रिकेट, कुश्ती में भाग लेने के अलावा कुछ देर के लिए फुटबॉल खिलाड़ी एक साथ वॉलीबॉल खेलने लगे। इस अवसर पर बोलते हुए सीईओ ने कहा कि बोइनपल्ली कैंटोनमेंट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रबंधन के तहत जम्पन्ना प्रताप के सहयोग से इस खेल मैदान में खेल आयोजित किए जा रहे हैं जैसे छावनी क्षेत्र में कहीं और नहीं है। उन्होंने कहा कि इस खेल मैदान के लिए स्वीकृत 40 लाख की धनराशि रुकी हुई है। इस पर जल्द कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सदस्य प्रभु कुमार, एम. लक्ष्मण रेड्डी व जम्पन्ना प्रताप ने सीईओ को धन्यवाद दिया। जम्पन्ना प्रताप ने घोषणा की कि वह जल्द ही ग्रीष्मकालीन फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करेंगे। सीईओ ने वॉलीबॉल मैच देखा और खिलाड़ियों को बधाई दी। इसी क्रम में प्रमुख उद्योगपति राघव रेड्डी ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि दी।

कार्यक्रम में राघव रेड्डी, मोहन कुमार, नागेश्वर राव, प्रसाद राव, दुर्गा सहित खेल संघ के सदस्य जगदीश, सत्यनारायण, जयराज, मुनिराज, स्टेनली, रवि आदि उपस्थित रहे।

डायस्पोरा पीआर नई बड़ी चीज : डॉ वेदमूर्ति सर्वोतम

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. वेदमूर्ति ने कहा कि डायस्पोरा पब्लिक रिलेशन व्यापार और राजनीतिक लाभों के लिए डायस्पोरा आबादी तक प्रभावी ढंग से पहुंचने के लिए सबसे उभरती हुई प्रवृत्ति है और भारत में विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को इस उभरते हुए क्षेत्र में पेशेवरों की कमी को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए। रविवार को नेशनल पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) हैदराबाद चैप्टर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस समारोह के हिस्से के रूप में "डायस्पोरा पीआर में नए रुझान" पर एक वेबिनार को संबोधित करते हुए, डॉ. वेदमूर्ति ने कहा कि कम संख्या में जातीय समूह जो छोड़ गए दूसरे देश को घर बनाने के लिए उनकी मातृभूमि क्रय शक्ति और नीति को प्रभावित करने में शक्तिशाली हो गई। वे प्रीमियम उत्पादों को खरीदने वाले अपनाने वाले देशों में शीर्ष 10 प्रतिशत कमाने वाले बन गए। यह

प्रवासी बाजार खंड बन गया जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण संभावना है। निगमों ने डायस्पोरा पीआर और मार्केटिंग शुरू की कुशल कर्मचारियों वाले विभाग जो इस समूह से जुड़ सकते हैं। भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध इस प्रक्रिया में व्यावसायिक विकास के लिए सेतु बन गए। सत्र की अध्यक्षता करने वाले पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. रामू सुरवजुला ने कहा कि निजी और सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों को प्रवासी पीआर के महत्व को समझना चाहिए और बिना देरी किए एक उपयुक्त पाठ्यक्रम के साथ आना चाहिए। इस व्याख्यान की संकल्पना राष्ट्रीय पीआर दिवस के लिए इस वर्ष की पीआरएसआई थीम- "जी-20 और भारतीय मूल्य और पीआर परिप्रेक्ष्य" के अनुरूप की गई थी। पीआरएसआई के राष्ट्रीय महासचिव वाई.बाबजी ने कहा कि पीआरएसआई सार्वजनिक महत्व के मुद्दों और विषयों को संगठन के वार्षिक समारोहों के विषय के रूप में लेने में सबसे आगे रहा है। पीआरएसआई के उपाध्यक्ष (दक्षिण) यू.एस. सरमा ने उद्घाटन भाषण दिया, जबकि हैदराबाद चैप्टर के सचिव श्री के. यदगिरी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। ऑनलाइन सेशन में कई वर्किंग और रिटायर्ड पीआर और कॉरपोरेट कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया।

बढ़ती गर्मी में लोगों को आराम के लिए भंडारा चौक रिकाबगंज पर कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन द्वारा राम रस सेवा का आयोजन किया गया। इसमें भाग लेते हुए पंकज कुमार अग्रवाल, सुनील, शिवराम, बालाजी व अन्य।

मदनूर मंडल के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं जुक्कल विधायक : हनमनलू

मदनूर, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी-मदनूर मंडल अध्यक्ष हनमनलू के नेतृत्व में तीन दिन पहिले आबेडकर जयंती के अवसर पर मदनूर मंडल केंद्र के साथ साथ विविध गांव में डबल बेडरूम मकान निर्माण के लिए स्थानीय तहसील कार्यालय मैदान में तीसरे दिन के भूख हड़ताल में हन्मनलू ने बताया कि 2019 के विधानसभा चुनाव में मदनूर मंडल की जनता जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे को 10 हजार वोट ज्यादा देकर विजय किया था। चुनाव जीतने के बाद मदनूर मंडल के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। मदनूर मंडल को शिंदे ने विकास के नाम पर धोका दिया। विधायक चुनाव से पहले जनता को आश्वाशन दिया था कि मदनूर में डिग्री कॉलेज, रोड निर्माण के साथ सेंट्रिंग लाईटिंग, सौ बिस्तर वाला दवाखाना, नूतन विश्राम गृह, सोया मिल, गरीब जनता को डबल बेडरूम, मिशन भगीरथ के साथ ऐसे अनेक विकासात्मक कार्य किये जाएंगे। किंतु जीत के बाद विधायक सब भूल गये और वे सिर्फ संपत्ति जमा करने में लगे हुए हैं। उन्होंने विधायक को चेतावनी देते हुए बताया कि आपने चुनाव से पहले जनता को जो आश्वाशन दिया था, वह जल्द से जल्द पूरा करें, वरना मदनूर मंडल की जनता आप को माफ नहीं करेगी।

किशन रेड्डी के प्रयासों से सबरीमाला में ग्रीनफ़ील्ड हवाई अड्डा तैयार हुआ

नई दिल्ली/हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी के प्रयासों से केरल राज्य के सबरीमाला मंदिर में ग्रीनफ़ील्ड हवाई अड्डा तैयार हो गया है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी किशन रेड्डी की एक याचिका के बाद सबरीमाला में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा स्थापित करने पर सहमत हुए। उन्होंने अपने मंत्रालय और सभी अयप्पा भक्तों की ओर से पीएम को धन्यवाद दिया। उन्होंने हवाई अड्डे की स्थापना में सहयोग देने के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी धन्यवाद दिया। आज एक बयान में, किशन रेड्डी ने कहा कि लगभग एक करोड़ अयप्पा भक्त हर साल सबरीमाला जाते हैं और कहा कि दो तेलुगु भाषी राज्यों-तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के भक्त हर साल दिसंबर और जनवरी में मंडल दीक्षा का पालन करते हैं।

सबरीमाला में एक हवाई अड्डे की मांग को देखने के बाद, रेड्डी ने नरेंद्र मोदी के साथ इस मुद्दे को उठाया, जिन्होंने हवाई अड्डे की स्थापना के लिए अपनी सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी। पीएम ने हवाई अड्डे की स्थापना के लिए साइट क्लीयरेंस के लिए अपनी हरी झंडी दे दी।

किशन रेड्डी ने कहा कि पीएम मोदी पीएम बनने के बाद से हवाई यात्रा को सस्ता करने का प्रयास कर रहे हैं और कहा कि मोदी ने अपने पिछले आठ वर्षों के शासन में हवाई अड्डों की कुल संख्या को दोगुना कर दिया है।

उन्होंने कहा कि देश में अब कुल 150 हवाई अड्डे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देश के सभी धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने पर ध्यान दे रही है।

छावनी बोर्ड में चौथी बस्ती निद्रा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष मन्ने कृशांक द्वारा लगभग 300 स्थानीय लोगों के साथ चौथा बस्ती निद्रा कार्यक्रम सफलतापूर्वक वार्ड 1 छावनी के चिन्नाथोकट्टा में आयोजित किया गया। बस्ती निद्रा कार्यक्रम के तहत अध्यक्ष कृशांक ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। बस्ती में स्थानीय लोगों ने महिलाओं के लिए उनके स्वरोजगार के लिए ऋण बुजुर्गों के लिए पेंशन, अकेली महिलाओं के लिए और जीओ 58, 59 के तहत आने वाली भूमि के लिए पट्टा आवंटन का अनुरोध किया। बाद में, अध्यक्ष कृशांक को पता चला कि एक महिला के परिवार के दामाद, जिन्होंने बस्ती निद्रा में भाग लिया था, की एक सप्ताह पहले अचानक मृत्यु हो गई थी, तुरंत उन्हें आर्थिक सहायता के रूप में 10 हजार का चेक सौंपा गया। अध्यक्ष कृशांक ने संबंधित मंत्रियों व अधिकारियों से बात कर जल्द से जल्द मामले को सुलझाने का आश्वासन दिया।

नि:शुल्क राशन किट वितरण शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नारायण सेवा संस्थान उदयपुर व हैदराबाद शाखा के तत्वावधान में नि:शुल्क राशन किट वितरण शिवार का आयोजन रामगोपालपट सिकंदराबाद स्थित मारवाडी हिन्दी विद्यालय के परिसर मे सम्पन्न हुआ। संस्थान के हैदराबाद शाखा के सदस्य अभय चौधरी व शाखा प्रबंधक महेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि पद्मश्री डॉ. कैलाश मानव, संस्थान की अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल एवं निदेशक पलक अग्रवाल की प्रेरणा से आयोजित नि:शुल्क राशन किट वितरण शिविर कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में लव फॉर काऊ फाउण्डेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश रमेश जागीरदार, सिकंद्राबाद जैन संघ के संघपती शासनसेवी संपतराज कोठारी, श्री राजस्थानी मूर्तिपूजक जैन संघ के अध्यक्ष योगेश गांधी, अखिल भारत हिन्दू महासभा राष्ट्रीय मंत्री स्वामी कमलेश महाराज, भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय सुराणा, श्री जैन सेवा संघ के कार्यकारीण सदस्य गौतम गांधी, नारायण सेवा संस्थान की उपाध्यक्ष अलका चौधरी, भारतीय जैन संघठना महिला विभाग की संयोजीका ममता सांखला, समाजसेवी पुरशोत्तम सोनी, जैन युवारत्न धीरज पारेख, मना महिला मंडल की अध्यक्ष सुमित्रा आदि ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की साप्ताहिक बैठक रविवार को आयोजित की गयी। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में लगभग 10 अभिभावकों द्वारा उनके लड़के तथा लड़कियों के बायोडेटा उपलब्ध करवाए गए। हमें अग्रबंधुओं के बायोडेटा प्राप्त हो रहे हैं। अभी हमारे पास बालकों के 23 to 45 वर्ष तक उम्र के डिग्री से लेकर प्रोफेशनल कोर्स तक पढ़ाई के तथा व्यवसाय के अतिरिक्त नाकरी करने वाले ज़ीरो बजट से लेकर अधिकतम बजट वालों के बायोडेटा उपलब्ध है। कुछ बायोडेटा अमेरिका, दुबई, ऑस्ट्रेलिया आदि विदेश में कार्यरत बालकों के भी उपलब्ध है। सभी अग्रबंधुओं के विवाह योग्य बालक एवं बालिकाओं के अभिभावकों से आग्रह है कि वे उनके बायोडेटा लाकर उनके उपयुक्त जोड़े हेतु बालकों के बायोडेटा देख कर पसंद करें ताकि उनके विवाह सम्बन्ध हेतु कोशिश की जा सके। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों एवं शाखाओं के सदस्यों से विनम्र आग्रह है कि वे समाज द्वारा उपलब्ध नि:शुल्क सेवा का लाभ प्राप्त करें।

अज्ञात महिला का शव मिला

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद इलाके में एक अज्ञात महिला का शव मिला है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह आत्महत्या थी या हत्या। आरजीआईए पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों को शमशाबाद में सर्विस रोड से सटे एक रियल एस्टेट उद्यम में महिला का अत्यधिक सड़ा हुआ शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस क्रू ज समेत मौके पर पहुंच गई। आरजीआईए पुलिस ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है। शव को उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और पीड़ित की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

बेगम बाजार स्थित श्रृंगऋषि भवन में परिहार परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित रड़मलसिंह, जितेन्द्रसिंह परिहार, संत श्री राजाराम कलबी समाज ट्रस्ट अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी, छैलसिंह राठौड़, छत्रसिंह राठौड़ व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हत्यारे बोले...

पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने बताया है कि उन्होंने मशहूर होने के लिए अतीक और अशरफ को खत्म किया। हालांकि, यह बात कुछ खास पचती नहीं है। अब तक सामने आई खबरों से यह भी साफ है कि अतीक और अशरफ से इन हमलावरों की निजी रंजिश नहीं थी। इन्होंने हत्या के लिए जिगाना मेड पिस्टल का इस्तेमाल किया। इस तरह की पिस्टल तुर्की में बनती है। गैर-कानूनी तरीके से यह भारत में आती है।

ऐसी पिस्टल पर भारत में बैन है। इसकी कीमत 6 से 7 लाख रुपये है। सवाल यह भी है कि 6 से 7 लाख रुपये की पिस्टल ऐसे फक्कड़ों के पास कैसे पहुंच गई। जब इन पिस्टलों पर बैन है तो ये भारत में आईं कैसे? क्या ये हमलावर कहीं बाहर भी गए थे? क्या इसमें और भी लोगों का इनवॉल्वमेंट है? तीनों हमलावर अलग-अलग शहरों से हैं, इनमें लिंक कैसे बना? प्रयागराज में रुकने के लिए जिस होटल को उन्होंने अपना ठिकाना बनाया, तीनों एक साथ यहां पहुंचे कैसे? ऐसे बहुत से सवाल हैं जिनके पुलिस तो जवाब तलाशने हैं।

कौन है गुड्डू ...

जब उसने 1997 में लखनऊ के चर्चित लामार्टीनियर स्कूल के गेम टीचर फेड्रिक जे गोम्स की हत्या कर दी। इस मामले में गुड्डू गिरफ्तार भी हुआ था। गुड्डू के साथ राजा भार्गव और धनंजय सिंह को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया था। कहा तो ये भी जाता है कि पुलिस के सामने गुड्डू ने अपना गुनाह भी कबूल कर लिया था, लेकिन इसके बावजूद कोर्ट में पुलिस तीनों को दोषी साबित नहीं कर पाई। तीनों बरी हो गए।

इस दौरान गुड्डू ने एक और हत्या का जुर्म कबूला था। तब उसने बताया था कि फैजाबाद के ठेकेदार संतोष सिंह को भी उसी ने मारा था। गुड्डू ने ये भी बताया कि कैसे संतोष को उसने जहर दिया और उसकी लाश रायबरेली में छोड़ दी। इसके बाद उसकी कार, राइफल और पैसे लूट लिए।

इसी हत्या के बाद अभय और धनंजय के बीच दुश्मनी बढ़ी। 26 साल बाद भी वो एक दूसरे के दुश्मन हैं। इस हत्या के बाद गुड्डू धनंजय का और भी ज्यादा करीबी हो गया।

लखनऊ में रहते हुए गुड्डू जुर्म की दुनिया का बड़ा नाम बन गया। उन दिनों लखनऊ में एक और नाम की तूती बोलती थी। वह नाम था, बाहुबली विधायक अजीत सिंह का। रेलवे मोबाइल टॉवर लगाने के सभी ठेके अजीत को ही मिलते थे। धनंजय इन ठेकों को हासिल करना चाहता था और इसके लिए उसने गुड्डू का सहारा लिया।

कहा जाता है कि गुड्डू ने विभाग के अधिकारियों को अपहरण करना शुरू कर दिया। उन्हें हत्या की धमकी देकर टेंडर अपने कब्जे में ले लेता था। गुड्डू कोई भी टेंडर पूल कराने वाला बड़ा नाम बन चुका था। उसके एक इशारे पर सरकारी टेंडर यहां से वहां हो जाते थे। साल 1997 में बसपा सरकार के दौरान राज्य निर्माण निगम के इंजीनियर को बीच सड़क पर गुड्डू ने गोलियों से भून दिया गया। इस हत्या में धनंजय सिंह के साथ गुड्डू मुस्लिम भी आरोपी बनाया गया था।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की सप्ताहिक बैठक संपन्न

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक सिकंदराबाद में दुर्गा प्रसाद बंसल (चेयरमैन) की अध्यक्षता में उनके प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। प्रेस में जारी विज्ञप्ति मैं पंकज कुमार संघी ने बताया कि करीब 28 से 30 अभिभावकों ने अपने पुत्र पुत्रियों का बायोडाटा आदान-प्रदान किया। पिछले सप्ताह एबीसी बायोडाटा कमेटी द्वारा दिए गए बायोडाटा में से दो संबंध पके हुए इसकी जानकारी अभिभावकों द्वारा दी गई.अग्रसेन बायोडाटा कमेटी द्वारा शुभकामनाएं प्रदान की गई। आज की बैठक में प्रमुख समाज सेवी एवं श्री श्याम मंदिर महिंद्रा हिल्स के परामर्शदाता अरुण कुमार डाकोतिया का सम्मान किया गया तथा एबीसी द्वारा मोमेंटो प्रदान किया गया। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल ने मुख्य अतिथि अरुण कुमार डाकोतिया के बारे में जानकारी दी और आभार प्रकट किया। अपने संबोधन में अरुण डाकोतिया ने कहा कि श्री अग्रसेन बायोडाटा कमेटी निस्वार्थ भाव से जो काम कर रही है, उसकी समाज में बहुत आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग इस कार्य में जुड़े और इसे आगे बढ़े और सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, संतोष देवी बंसल, उमाशंकर गोयनका, परुषोत्तम गुप्ता, सुनील अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, रमेश मित्तल, अरविंद गोयल, मनीष अग्रवाल, रविंदर अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंघल, आनंद अग्रवाल, पवन सरावगी, जीवन अग्रवाल, श्रीमती कांता अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, भूपेंद्र अग्रवाल, विनय अग्रवाल, श्रीमती किरण गोयल, मोहित गोयल ने सभी ने अपना योगदान दिया।

मुंबई ने कोलकाता को 23वीं बार हराया

5 विकेट से जीते, अय्यर के शतक पर भारी पड़ा ईशान का अर्धशतक

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में वानखेड़े के मैदान पर कोलकाता की जीत का इंतजार बढ़ा दिया है। टीम ने नाइट राइडर्स को मौजूदा सीजन के तीसरे सुपर संडे के पहले मैच में 5 विकेट से हरा दिया है। दिन का दूसरा मुकाबला अहमदाबाद में डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात और राजस्थान के बीच चल रहा है। पढ़ें मैच रिपोर्ट

यह MI की KKR पर 23वीं जीत है। दोनों के बीच अब तक 32 मैच खेले गए हैं। मौजूदा सीजन की बात करें तो यह मुंबई की लगातार दूसरी जीत है। टीम पॉइंट्स टेबल के 8वें नंबर पर है। देखें पॉइंट्स टेबल

अपने होम ग्राउंड पर मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 185 रन बनाए। 186 रन का टारगेट मुंबई के बल्लेबाजों ने 17.4 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया।

भारी पड़ी ईशान की पारी

ईशान किशन ने 25 गेंद पर 58 रन की तूफानी पारी खेली। यह पारी वेंकटेश अय्यर के शतक पर भारी पड़ गई। ईशान ने रोहित के साथ 29 गेंद में 65 रन की विस्फोटक ओपनिंग साझेदारी कर आधा काम कर दिया। बचा हुआ काम सूर्या और तिलक वर्मा की अर्धशतकीय साझेदारी ने कर दिया।

ऐसे गिरे मुंबई के विकेट

पहला : 5वें ओवर की 5वीं बॉल पर सुयश ने रोहित शर्मा को उमेश यादव के हाथों कैच कराया।

दूसरा : 8वें ओवर की तीसरी बॉल पर वरुण चक्रवर्ती ने ईशान किशन को बोल्ड कर दिया।

तीसरा : 14वें ओवर की 5वीं बॉल पर सुयश शर्मा ने तिलक वर्मा को बोल्ड कर दिया।

चौथा: 17वें ओवर की तीसरी बॉल पर शार्दूल ठाकुर ने सूर्या को गुरबाज के हाथों कैच कराया।

पांचवां : 18वें ओवर की दूसरी बॉल पर लोकी फर्ग्युसन ने नेहल वाधेरा को गुरबाज के हाथों कैच कराया।

तिलक-सूर्या की अर्धशतकीय साझेदारी

रोहित और ईशान के आउट होने के बाद तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने 38 बॉल पर 60 रनों की अर्धशतकीय साझेदारी की। इस साझेदारी को सुयश ने तिलक को बोल्ड कर तोड़ा। सुयश ने रोहित को बोल्ड कर ओपनिंग साझेदारी भी तोड़ी थी।

मुंबई की तूफानी शुरुआत, रोहित का विकेट गंवाया

पावरप्ले में मुंबई ने तूफानी शुरुआत की। इम्पैक्ट प्लेयर रोहित शर्मा और ईशान किशन की जोड़ी ने 29 गेंद पर 65 रन की ओपनिंग साझेदारी की। यहां रोहित शर्मा 20 रन बनाकर आउट हुए। वे इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेल रहे हैं।

सीजन में पहली बार किसी टीम का रेगुलर कप्तान इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरा, हालांकि इस मैच में मुंबई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ही कहे जाएंगे, क्योंकि उन्होंने टॉस कराया है।

अय्यर के आईपीएल करियर का पहला शतक, कोलकाता ने बनाए 185 रन ।

मुंबई के वानखेड़े मैदान पर कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 185 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर ने 104 रनों की आक्रमक पारी खेली। ल

`फ्टी बैटर ने अपनी पारी में 6 चौके और 9 छक्के जमाए। वहीं, मुंबई के ऋतिक शौकीन ने दो विकेट लिए।

कोहली-गांगुली ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया

अनुज रावत का बेहतरीन रनआउट, अनुष्का शर्मा पहुंचीं मैच देखने; देखें मोमेंट्स

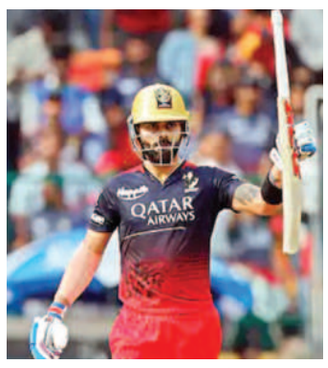

बेंगलुरु, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में शनिवार को डबल हेडर खेला गया। पहले मुकाबले में आरसीबी ने डीसी को 23 रन से हराया। पहली पारी में विराट कोहली ने हाफ सेंचुरी जमाई। वहीं दूसरी पारी में दिल्ली का टॉप आर्डर पूरी तरह फेल हो गया।

मैच के बाद विराट कोहली और सौरव गांगुली ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। अनुज रावत का शानदार रनआउट थ्रो देखने को मिला, वहीं अमन खान ने डु प्लेसिस का शानदार कैच पकड़ा। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे।

अमन खान ने पकड़ा डु प्लेसिस का फ्लाइंग कैच

दिल्ली कैपिटल्स के अमन खान ने बेंगलुरु के ओपनर फाफ डु प्लेसिस का शानदार फ्लाइंग कैच पकड़ा। पांचवें ओवर में मिचेल मार्श की चौथी बॉल पर डु प्लेसिस ने मिडविकेट पर खेलने की कोशिश की। मिडविकेट पर खड़े अमन खान ने अपना दायां हाथ निकालते हुए कैच लपक लिया।

अनुष्का शर्मा मैच देखने पहुंचीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस और विराट कोहली की पत्नी आरसीबी का मैच देखने चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंची। विराट के अर्धशतक जमाने पर अनुष्का ने सेलिब्रेट भी किया। वह अक्सर बेंगलुरु का मैच देखने स्टेडियम पहुंचती हैं।

अनुज रावत ने की शानदार फील्डिंग

बेंगलुरु के अनुज रावत ने दूसरी पारी के पहले ही ओवर में RCB को विकेट दिला दिया। पहले ओवर में मोहम्मद सिराज की चौथी बॉल पर पृथ्वी शॉ ने ड्राइव खेला और रन लेने के लिए दौड़ पड़े।रावत ने कवर्स पोजीशन पर डाइव मारकर बॉल पकड़ी और थ्रो भी फेंक दिया। थ्रो से बॉल स्टंप्स पर लगी और पृथ्वी को पवेलियन लौटना पड़ा।

बीसीसीआई सचिव - अध्यक्ष रोजर मैच देखने पहुंचे

बीसीसीआई सचिव जय शाह और अध्यक्ष रोजर बिन्नी भी चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल मैच देखने पहुंचे। रोजर बिन्नी का जन्म बेंगलुरु में ही हुआ है। वह बेंगलुरु में ही रहते हैं।

कोहली-गांगुली ने नहीं मिलाया हाथ

मैच खत्म होने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी लाइन बनाकर एक-दूसरे से हाथ मिलाने लगे। यहां दिल्ली कैपिटल्स टीम के कोच सौरव गांगुली और RCB के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। मीडिया रिपोर्ट्स में कुछ दिनों पहले दोनों के बीच अनबन की खबरें भा सामने आई थीं।

दूसरे टी20 में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 38 रन से हराया

बाबर ने खेली नाबाद 101 रन की पारी, रऊफ ने झटके 4 विकेट

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 38 रनों से हराया। कप्तान बाबर आजम ने नाबाद 101 रन की पारी खेली। वे प्लेयर ऑफ द मैच रहे। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 192 रन बनाए।

जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 7 विकेट खोकर 154 रन ही बना सकी। बल्लेबाजी में कप्तान आजम के कमाल के बाद गेंदबाजी में हारिस रऊफ ने कीवी बल्लेबाजों को क्रीज पर जमने नहीं दिया और 4 खिलाड़ियों को पवेलियन की राह दिखाई।

बाबर और रिजवान की अच्छी शुरुआत

बाबर आजम रहे मैन ऑफ द मैच

गेंद-58 | रन 101*

पहले टी-20 में जल्दी आउट होने वाले कप्तान बाबर और विकेट कीपर रिजवान ने दूसरे टी-20 में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 99 रन की साझेदारी हुई। मैट हेनरी ने पारी के 11वें ओवर में रिजवान को मिचेल के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। फिर अगली ही गेंद पर हेनरी ने फखर जमान को क्लीन बोल्ड कर दिया।

रिजवान ने 34 गेंदों पर 50 रन बनाए। वहीं बाबर ने 58 गेंदों का सामना कर नाबाद 101 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 3 छक्के और 11 चौके भी जड़े। बाबर और रिजवान के अलावा इफ्तिखार अहमद ने 19 गेंदों पर 33 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। इनके अलावा रचिन रविंद्र और नीशम ने 1-1 विकेट लिए।

हारिस रऊफ के सामने कीवी बल्लेबाजों का सरेंडर

193 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड को 44 रन के स्कोर पर पहला झटका शादाब खान ने दिया। उन्होंने कीवी कप्तान टॉम लाथम को एलबीडब्ल्यू आउट किया। लाथम ने 20 गेंदों का सामना कर 19 रन बनाए।

उनके आउट होने के बाद दूसरे ओपनर चैड बोवेस भी 26 रन बनाकर आउट हो गए। विल यंग और डैरिल मिचेल कुछ खास नहीं कर पाए और 9-9 रन बनाकर चलते बने।

मार्क चैपनमैन ने खेले अर्धशतीय पारी

हालांकि मार्क चैपमेन ने पारी को संभालने की कोशिश की, पर उन्हें दूसरे छोर से अन्य बल्लेबाजों का सहयोग नहीं मिल पाया। चैपमैन ने 40 गेंदों का सामना कर 65 रन बनाए।

वहीं पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने जबरदस्त गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट लिए। जबकि जमान खान, इमाद वसीम और शादाब खान को 1-1 विकेट मिले।

रन आउट से समझौता नहीं...', लगातार 5 हार के बाद पृथ्वी शॉ पर भड़के डेविड वॉर्नर!

खेल डेस्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2023: वहीं खराब फॉर्म से जूझ रहे पृथ्वी शॉ डक पर रनआउट हुए। लगातार 5 हार के बाद डेविड वॉर्नर ने शॉ के रनआउट पर बड़ा बयान दिया।

आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स की हालत खराब हो गई है। कैपिटल्स को इस सीजन में लगातार 5 हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को आरसीबी के खिलाफ 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेविड वॉर्नर की टीम को पावरप्ले में ही पसीने छूट गए। टीम के 3 बल्लेबाज 2.2 ओवर में ही आउट हो गए। वहीं खराब फॉर्म से जूझ रहे पृथ्वी शॉ डक पर रनआउट हुए। लगातार 5 हार के बाद डेविड वॉर्नर ने शॉ के रनआउट पर बड़ा बयान दिया।

डीसी कप्तान ने कहा- मैंने टॉस के दौरान कहा था कि हमें गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विधाओं का बहुत अच्छी तरह से प्रदर्शन करना था, लेकिन दुर्भाग्य से हमने आज रात फिर से वैसा ही ऐसा किया। हमने कई शुरुआती विकेट खो दिए। लक्ष्य का पीछा करना आसान काम होना चाहिए था, लेकिन हम जीत नहीं पाए। वॉर्नर ने आगे कहा- इस प्रारूप में रन आउट से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। इससे कभी-कभी आपको खेल की कीमत चुकानी पड़ सकती है। वॉर्नर ने सिराज की गेंदबाजी की तारीफ कर कहा- सिराज ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। जिस तरह से वे आए और शुरुआत की, उसका श्रेय देना चाहिए। सकारात्मकता अच्छी थी। गेंदबाजी और फील्डिंग असाधारण थी, हमने जो ऊर्जा दिखाई वह भी शानदार थी। अब हमें वापस जाना होगा। हमारे पास पांच दिन की छुट्टी है, हमें खुद पर कड़ी नजर रखनी होगी। वॉर्नर ने कहा- हमें बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करने और शीर्ष क्रम में साझेदारी बनाने की जरूरत है। यह बल्ले से अच्छी शुरुआत करने की बात है। टीमें पहले भी इस 5 हार की स्थिति से अच्छी वापसी कर चुकी हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग से बाहर हो सकता है ब्रॉक लैसनर को हराने वाला ये चैंपियन खिलाड़ी

खेल डेस्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। चैंपियन रेसलर ड्रू मैकइंटायर डब्ल्यूडब्ल्यूई को हमेशा के लिए अलविदा कह सकते हैं। ड्रू मैकइंटायर को हाल ही में 'ग्रैंडेस्ट स्टेज ऑफ देम ऑल' में नजर आए थे। डब्लयूडबल्यूई डब्ल्यूडब्ल्यूई को देखने वाले और उसका आनंद उठाने वाले फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। दरअसल इस शो में भाग लेने वाले चैंपियन खिलाड़ी और रेसलर ड्रू मैकइंटायर डब्ल्यूडब्ल्यूई को हमेशा के लिए अलविदा कह सकते हैं। ड्रू मैकइंटायर को हाल ही में 'ग्रैंडेस्ट स्टेज ऑफ देम ऑल' में शेमस और गुंथर के खिलाफ 'ट्रिपल थ्रेट मैच' में भाग लेते हुए देखा गया था।

इस मैच में ड्रू मैकइंटायर कुछ खास कमाल नहीं कर पाए थे और उन्हें बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा था। मैच में मैकइंटायर को दोनों ही खिलाड़ियों ने टार्गेट किया था। इस मैच के बाद से ही उनकी हालिया गतिविधियों के चलते हर तरफ से कयास लगाए जा रहे हैं कि वे डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कह देंगे।

कांट्रेक्ट जल्द होगा खत्म

हाल ही में यह खबर आई थी कि ड्रू मैकइंटायर का डब्लयूडबल्यूई कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने वाला है। हालाँकि, यह भी बताया गया कि उनके अनुबंध में वर्तमान में नौ महीने बाकी हैं। लेकिन एक नया समझौता होने से दूर है।

अब हालिया गतिविधियों से कयास लगाए जा रहे हैं कि वया डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार एक समझौते पर पहुंचने में विफल रहने के बाद कंपनी छोड़ रहे हैं।

बता दें कि ड्रू मैकइंटायर ने हाल ही में अपना ट्विटर बायो चेंज कर दिया है। उन्होंने वहां से डब्लयूडबल्यूई से जुड़ी हर जानकारी हटा दी है। हालांकि, यह उल्लेखनीय है कि ड्रू मैकइंटायर के ट्विटर हैंडल का नाम अभी भी "ड्रू मैकइंटायर" है।

इसके अलावा रिपोर्ट्स में ये भी पता चला है कि मैकइंटायर इस समय कुछ स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। हालांकि, ड्रू मैकइंटायर की हालिया गतिविधियों का वास्तविक कारण अभी तक ज्ञात नहीं है। यह सैथ रॉलिंस की तरह ही एक स्मोकस्क्रीन भी हो सकता है, जिसने रैसलमेनिया से पहले पिछले साल अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लैक आउट कर दिया था।

कौन हैं ड्रू मैकइंटायर?

ड्रू मैकइंटायर या एंड्रयू मैकलीन गैलोवे 4 एक स्कॉटिश पेशेवर पहलवान हैं, जिन्हें 2007 से डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ अनुबंधित किया गया है। उन्होंने हाल ही में 2023 रॉयल रंबल मैच में भाग लिया था, जहां उन्हें गुंथर द्वारा समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने 2020 में ब्रॉक लेसनर को हराया था और डब्लयूडबल्यूई चैंपियनशीप जीत ली थी।

पहले मैच में चमका बेटा, मां ने लुटा दी ममता

खेल डेस्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विजय कुमार विशाक को डेब्यू का मौका दिया था और इस युवा तेज गेंदबाज ने अपने पहले ही मैच में शानदार खेल दिखा सभी को प्रभावित किया.

नई दिल्लीः आईपीएल-2023 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को हरा दिया. बैंगलोर की बेहतरीन जीत में एक युवा सितारा चमका. ये सितारा है विजय कुमार विशाक. विशाक अपना आईपीएल डेब्यू कर रहे थे और अपने पहले ही मैच में उन्होंने शानदार खेल दिखाते हुए टीम को जीत दिलाई.विशाक के इस प्रदर्शन से उनकी मां बेहद खुश दिखीं और मैच के बाद उन्होंने अपने बेटे को गले लगा लिया.

विशाक ने दिल्ली के खिलाफ आईपीएल का अपना पहला मैच खेला.इस मैच में विशाक ने चार मैचों में 20 रन देकर तीन विकेट लिए. उन्होंने अपना पहला विकेट दिल्ली के कप्तान डेविड वॉर्नर के रूप में लिया. इसके बाद उन्होंने अक्षर पटेल और फिर ललित यादव को पवेलियन की राह दिखाई.

मां ने लगा लिया गले

आईपीएल जैसे मंच पर इस तरह का डेब्यू किसी भी गेंदबाज के लिए आत्मविश्वास के लिहाज से शानदार होता है लेकिन उस खिलाड़ी के घरवालों के लिए ये गर्व का पल होता है.विशाल के इस प्रदर्शन को देख उनकी मां भावुक हो गईं और मैच के बाद उन्होंने अपने बेटे को गले लगा लिया. विशाक और उनकी मां की ये खूबसूरत तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही. उनकी मां उन्हें गले लगाती हैं और फिर चूमती हैं.

विशाक कर्नाटक से ही घरेलू क्रिकेट खेलते हैं. बैंगलोर की टीम में वह बतौर रिप्लेसमेंट आए थे. बैंगलोर के रजत पाटीदार चोटिल हो गए थे और इसी कारण विशाक को आईपीएल खेलने का मौका मिला. दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने अपने पहले ही मैच में कमाल दिखा दिया. विशाक बेशक इस समय तेज गेंदबाज हैं लेकिन पहले वो बल्लेबाज बनना चाहते थे. फ्री प्रेस जर्नल को दिए इंटरव्यू में विशाक के पिता ने बताया था कि पहले उनका वजन काफी बढ़ा हुआ था और उनको फिट करने के लिए उनेक कोच ने विशाक का मजाक उड़ाया था और कहा था कि उनका वजन बढ़ा हुआ है और इसलिए वह तेज गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे.

कोच ने ऐसा इसलिए किया था ताकि विशाक को ठेस पहुंचे और वह फिटनेस हासिल करें. उनका ये तरीका काम आया है और वह फिट होकर अच्छे गेंदबाज बने जिसने अपने पहले ही आईपीएल मैच में तहलका मचा दिया.

कभी डार्लिंग तो कभी जानेमन, हार्दिक पंड्या ने आशीष नेहरा को दिए हैं कितने नाम?

खेल डेस्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। हार्दिक पंड्या ने पहली बार गुजरात टाइटंस के लिए ही कप्तानी की थी और उन्होंने ये कप्तानी आशीष नेहरा की मदद से मिली थी. पंड्या और नेहरा की जोड़ी ने पहले ही सीजन में गुजरात को खिताब दिलाया था.

नई दिल्लीः गुजरात टाइटंस ने पिछले सीजन ही आईपीएल डेब्यू किया था.ये टीम अपने पहले ही सीजन में खिताब जीतने में सफल रही थी. इस सफलता का श्रेय कई लोगों ने टीम के कोच आशीष नेहरा और कप्तान हार्दिक पंड्या की जोड़ी को दिया था. इन दोनों की जोड़ी के बूते ही गुजरात ने कमाल किया था. इन दोनों का रिश्ता दोस्तों जैसा है और इसलिए पंड्या अपने से सीनियर नेहरा के साथ मजाक मस्ती करते हुए नजर आते हैं. पंड्या ने नेहरा को कई निक नेम भी दिए हैं.

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा अपने मजाक-मस्ती वाले नेचर के लिए मशहूर हैं.टीम इंडिया के कई सितारे कह चुके हैं कि नेहरा के साथ रहने का मतलब है जमकर हंसना.नेहरा का स्वभाव दोस्ताना रहता है और इसलिए हर कोई उनसे घुल मिल जाता है. यही कारण है पंड्या की भी नेहरा से दोस्ती गहरी है.

नेहरा को क्या बुलाते हैं पंड्या?

गुजरात टाइटंस ने हाल ही में पंड्या का एक पोडकास्ट शेयर किया है. इसमें गुजरात के कप्तान पंड्या शो के होस्ट गौरव कपूर से बात कर रहे हैं. इसमें गौरव, पंड्या से पूछते हैं कि नेहरा उन्हें कप्तान कहकर बुलाते हैं.इस पर पंड्या हां बोलते हैं और फिर बताते हैं कि वह नेहरा को किस नाम से बुलाते हैं.

पंड्या कहते हैं कि वह नेहरा को क्यूटी कहते हैं. फिर पंड्या कहते हैं कि जब भी उनके और नेहरा के बीच में बातचीत होती है तो इसकी शुरुआत डार्लिंग, कप्तान, क्यूटी, कोच साब,जानेमन से होती है.

नेहरा के कहने पर आए गुजरात

इसी पोडकास्ट में पंड्या ने बताया था कि वह नेहरा के कहने पर गुजरात में आए थे. उन्होंने कहा कि गुजरात के साथ आईपीएल डेब्यू करने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स से भी पंड्या के पास फोन आया था और केएल राहुल के कारण वह लखनऊ की टीम में भी जा रहे थे लेकिन फिर उनकी नेहरा से बात हुई और फिर गुजरात की टीम में आए और कप्तान बने.

इन दोनों की जोड़ी इस सीजन भी हिट होती दिख रही है. गुजरात ने पिछले सीजन जिस तरह का प्रदर्शन किया था उसने इस साल भी इस प्रदर्शन को जारी रखा है. ये टीम आईपीएल-2023 में अभी तक चार मैच खेली है और तीन में उसे जीत मिली है.

ऑरेंज कैप आईपीएल 2023: टॉप पांच में हुई दिग्गज खिलाड़ी की एंट्री, रेस में नंबर 1 पर काबिज हैं धवन

खेल डेस्क, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में 21 मैचों के बाद ऑरेंज कैप की रेस में शिखर धवन नंबर पर काबिज हैं। धवन पंजाब किंग्स के कप्तान हैं और इस सीजन शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के डेविड वॉर्नर का नाम है, जिनकी टीम भले ही पांच में से पांच मैच हार गई हो, लेकिन इस खिलाड़ी के बल्ले से रन निकल रहे हैं। व पर्पल की रेस में राजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान और स्टार खिलाड़ी विराट को हाल ही 214 रनों के साथ तीसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के जॉस बटलर 204 रनों के साथ चौथे और फाफ डु प्लेसिस 197 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं।

ऑरेंज कैप 2023 अपडेटेड लिस्ट

223 रन, शिखर धवन, 4 मैच
228 रन, डेविड वार्नर, मैच 5
214 रन, विराट कोहली, मैच 4
204 रन, जोस बटलर, मैच 4
197 रन, फॉफ डुप्लेसिस, मैच 4

क्या है ऑरेंज कैप और किसे दिया जाता है?

ऑरेंज कैप आईपीएल में दिया जाने वाले एक अवार्ड है। यह उस खिलाड़ी को दिया जाता है तो पूरे सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाता है। सबसे पहले ये पुरस्कार शॉन मार्श ने जीता था, जो साल 2008 में किंग्स इलेवन पंजाब की तरफ से खेले थे। पिछले सीजन राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर ने ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। बटलर ने 17 मुकाबलों में 149.05 की स्ट्राइक रेट से 863 रन बनाए थे। उन्होंने 4 शतक और चार अर्धशतक लगाए थे। इस बार भी अगर बटलर अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो वो ऑरेंज कैप के हकदार बन सकते हैं। हालांकि देखना दिलचस्प होगा कि इस बार कौन कब्जा जमाता है।

किशन रेड्डी ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

कहा, बीआरएस के गठन के बाद केंद्र की आलोचना करना आदत बन गई

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज सीएम केसीआर पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सीएम ने अपनी बीआरएस पार्टी बनाने के बाद हर दिन उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करना अपनी दिनचर्या बना लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने राज्य के शासन को छोड़ दिया है। यह कहते हुए कि सीएम ने सिंगरेनी के अधिकारियों की एक टीम वजाग भेजी है, उन्होंने कहा कि वे विजाग स्टील प्लांट खरीदेंगे, उन्होंने कहा कि कई राज्य मंत्रियों ने इस मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि सिंगरेनी कंपनी के कर्मचारी विजाग खड़ी संयंत्र के अधिग्रहण के लिए मंत्री के बयानों से नाखुश हैं।

राज्य पार्टी मुख्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रेड्डी ने सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं से पूछा कि क्या उन्होंने तेलंगाना के कई बंद उद्योगों को फिर से खोलने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के 90 दिनों के भीतर प्रसिद्ध निजाम शुगर्स फैक्ट्री को फिर से खोलने के अपने वादे को पूरा करने में सीएम विफल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केसीआर को वैजाग स्टील प्लांट के बारे में बात करने का अधिकार नहीं है और कहा कि सीएम प्लांट का मुद्दा उठाकर एक बहादुर चेहरा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम का परिवार केसीआर की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण के केसीआर के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि सीएम ने सत्ता में आने के 9 साल बाद अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण कर राजनीतिक खेल खेला है। आगे बोलते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि जब से वह राज्य के सीएम बने हैं, तब से सीएम भद्राचलम में सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर में रेशमी कपड़े भेंट करने की परंपरा का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दलित बंधु योजना सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी की योजना में बदल गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास इफ्तार पार्टी में शामिल होने का समय है लेकिन भद्राचलम मंदिर जाने का समय नहीं है। सीएम को पत्र लिखने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि वह लोक कल्याण के लिए पत्र लिख रहे हैं।

बीआरएस ने भाजपा के निरुद्योग मार्च को झूठा करार दिया

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हर साल दो करोड़ नौकरियों की भर्ती में नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना बीजेपी नेताओं के निरुदयोग मार्च को झूठा मार्च करार दिया है।

रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, सरकारी व्हिप और विधायक दस्यम विनय भास्कर और एमएलसी पोचारमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य के भाजपा नेताओं को बेरोजगार युवाओं के लिए तेलंगाना में विरोध प्रदर्शन करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि केंद्र पिछले नौ वर्षों के लिए नौकरी अधिसूचना पर युवाओं को धोखा दे रहा है।

विधायक विनय भास्कर ने आरोप लगाया कि शनिवार को वारंगल में आयोजित निरुदयोग मार्च में शामिल होने वाले लोग वास्तविक बेरोजगार युवा नहीं थे और सभी दिहाड़ी मजदूरों के थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना के गठन के बाद से अब तक लगभग 1.32 लाख नौकरियों की भर्ती की है और अन्य 80,000 पदों के लिए नई नौकरी अधिसूचना जारी की गई है।

मध्यस्थता कानूनी समस्याओं को हल करने का सबसे अच्छा तरीका : जस्टिस एनवी रमना

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने आज यह स्पष्ट कर दिया कि मध्यस्थता की प्रक्रिया कानूनी समस्याओं को तेजी से हल करने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता सभी प्रकार के कानूनी विवादों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आज यहां आईएमएसी द्वारा आयोजित भारत मध्यस्थता दिवस कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए, न्यायमूर्ति रमना ने उन सभी लोगों की प्रशंसा की जिन्होंने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। उन्होंने कहा कि वह पहले भारत मध्यस्थता दिवस समारोह में भाग लेकर बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव ने हैदराबाद में एक छोटे से मध्यस्थता केंद्र की स्थापना के बारे में कई बार चर्चा की और कहा कि राव ने राज्य की राजधानी में एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र स्थापित किया था। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायमूर्ति राव ने केंद्र की स्थापना के लिए बहुत प्रयास किए। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति हिमा कोहली ने भी केंद्र की स्थापना के लिए अपना समर्थन दिया था। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता का महत्व आधुनिक समय में बढ़ रहा था और कहा कि यह मुकदमेबाजी करने वाले पक्षों को वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाने से रोकने में मदद करेगा।

न्यायमूर्ति रमण ने कहा कि महाकाव्य महाभारत युद्ध कौरवों और पांडवों के बीच श्रीकृष्ण की मध्यस्थता की विफलता का परिणाम था, उन्होंने कहा कि मध्यस्थता का महत्व भारत में भी बढ़ गया था।

उन्होंने कहा कि वादकारी पक्षों की ओर से मध्यस्थता की प्रक्रिया पूरे विश्वास के साथ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। कार्यक्रम में सिंगापुर इंटरनेशनल मेडिएशन सेंटर के अध्यक्ष जॉर्ज लिम ने भी हिस्सा लिया।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप संपन्न

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना जायसवाल सेवा समिति के सहयोग से 110वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप गोशामहल हिन्दीनगर स्थित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित किया गया। आज यहां सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल शिविर में बेगमपेट स्थित मेडिकवर अस्पताल द्वारा सामान्य परीक्षण की सेवा डॉ.भानु हिमा कुमार ने दी, हृदयरोग का परीक्षण डॉ.रणधीर ने किया। साथ ही शिविर में स्त्री रोग, अस्थि रोग, ईसीजी -2डी इको-बीएमडी, आरबीएस-रक्तचाप जांच आदि की सेवा दी गई। ईएनटी की जांच रॉयल पर्ल ईएनटी के डॉ.अविनाश व टीम द्वारा, नेत्र रोग की जांच एलसीएस डंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मारेडपल्ली द्वारा की गई। अवसर पर 119 लोगों को चश्मे वितरित किये गये और 17 लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन की निशुल्क व्यवस्था की गई।अवसर पर दांतों की जांच इवोक डेंटल केयर के डॉ. मनीता सेठ द्वारा तथा फिजियोथेरेपी बजाज फिजियो केयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा की गई। शिविर का 249 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

शिविर में अग्रवाल सेवा दल के सदस्य एवं शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल सुधीर गुप्ता, अजीत गुप्ता, कैलाश केडिया, निखिल रानासरिया, स्थानीय पार्टनर तेलंगाना जायसवाल सेवा समिति के राकेश जायसवाल, एम.राजू यादव, संजय कुमार, रामकृष्णा, अनिल यादव, रघु कांबले, संदीप जैन, हरिनाथ, रवि, बाबू, राजू गौड़, नरसिंग, श्रीराम, रोशन, रेणु, कल्पना, विद्या शिन्दे, संगीता, प्राची जैन, श्वेता, अशोक जयसवाल, स्वयंसेवी अजय तुलस्यान, जितेन्द्र गोयल, सुमन भुवानिया, बबीता गर्ग, रितू गर्ग, पूजा गुप्ता, मनोज सिंह, राधेश्याम बियानी, विनोद अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल, वंदना अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्य सहित अन्य उपस्थित थे।

पर्यावरण पर ध्यान देकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपट सकते हैं, जी-7 की बैठक में बोले केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पर्यावरणीय एक्शन के साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से समग्र रूप से निपटने की जरूरत है। जापान के साप्पोरो में जी-7 की बैठक में भारत ने ये बातें कही। जलवायु, ऊर्जा और पर्यावरण के मुद्दे पर यह बैठक हो रही थी। जी-7 की मंत्रियों की एक बैठक में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत में सामूहिक प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें व्यक्तिगत के साथ ही समुदाय की कोशिशों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सरकार का मिशन एलआईएफई :

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मिशन एलआईएफई के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है ताकि समुदाय के व्यवहार का पर्यावरण पर सकारात्मक असर पड़े और जलवायु परिवर्तन के असर को कम किया जा सके। भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बीते साल एलआईएफई मिशन लॉन्च किया था ताकि लोगों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाकर लोगों को जागरूक किया जाए कि प्राकृतिक संसाधनों को समझदारी से इस्तेमाल किया जाए।

जलवायु परिवर्तन मानवता के लिए गंभीर चुनौती :

उन्होंने कहा कि अपने इकोसिस्टम की सुरक्षा और उसे फिर से बहाल करने से जलवायु परिवर्तन के असर को कम किया जा सकता है। यही वजह है कि हम पर्यावरणीय कार्रवाई से जलवायु परिवर्तन से निपटने पर जोर दे रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, मरुस्थल का बढ़ना और जैव विविधता का नुकसान गहरे तौर पर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और यह मानवता के लिए गंभीर चुनौती हैं। रियो सम्मेलन से इन चुनौतियों से निपटने में खासी प्रगति हुई है।

भारत ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं और महत्वकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। भूपेंद्र यादव ने कहा कि हर देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जिम्मेदारी उठाए लेकिन विकसित देश इस दिशा में ज्यादा भार वहन करने की जरूरत है क्योंकि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में उनकी ज्यादा भूमिका है। उन्हें उम्मीद है कि जी-7 देश जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए कड़े कदम उठाएंगे क्योंकि हमारे पास एक ही पृथ्वी है और हम एक परिवार है, जिनका एक ही भविष्य है। बता दें कि जी-7 देशों में कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, इटली, जापान, अमेरिका और ब्रिटेन शामिल हैं।

मोजाम्बिक में हुआ शानदार स्वागत, विदेश मंत्री ने ट्रेन यात्रा को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर हाल ही में अफ्रीकी देश मोजाम्बिक का दौरा पूरा कर वापस भारत लौटे हैं। विदेश मंत्री ने अपने ट्विटर पर एक पॉडकास्ट शेयर किया है, जिसमें बताया कि मोजाम्बिक में उनका शानदार स्वागत हुआ। विदेश मंत्री ने मोजाम्बिक में भारत में निर्मित ट्रेन के सफर का भी आनंद लिया था, उसे भी विदेश मंत्री ने याद किया। बता दें कि मोजाम्बिक में विदेश मंत्री की ट्रेन यात्रा का वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया गया था।

मोजाम्बिक में गर्मजोशी से हुआ स्वागत :

विदेश मंत्री ने कहा कि मैंने हाल ही में मोजाम्बिक का दौरा किया, जहां मेरा पूरी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मेरी राष्ट्रपति न्यूसी से मुलाकात हुई। मैंने मोजाम्बिक विदेश मंत्री वेरोनिका मोकामो के साथ एक जॉइंट कमीशन की सह-अध्यक्षता की। साथ ही ट्रांसपोर्ट मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और नेशनल असेंबली के स्पीकर से भी मुलाकात की।

भारतीय मूल के लोगों से की मुलाकात :

एस. जयशंकर ने कहा कि मोजाम्बिक में उन्होंने एक भारतीय मूल के व्यक्ति की फार्मा कंपनी का भी दौरा किया। साथ ही वहां भारतीय मूल के समुदाय को संबोधित किया। बता दें कि एस जयशंकर मोपुतो स्थित शिव मंदिर भी गए और एक सदी पुराने सालामानका मंदिर भी गए। एस. जयशंकर 10 अप्रैल से लेकर 15 अप्रैल तक युगांडा और मोजाम्बिक के दौरे पर थे। युगांडा में भी विदेश मंत्री ने भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात की थी।

टीटीडी बोर्ड ने श्री पद्मावती महिला मेडिकल कॉलेज के लिए 53.62 करोड़ मंजूर किए

तिरुमाला, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड की बैठक वाईवी सुब्बा रेड्डी की अध्यक्षता में टीटीडी ईओ एवी धर्मा रेड्डी, धर्मादा आयुक्त सत्यनारायण और बोर्ड के अन्य सदस्यों और एलएसी प्रमुखों के साथ शनिवार को तिरुमाला के अन्नामैया भवन में हुई। महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, अध्यक्ष ने टीटीडी बोर्ड के सदस्यों चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी, सनत कुमार और वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी के साथ आरवाईएसएस और एपी मार्कफेड के साथ विचार-विमर्श करने के लिए टीटीडी आवश्यकताओं के अनुसार 12 जैविक उत्पादों की खरीद के लिए दरों को तय करने के लिए एक समिति गठित की थी। बोर्ड ने श्री पद्मावती महिला मेडिकल कॉलेज के टीबी, छाती और त्वचा अलगाव वार्ड और स्टाफ क्वार्टर-सह-छात्रावास के निर्माण के लिए 53.62 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए। बोर्ड ने कोल्ड स्टोरेज के निर्माण के लिए 14 करोड़ रुपये और अलीपीरी मार्केटिंग गोदाम के पास एक नया गोदाम बनाने के लिए 18 करोड़ रुपये भी मंजूर किए। इसी तरह, तिरुपति में एसवी जूलॉजिकल पार्क में एक सुरक्षित आश्रय के तहत सिवेट बिल्लियों के संरक्षण और पालन-पोषण के लिए 4.32 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे। इसने नई दिल्ली में स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में बड़े पैमाने पर वार्षिक ब्रह्मोत्सव मनाने के लिए नई दिल्ली में एसवी कॉलेज में ऑडिटोरियम के विकास कार्यों के लिए 4 करोड़ रुपये दिए। इस वर्ष, वार्षिक उत्सव 3 से 13 मई के बीच मनाया जाएगा। तिरुपति में ततैयागुंता गंगम्मा मंदिर में नवीनीकरण और विकास कार्यों के लिए 3.12 करोड़ की निविदाओं को मंजूरी दी गई थी। टीटीडी बोर्ड ने गुंटूर भक्त अलापति तारादेवी द्वारा बेदी अंजनेय के लिए लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के चांदी के कवच के दान को भी मंजूरी दी। टीटीडी के सामान्य स्कूलों, जूनियर और डिग्री कॉलेजों में नियमित शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति और मौजूदा अनुबंध संकाय को जारी रखने की मंजूरी दी गई।

सत्ता में आने के बाद मोदी ने एक भी वादा पूरा नहीं किया : भाकपा

हैदराबाद, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव सैयद अजीज पाशा ने आज सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र के अड्डागुटा में 'भाजपा हटाओ देश बचाओ घर-घर अभियान' की शुरुआत की। इस अवसर पर बोलते हुए, अजीज पाशा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मोदी ने सत्ता में आने के बाद उनसे किए गए वादों को पूरा नहीं करके उन सभी को धोखा दिया, जिन्होंने उन्हें वोट दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी, जिन्होंने देश के बेरोजगार युवाओं को दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, पद संभालने के बाद अपने वादे को पूरा करने में बुरी तरह विफल रहे और कहा कि जीएसटी लगाने जैसे मोदी के अतार्किक फैसलों के कारण देश में सैकड़ों कंपनियां बंद हो गईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से अच्छे दिनों का वादा करके आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि की है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री सांप्रदायिक राजनीति में शामिल होकर देश के लोगों, खासकर युवाओं का ध्यान बेरोजगारी और गरीबी जैसी ज्वलंत समस्याओं से भटका रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पीएम अपने कॉर्पोरेट मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए सभी सार्वजनिक संपत्तियों को बेच रहे हैं।भाकपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं की आवाज दबाने के उद्देश्य से ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय खुफिया एजेंसियों का दुरुपयोग कर उन्हें डरा रहे हैं।

दलित बंधु योजना से साकार हुए कई लोगों के सपने

गरीबी के जाल से बाहर निकालने में मिली बड़ी मदद

खम्मम, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कभी दिहाड़ी मजदूर तो कभी छोटे मोटे धंधे कर अपने परिवार का गुजारा करने वाले राज्य के कई गरीबों के जीवनस्तर में बदलाव लाने में दलित बंधु योजना कारगर साबित हुई रही है। कई दलितों के सपने साकार हुए साथ ही इस योजना ने उनके चेहरे पर खुशी लाई है। इसी योजना के तहत कई व्यक्ति अब कई संस्था के मालिक बन गये हैं और दलित बंधु के सौजन्य से आर्थिक रूप से फल-फूल रहे हैं।

खम्मम के कोल्ली बाबू, सोमापोगु गोपी और गंधम बालकृष्ण ने एक अर्थमूवर और निर्माण उपकरण खरीदने के लिए इस योजना के तहत प्राप्त धन को एकत्र किया। इससे पहले बाबू, एक मजदूर, दोनों गुज़ारे को पूरा करने के लिए एक दर्जी के रूप में काम करता था, जबकि बालकृष्ण एक चित्रकार के रूप में और गोपी एक सफाई कर्मचारी के रूप में काम करते थे। चिंताकानी मंडल के नगलवंचा गांव की रेलवे कॉलोनी के रहने वाले ये लोग रोजाना 400-500 रुपये कमाते थे, वह भी नियमित नहीं। उन्होंने दलित बंधु के लिए आवेदन किया और 14 मई, 2022 को यूनिट प्राप्त की। पिछले 11 महीनों से, वे निर्माण और कृषि कार्य में मशीन लगाकर औसतन 40,000-50,000 रुपये प्रति माह कमा रहे हैं। वे नियोक्ता भी बन गए हैं क्योंकि उन्होंने अर्थमूवर को चलाने के लिए एक ड्राइवर को काम पर रखा है।

उन्होंने बताया कि यूनिट प्राप्त करने के 15 दिनों के भीतर, हमने 4,000 ट्रिप मिट्टी की खुदाई की। हमने मिशन भागीरथ पाइपलाइन के काम को भी अंजाम दिया। अगर सीजन अच्छा रहा तो हम एक दिन में 3,000 रुपये से ज्यादा कमाते हैं। हमने कभी उम्मीद नहीं की थी कि हम किसी को अपने लिए काम पर रख सकते हैं। बाबू ने बताया, यह कहते हुए कि उन्हें नलगोंडा और सूर्यापेट के पड़ोसी जिलों और आंध्र प्रदेशके एनटीआर जिले से भी काम मिल रहा है। अगर दलित बंधु योजना शुरू नहीं की गई होती, तो हम गरीबी में फंसे मजदूर बने रहते। इस योजना ने हमें गरीबी से मुक्ति दिलाई है। वे कहते हैं कि आजादी के 75 साल बाद से, किसी भी राजनीतिक दल या नेता ने दलितों के जीवन को उज्ज्वल करने के लिए दलित बंधु जैसी योजना की कल्पना नहीं की है। वे कहते हैं कि वे अब सम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं।

उधर, हनमकोंडा में वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी में जुनून रखने वाला बंदेला राजेंद्र प्रसाद उर्फ शेन को उस रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। अपने करियर के शुरुआती दौर में प्रसाद ने एक स्टूडियो में लाइट बॉय के तौर पर काम किया। लेकिन अब, वह एक उद्यमी हैं, अपना खुद का एक स्टूडियो होने के अलावा, कुछ फ़ोटोग्राफ़रों को रोज़गार प्रदान कर रहे हैं, इसके लिए राज्य सरकार की दलित बंधु योजना को उन्होंने धन्यवाद दिया है।

मंच गिरने से मंत्री गंगुला कमलाकर चोटिल

करीमनगर, 16 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर रविवार को करीमनगर ग्रामीण मंडल के चेरलाबुथकुर में एक मंच गिरने से मामूली रूप से घायल हो गए। मंत्री गांव में धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन करने के बाद दोपहर 3 बजे 'चिरुतला रामनारायण' कार्यक्रम के समापन समारोह में हिस्सा लेने के लिए मंच पर जा रहे थे।

जैसे ही मंत्री मंच पर चढ़े, उनके कई अनुयायी और अन्य लोग भी उनके पीछे हो लिए। इतने लोगों के वजन से दबने के कारण मंच ढह गया। कमलाकर के पैर में मामूली चोट आई है। हालाँकि उन्होंने अपने कार्यक्रमों को जारी रखा और मुगदुमपुर में एक और धान खरीद केंद्र का उद्घाटन करने के बाद, वे करीमनगर के एक निजी अस्पताल गए, जहाँ उन्हें दो सप्ताह के आराम की सलाह दी गई और घाव का इलाज करने के बाद छुट्टी दे दी गई।

जेडपीटीसी सदस्य पुरुमल्ला ललिता और सात अन्य को भी इस घटना में मामूली चोटें आईं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओं का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.